नए भारतीय आपराधिक कानून

जाँच अधिकारियों के लिए निर्देश पुस्तिका

सत्यमेव जयते

CHANDIGARH POLICE
WE CARE FOR YOU

चण्डीगढ़ पुलिस

वी केयर फॉर यू

संदेश

भारतीय संसद में 22 दिसंबर 2023 को तीन नए क्रिमिनल क़ानूनों को पारित किया गया,जिनमें भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 शामिल हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में ये तीन नए क़ानून आज़ाद भारत में 'दंड से न्याय' के सफ़र में मील का पत्थर साबित होंगे। माननीय गृह मंत्री जी के नेतृत्व में देश की न्याय प्रणाली में तीन नए क्रिमिनल क़ानून के लागू होने से आमूलचूल परिवर्तन होना निश्चित है।

नए क्रिमनल क़ानून को प्रभावशाली तरीक़े से लागू करने के लिए हमारी कार्यप्रणाली में कुछ मूलभूत परिवर्तन करना आवश्यक है ।हमारे जाँच अधिकारियों की इन कानूनों के विषय में पर्याप्त जानकारी एवं ट्रेनिंग अत्यधिक महत्वपूर्ण है ,और इसी लक्ष्य की पूर्ति के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने तीन नए अपराधिक कानूनों के सरल विवरण को हिन्दी,अंग्रेज़ी और पंजाबी भाषाओं में एक पुस्तिका के रूप में तैयार किया है, जो जाँच अधिकारियों को आपराधिक विवेचना में उचित मार्गदर्शन देगी।मुझे उम्मीद है कि 3 नए क़ानून के लागू होने की दिशा में यह पुस्तिका हमारे पुलिसकर्मियों के कार्य प्रणाली को और प्रभावी बनाने में उचित सहायता प्रदान करेगी।

Kanjan

प्रवीर रंजन
पुलिस महानिदेशक
यू॰ टी॰, चण्डीगढ़

नए भारतीय आपराधिक कानून

- भारतीय न्याय संहिता, 2023
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023
- भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023

भारतीय न्याय संहिता

2023

तुलनात्मक तालिका

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की सम्बन्धित प्रावधानों की तुलना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
1	संहिता का नाम और उसके प्रवर्तन का विस्तार	1(1)/(2)	संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना
2	भारत के भीतर किए गए अपराधों का दण्ड	1(3)	संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना
3	भारत से परे किये गये किन्तु उसके भीतर विधि के अनुसार विचारणीय अपराधों का दण्ड	1(4)	संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना
4	राज्यक्षेत्रातीत अपराधों पर संहिता का विस्तार	1(5)	संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना
5	कुछ विधियों पर इस अधिनियम द्वारा प्रभाव न डाला जाना	1(6)	संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना
6	संहिता में की परिभाषाओं का अपवादों के अध्यधीन समझा जाना	3(1)	साधारण स्पष्टीकरण
7	एक बार स्पष्टीकृत पद का भाव	3(2)	साधारण स्पष्टीकरण
8	लिंग	2(10)	लिंग
9	वचन	2(22)	वचन
10	"पुरुष", "स्त्री"	2(19) 2(35)	"पुरुष" "स्त्री"
11	"व्यक्ति"	2(26)	"व्यक्ति"
12	"लोक"	2(27)	"लोक"
13	"क्वीन" की परिभाषा	–	–
14	"सरकार का सेवक"	–	–
15	"ब्रिटिश इन्डिया" की परिभाषा	–	–
16	"गवर्नमेंट ऑफ इन्डिया" की परिभाषा	–	–
17	"सरकार"	2(12)	"सरकार"
18	"भारत"	–	–
19	"न्यायाधीश"	2(16)	"न्यायाधीश"
20	"न्यायालय"	2(5)	"न्यायालय"
21	"लोक सेवक"	2(28)	"लोक सेवक"

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
22	"जंगम सम्पत्ति"	2(21)	"जंगम सम्पत्ति"
23, पैरा 1	"सदोष अभिलाभ"	2(36)	"सदोष अभिलाभ"
23, पैरा 2	"सदोष हानि"	2(37)	"सदोष हानि"
23, पैरा 3	सदोष अभिलाभ प्राप्त करना, सदोष हानि उठाना	2(38)	सदोष अभिलाभ प्राप्त करना, सदोष हानि उठाना
24	"बेईमानी से"	2(7)	"बेईमानी से"
25	"कपटपूर्वक"	2(9)	"कपटपूर्वक"
26	"विश्वास करने का कारण"	2(29)	"विश्वास करने का कारण"
27	"पत्नी, लिपिक या सेवक के कब्जे में सम्पत्ति"	3(3)	साधारण स्पष्टीकरण
28	"कूटकरण"	2(4)	"कूटकरण"
29	"दस्तावेज"	2(8)	"दस्तावेज"
29क	"इलेक्ट्रानिक अभिलेख"	2(39)	उन शब्दों और पदों के
30	"मूल्यवान प्रतिभूति"	2(31)	"मूल्यवान प्रतिभूति"
31	"विल"	2(34)	"विल"
32	कार्यों का निर्देश करने वाले शब्दों के अन्तर्गत अवैध लोप आता है	2(1) 3(4)	"कार्य" साधारण स्पष्टीकरण
33	"कार्य", "लोप"	2(1) 2(25)	"कार्य" "लोप"
34	सामान्य आशय को अग्रसर करने में कई व्यक्तियों द्वारा किए गए कार्य	3(5)	साधारण स्पष्टीकरण
35	जबकि ऐसा कार्य इस कारण आपराधिक है कि वह आपराधिक ज्ञान या आशय से किया गया है	3(6)	साधारण स्पष्टीकरण
36	अंशत: कार्य द्वारा और अंशत: लोप द्वारा कारित परिणाम	3(7)	साधारण स्पष्टीकरण
37	किसी अपराध को गठित करने वाले कई कार्यों में से किसी एक को करके सहयोग करना	3(8)	साधारण स्पष्टीकरण
38	आपराधिक कार्य में संपृक्त व्यक्ति विभिन्न अपराधों के दोषी हो सकेंगे	3(9)	साधारण स्पष्टीकरण
39	"स्वेच्छया"	2(33)	"स्वेच्छया"
40	"अपराध"	2(24)	"अपराध"
41	"विशेष विधि"	2(30)	"विशेष विधि"
42	"स्थानीय विधि"	2(18)	"स्थानीय विधि"
43	"अवैध", "करने के लिए वैध रूप से आबद्ध"	2(15)	"अवैध" और "करने के लिए वैध रूप से आबद्ध"

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
44	"क्षति"	2(14)	"क्षति"
45	"जीवन"	2(17)	"जीवन"
46	"मृत्यु"	2(6)	"मृत्यु"
47	"जीव-जन्तु"	2(2)	"जीव-जन्तु"
48	"जलयान"	2(32)	"जलयान"
49	"वर्ष" या "मास"	2(20)	"मास" या "वर्ष"
50	"धारा"	–	–
51	"शपथ"	2(23)	"शपथ"
52	"सद्भावपूर्वक"	2(11)	"सद्भावपूर्वक"
52क	"संश्रय"	2(13)	"संश्रय"
53	"दण्ड"	4	दण्ड
53क	निर्वासन के प्रति निर्देश का अर्थ लगाना	–	–
54	मृत्यु दण्डादेश का लघुकरण	5	दण्डादेश का लघुकरण
55	आजीवन कारावास के दण्डादेश का लघुकरण	5	दण्डादेश का लघुकरण
55क	"समुचित सरकार" की परिभाषा	स्पष्टी. से धारा 5	दण्डादेश का लघुकरण
56	यूरोपियों तथा अमेरिकियों को कठोर श्रम कारावास का दण्डादेश दस वर्ष से अधिक किन्तु जो आजीवन कारावास से अधिक न हो, दण्डादेश के सम्बन्ध में परन्तुक	–	–
57	दण्डावधियों की भिन्नें	6	दण्डावधियों की भिन्नें
58	निर्वासन से दण्डादिष्ट अपराधियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाए जब तक वे निर्वासित न कर दिए जाएं	–	–
59	कारावास के बदले निर्वासन	–	–
60	दण्डादिष्ट कारावास के कतिपय मामलों में सम्पूर्ण कारावास या उसका कोई भाग कठिन या सादा हो सकेगा	7	दण्डादिष्ट (कारावास के कतिपय मामलों में) सम्पूर्ण कारावास या उसका कोई भाग कठिन या सादा हो सकेगा
61	संपत्ति के समपहरण का दण्डादेश	–	–
62	मृत्यु, निर्वासन या कारावास से दण्डनीय अपराधियों की बाबत सम्पत्ति का समपहरण	–	–
63	जुर्माने की रकम	8(1)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
64	जुर्माना न देने पर कारावास का दण्डादेश	8(2)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम
65	जबकि कारावास और जुर्माना दोनों आदिष्ट किए जा सकते हैं, तब जुर्माना न देने पर कारावास की अवधि	8(3)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम
66	जुर्माना न देने पर किस भाँति का कारावास दिया जाये	8(4)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम
67	जुर्माना न देने पर कारावास, जबकि अपराध केवल जुर्माने से दण्डनीय हो	8(5)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम
68	जुर्माना देने पर कारावास का पर्यवसान (समाप्त) हो जाना	8(6)(क)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम
69	जुर्माने की आनुपातिक भाग के दिए जाने की दशा में कारावास का पर्यवसान	8(6)(ख)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम
70	जुर्माने का छह वर्ष के भीतर या कारावास के दौरान में उद्ग्रहणीय होना–सम्पत्ति को दायित्व से मृत्यु उन्मुक्त नहीं करती	8(7)	जुर्माने की रकम, जुर्माना, आदि देने में व्यतिक्रम
71	कई अपराधों से मिलकर बने अपराध के लिए दण्ड की अवधि	9	कई अपराधों से मिलकर बने अपराध के लिए दण्ड की अवधि
72	कई अपराधों में से एक के दोषी व्यक्ति के लिए दण्ड जबकि निर्णय में यह कथित है कि यह सन्देह है कि वह किस अपराध का दोषी है	10	कई अपराधों में से एक के दोषी व्यक्ति के लिए दण्ड, जबकि निर्णय में यह कथित है कि यह संदेह है कि वह किस अपराध का दोषी है
73	एकान्त परिरोध	11	एकांत परिरोध
74	एकान्त परिरोध की अवधि	12	एकांत परिरोध की अवधि
75	पूर्व दोषसिद्धि के पश्चात् अध्याय 12 या अध्याय 17 के अधीन कतिपय अपराधों के लिए वर्धित दण्ड	13	पूर्व दोषसिद्धि के पश्चात् कतिपय अपराधों के लिए वर्धित दण्ड
76	विधि द्वारा आबद्ध या तथ्य की भूल के कारण अपने आप को विधि द्वारा आबद्ध होने का विश्वास करने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य	14	विधि द्वारा आबद्ध या तथ्य की भूल के कारण अपने आप को विधि द्वारा आबद्ध होने का विश्वास करने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य
77	न्यायिकत: कार्य करते हुए न्यायाधीश का कार्य	15	न्यायिक रूप से कार्य करते हुए न्यायाधीश का कार्य
78	न्यायालय के निर्णय या आदेश के अनुसरण में किया गया कार्य	16	न्यायालय के निर्णय या आदेश के अनुसरण में किया गया कार्य
79	विधि द्वारा न्यायानुमत या तथ्य की भूल से अपने को विधि द्वारा न्यायानुमत होने का विश्वास करने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य	17	विधि द्वारा न्यायानुमत या तथ्य की भूल से अपने को विधि द्वारा न्यायानुमत होने का विश्वास करने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
80	विधिपूर्ण कार्य करने में दुर्घटना	18	विधिपूर्ण कार्य करने में दुर्घटना
81	कार्य, जिससे अपहानि कारित होना सम्भाव्य है, किन्तु जो आपराधिक आशय के बिना और अन्य अपहानि के निवारण के लिए किया गया है	19	कार्य, जिससे अपहानि कारित होना संभाव्य है, किंतु जो आपराधिक आशय के बिना और अन्य अपहानि के निवारण के लिए किया गया है
82	सात वर्ष से कम आयु के शिशु का कार्य	20	सात वर्ष से कम आयु के बालक का कार्य
83	सात वर्ष से ऊपर किन्तु बारह वर्ष से कम आयु के अपरिपक्व समझ के शिशु का कार्य	21	सात वर्ष से ऊपर, किंतु बारह वर्ष से कम आयु के अपरिपक्व समझ के बालक का कार्य
84	विकृतचित्त व्यक्ति का कार्य	22	विकृत चित्त व्यक्ति का कार्य
85	ऐसे व्यक्ति का कार्य जो अपनी इच्छा के विरुद्ध मत्तता में होने के कारण निर्णय पर पहुँचने में असमर्थ है	23	ऐसे व्यक्ति का कार्य जो अपनी इच्छा के विरूद्ध मत्तता में होने के कारण निर्णय पर पहुंचने में असमर्थ है
86	किसी व्यक्ति द्वारा, जो मत्तता में है, किया गया अपराध जिसमें विशेष आशय या ज्ञान का होना अपेक्षित है	24	किसी व्यक्ति द्वारा, मत्तता में किया गया अपराध, जिसमें विशिष्ट आशय या ज्ञान का होना अपेक्षित है
87	सम्मति से किया गया कार्य जिससे मृत्यु या घोर उपहति कारित करने का आशय न हो और न उसकी सम्भाव्यता का ज्ञान हो	25	सम्मति से किया गया कार्य जिससे मृत्यु या घोर उपहति कारित करने का आशय न हो और न उसकी संभाव्यता का ज्ञान हो
88	किसी व्यक्ति के फायदे के लिए सम्मति से सद्भावपूर्वक किया गया कार्य जिससे मृत्यु कारित करने का आशय नहीं है	26	किसी व्यक्ति के फायदे के लिए सम्मति से सद्भावपूर्वक किया गया कार्य, जिससे मृत्यु कारित करने का आशय नहीं है
89	संरक्षक द्वारा या उसकी सम्मति से शिशु या उन्मत्त व्यक्ति के फायदे के लिए सद्भावपूर्वक किया गया कार्य	27	संरक्षक द्वारा या उसकी सम्मति से बालक या विकृत चित्त वाले व्यक्ति के फायदे के लिए सद्भावपूर्वक किया गया कार्य
90	सम्मति, जिसके सम्बन्ध में यह ज्ञात हो कि वह भय या भ्रम के अधीन दी गई है	28	सम्मति, जिसके सम्बन्ध में यह ज्ञात हो कि वह भय या भ्रम के अधीन दी गई है
91	ऐसे कार्यों का अपवर्जन जो कारित अपहानि के बिना भी स्वत: अपराध है	29	ऐसे कार्यों का अपवर्जन जो कारित अपहानि के बिना भी स्वत: अपराध है
92	सम्मति के बिना किसी व्यक्ति के फायदे के लिए सद्भावपूर्वक किया गया कार्य	30	सम्मति के बिना किसी व्यक्ति के फायदे के लिए सद्भावपूर्वक किया गया कार्य
93	सद्भावपूर्वक दी गई संसूचना	31	सद्भावपूर्वक दी गई संसूचना
94	वह कार्य जिसको करने के लिए कोई व्यक्ति धमकियों द्वारा विवश किया गया है	32	वह कार्य जिसको करने के लिए कोई व्यक्ति धमकियों द्वारा विवश किया गया है
95	तुच्छ अपहानि कारित करने वाला कार्य	33	तुच्छ अपहानि कारित करने वाला कार्य
96	प्राइवेट प्रतिरक्षा में की गई बातें	34	प्राइवेट प्रतिरक्षा में की गई बातें

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
97	शरीर तथा सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार	35	शरीर तथा सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार
98	ऐसे व्यक्ति के कार्य के विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार जो विकृतचित्त आदि हो	36	ऐसे व्यक्ति के कार्य के विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार जो विकृतचित्त आदि हो
99	कार्य, जिनके विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का कोई अधिकार नहीं है	37	कार्य, जिनके विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का कोई अधिकार नहीं है
100	शरीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार मृत्यु कारित करने पर कब होता है	38	शरीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार मृत्यु कारित करने पर कब होता है
101	कब ऐसे अधिकार का विस्तार मृत्यु से भिन्न कोई अपहानि कारित करने तक का होता है	39	कब ऐसे अधिकार का विस्तार मृत्यु से भिन्न कोई अपहानि कारित करने तक का होता है
102	शरीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का प्रारम्भ और बना रहना	40	शरीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का प्रारम्भ और बना रहना
103	कब सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार मृत्यु कारित करने तक का होता है	41	कब सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का विस्तार मृत्यु कारित करने तक का होता है
104	ऐसे अधिकार का विस्तार मृत्यु से भिन्न कोई अपहानि कारित करने तक का कब होता है	42	ऐसे अधिकार का विस्तार मृत्यु से भिन्न कोई अपहानि कारित करने तक का कब होता है
105	सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का प्रारम्भ और बना रहना	43	सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का प्रारम्भ और बना रहना
106	घातक हमले के विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार जबकि निर्दोष व्यक्ति को अपहानि होने का जोखिम है	44	घातक हमले के विरुद्ध प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार जबकि निर्दोष व्यक्ति को अपहानि होने का जोखिम है
107	किसी बात का दुष्प्रेरण	45	किसी बात का दुष्प्रेरण
108	दुष्प्रेरक	46	दुष्प्रेरक
108क	भारत से बाहर के अपराधों का भारत में दुष्प्रेरण	47	भारत से बाहर के अपराधों का भारत में दुष्प्रेरण
109	दुष्प्रेरण का दण्ड, यदि दुष्प्रेरित कार्य उसके परिणामस्वरूप किया जाए, और जहां कि उसके दण्ड के लिए कोई अभिव्यक्त उपबन्ध नहीं है	49	दुष्प्रेरण का दण्ड, यदि दुष्प्रेरित कार्य उसके परिणामस्वरूप किया जाए, और जहां कि उसके दण्ड के लिए कोई अभिव्यक्त उपबन्ध नहीं है
110	दुष्प्रेरण का दण्ड, यदि दुष्प्रेरित व्यक्ति दुष्प्रेरक के आशय से भिन्न आशय से कार्य करता है	50	दुष्प्रेरण का दण्ड, यदि दुष्प्रेरित व्यक्ति दुष्प्रेरक के आशय से भिन्न आशय से कार्य करता है
111	दुष्प्रेरक का दायित्व जब एक कार्य का दुष्प्रेरण किया गया है और उससे भिन्न कार्य किया गया है	51	दुष्प्रेरक का दायित्व जब एक कार्य का दुष्प्रेरण किया गया है और उससे भिन्न कार्य किया गया है

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
112	दुष्प्रेरक कब दुष्प्रेरित कार्य के लिए और किए गए कार्य के लिए आकलित दण्ड से दण्डनीय है	52	दुष्प्रेरक कब दुष्प्रेरित कार्य के लिए और किए गए कार्य के लिए आकलित दण्ड से दण्डनीय है
113	दुष्प्रेरित कार्य से कारित उस प्रभाव के लिए दुष्प्रेरक का दायित्व जो दुष्प्रेरक द्वारा आशयित से भिन्न हो	53	दुष्प्रेरित कार्य से कारित उस प्रभाव के लिए दुष्प्रेरक का दायित्व जो दुष्प्रेरक द्वारा आशयित से भिन्न हो
114	अपराध किए जाते समय दुष्प्रेरक की उपस्थिति	54	अपराध किए जाते समय दुष्प्रेरक की उपस्थिति
115	मृत्यु या आजीवन कारावास से दण्डनीय अपराध का दुष्प्रेरण–यदि अपराध नहीं किया जाता	55	मृत्यु या आजीवन कारावास से दण्डनीय अपराध का दुष्प्रेरण
116	कारावास से दण्डनीय अपराध का दुष्प्रेरण–यदि अपराध न किया जाए	56	कारावास से दण्डनीय अपराध का दुष्प्रेरण
117	लोक साधारण द्वारा या दस से अधिक व्यक्तियों द्वारा अपराध किए जाने का दुष्प्रेरण	57	लोक साधारण द्वारा या दस से अधिक व्यक्तियों द्वारा अपराध किए जाने का दुष्प्रेरण
118	मृत्यु या आजीवन कारावास से दण्डनीय अपराध करने की परिकल्पना को छिपाना	58	मृत्यु या आजीवन कारावास से दण्डनीय अपराध करने की परिकल्पना को छिपाना
119	किसी ऐसे अपराध के किए जाने की परिकल्पना का लोक सेवक द्वारा छिपाया जाना, जिसका निवारण करना उसका कर्त्तव्य है	59	किसी ऐसे अपराध के किए जाने की परिकल्पना का लोक सेवक द्वारा छिपाया जाना, जिसका निवारण करना उसका कर्त्तव्य है
120	कारावास से दण्डनीय अपराध करने की परिकल्पना को छिपाना	60	कारावास से दण्डनीय अपराध करने की परिकल्पना को छिपाना
120क	आपराधिक षड्यन्त्र की परिभाषा	61(1)	आपराधिक षड्यन्त्र
120ख	आपराधिक षड्यन्त्र का दण्ड	61(2)	आपराधिक षड्यन्त्र
121	भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करना या युद्ध करने का प्रयत्न करना या युद्ध करने का दुष्प्रेरण करना	147	भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करना या युद्ध करने का प्रयत्न करना या युद्ध करने का दुष्प्रेरण करना
121क	धारा 121 द्वारा दण्डनीय अपराधों को करने का षड्यन्त्र	148	धारा 147 द्वारा दण्डनीय अपराधों को करने का षड्यन्त्र
122	भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करने के आशय से आयुध आदि संग्रह करना	149	भारत सरकार के विरुद्ध युद्ध करने के आशय से आयुध आदि संग्रह करना
123	युद्ध करने की परिकल्पना को सुकर बनाने के आशय से छिपाना	150	युद्ध करने की परिकल्पना को सुकर बनाने के आशय से छिपाना
124	किसी विधिपूर्ण शक्ति का प्रयोग करने के लिए विवश करने या उसका प्रयोग अवरोधित करने के आशय से राष्ट्रपति, राज्यपाल आदि पर हमला करना	151	किसी विधिपूर्ण शक्ति का प्रयोग करने के लिए विवश करने या उसका प्रयोग अवरोधित करने के आशय से राष्ट्रपति, राज्यपाल आदि पर हमला करना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
124क	राजद्रोह	–	–
125	भारत सरकार से मैत्री सम्बन्ध रखने वाली किसी एशियाई शक्ति के विरुद्ध युद्ध करना	153	भारत सरकार से मैत्री सम्बन्ध रखने वाले किसी विदेशी राज्य के विरुद्ध युद्ध करना
126	भारत सरकार के साथ शान्ति का सम्बन्ध रखने वाली शक्ति के राज्य क्षेत्र में लूटपाट करना	154	भारत सरकार के साथ शान्ति का सम्बन्ध रखने वाले विदेशी राज्य के राज्यक्षेत्र में लूटपाट करना
127	धारा 125 और 126 में वर्णित युद्ध या लूटपाट द्वारा ली गई सम्पत्ति प्राप्त करना	155	धारा 153 और धारा 154 में वर्णित युद्ध या लूटपाट द्वारा ली गई सम्पत्ति प्राप्त करना
128	लोक सेवक का स्वेच्छया राजकैदी या युद्ध कैदी को निकल भागने देना	156	लोक सेवक का स्वेच्छया राजकैदी या युद्ध कैदी को निकल भागने देना
129	उपेक्षा से लोक सेवक का ऐसे कैदी का निकल भागना सहन करना	157	उपेक्षा से लोक सेवक का ऐसे कैदी का निकल भागना सहन करना
130	ऐसे कैदी के निकल भागने में सहायता देना, उसे छुड़ाना या संश्रय देना	158	ऐसे कैदी के निकल भागने में सहायता देना, उसे छुड़ाना या संश्रय देना
131	विद्रोह का दुष्प्रेरण या किसी सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक को कर्त्तव्य से विचलित करने का प्रयत्न करना	159	विद्रोह का दुष्प्रेरण या किसी सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक को कर्त्तव्य से विचलित करने का प्रयत्न करना
132	विद्रोह का दुष्प्रेरण यदि उसके परिणामस्वरूप विद्रोह किया जाए	160	विद्रोह का दुष्प्रेरण यदि उसके परिणामस्वरूप विद्रोह किया जाए
133	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा अपने वरिष्ठ आफिसर पर जबकि वह आफिसर अपने पद-निष्पादन में हो, हमले का दुष्प्रेरण	161	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारी पर जबकि वह अधिकारी अपने पद-निष्पादन में हो, हमले का दुष्प्रेरण
134	ऐसे हमले का दुष्प्रेरण यदि हमला किया जाए	162	ऐसे हमले का दुष्प्रेरण, यदि हमला किया जाए
135	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा अभित्यजन का दुष्प्रेरण	163	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा अभित्यजन का दुष्प्रेरण
136	अभित्याजक को संश्रय देना	164	अभित्याजक को संश्रय देना
137	मास्टर की उपेक्षा से किसी वाणिज्यिक जलयान पर छिपा हुआ अभित्याजक	165	मास्टर की उपेक्षा से किसी वाणिज्यिक जलयान पर छिपा हुआ अभित्याजक
138	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा अनधीनता के कार्य का दुष्प्रेरण	166	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा अनधीनता के कार्य का दुष्प्रेरण
138क	पूर्वोक्त धाराओं का भारतीय सामुद्रिक सेवा को लागू होना	–	–

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
139	कुछ अधिनियमों के अध्यधीन व्यक्ति	167	कतिपय अधिनियमों के अध्यधीन व्यक्ति
140	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली पोशाक पहनना या टोकन धारण करना	168	सैनिक, नौसैनिक या वायुसैनिक द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली पोशाक पहनना या टोकन धारण करना
141	विधिविरुद्ध जमाव	189(1)	विधिविरुद्ध जमाव
142	विधिविरुद्ध जमाव का सदस्य होना	189(2)	विधिविरुद्ध जमाव
143	दण्ड	189(2)	विधिविरुद्ध जमाव
144	घातक आयुध से सज्जित होकर विधिविरुद्ध जमाव में सम्मिलित होना	189(4)	विधिविरुद्ध जमाव
145	किसी विधिविरुद्ध जमाव में यह जानते हुए कि उसको बिखर जाने का समादेश दे दिया गया है, सम्मिलित होना या उसमें बने रहना	189(3)	विधिविरुद्ध जमाव
146	बल्वा करना	191(1)	बल्वा करना
147	बल्वा करने के लिए दण्ड	191(2)	बल्वा करना
148	घातक आयुध से सज्जित होकर बल्वा करना	191(3)	बल्वा करना
149	विधिविरुद्ध जमाव का हर सदस्य, सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए किए गए अपराध का दोषी	190	विधिविरुद्ध जमाव का हर सदस्य, सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए किए गए अपराध का दोषी
150	विधिविरुद्ध जमाव में सम्मिलित करने के लिए व्यक्तियों का भाड़े पर लेना या भाड़े पर लेने के प्रति मौनानुकूलता	189(6)	विधिविरुद्ध जमाव
151	पांच या अधिक व्यक्तियों के जमाव को बिखर जाने का समादेश दिए जाने के पश्चात् उसमें जानते हुए सम्मिलित होना या बने रहना	189(5)	विधिविरुद्ध जमाव
152	लोक सेवक जब बल्वे इत्यादि को दबा रहा हो, तब उस पर हमला करना या उसे बाधित करना	195(1)	लोक सेवक जब बल्वे इत्यादि को दबा रहा हो, तब उस पर हमला करना या उसे बाधित करना
153	बल्वा कराने के आशय से स्वैरिता से प्रकोपन देना–यदि बल्वा किया जाए–यदि बल्वा न किया जाए	192	बल्वा कराने के आशय से स्वैरिता से प्रकोपन देना–यदि बल्वा किया जाए; यदि बल्वा न किया जाए
153क	धर्म, मूलवंश, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, इत्यादि के आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता का संप्रवर्तन और सौहार्द बने रहने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कार्य करना	196	धर्म, मूलवंश, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा, इत्यादि के आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता का संप्रवर्तन और सौहार्द बने रहने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कार्य करना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
153कक	किसी जुलूस में जानबूझकर आयुध ले जाने या किसी सामूहिक ड्रिल या सामूहिक प्रशिक्षण का आयुध सहित संचालन या आयोजन करना या उसमें भाग लेना	–	–
153ख	राष्ट्रीय अखण्डता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले लांछन, प्राख्यान	197	राष्ट्रीय अखण्डता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले लांछन, प्राख्यान
154	उस भूमि का स्वामी या अधिभोगी, जिस पर विधिविरुद्ध जमाव किया गया है	193(1)	उस भूमि के स्वामी, अधिभोगी आदि जिस पर विधिविरुद्ध जमाव का बल्वा किया गया है का दायित्व
155	उस व्यक्ति का दायित्व, जिसके फायदे के लिए बल्वा किया जाता है	193(2)	उस भूमि के स्वामी, अधिभोगी आदि जिस पर विधिविरुद्ध जमाव का बल्वा किया गया है का दायित्व
156	उस स्वामी या अधिभोगी के अभिकर्त्ता का दायित्व, जिसके फायदे के लिए बल्वा किया जाता है	193(3)	उस भूमि के स्वामी, अधिभोगी आदि जिस पर विधिविरुद्ध जमाव का बल्वा किया गया है का दायित्व
157	विधिविरुद्ध जमाव के लिए भाड़े पर लाए गए व्यक्तियों को संश्रय देना	189(7)	विधिविरुद्ध जमाव
158	विधिविरुद्ध जमाव या बल्वे में भाग लेने के लिए भाड़े पर जाना	189(8)/ 189(9)	विधिविरुद्ध जमाव
159	दंगा	194(1)	दंगा
160	दंगा करने के लिए दण्ड	194(2)	दंगा
161. से 165क तक	*[निरसित]*	–	–
166	लोक सेवक, जो किसी व्यक्ति को क्षति कारित करने के आशय से विधि की अवज्ञा करता है	198	लोक सेवक, जो किसी व्यक्ति को क्षति कारित करने के आशय से विधि की अवज्ञा करता है
166क	लोक सेवक, जो विधि के अधीन के निदेश की अवज्ञा करता है	199	लोक सेवक, जो विधि के अधीन निदेश की अवज्ञा करता है
166ख	पीड़ित का उपचार न करने के लिए दण्ड	200	पीड़ित का उपचार न करने के लिए दण्ड
167	लोक सेवक, जो क्षति कारित करने के आशय से अशुद्ध दस्तावेज रचता है	201	लोक सेवक, जो क्षति कारित करने के आशय से अशुद्ध दस्तावेज रचता है
168	लोक सेवक, जो विधिविरुद्ध रूप से व्यापार में लगता है	202	लोक सेवक, जो विधिविरुद्ध रूप से व्यापार में लगा है
169	लोक सेवक, जो विधिविरुद्ध रूप से सम्पत्ति क्रय करता है या उसके लिए बोली लगाता है	203	लोक सेवक, जो विधिविरुद्ध रूप से सम्पत्ति क्रय करता है या उसके लिए बोली लगाता है

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
170	लोक सेवक का प्रतिरूपण	204	लोक सेवक का प्रतिरूपण
171	कपटपूर्ण आशय से लोक सेवक के उपयोग की पोशाक पहनना या टोकन धारण करना	205	कपटपूर्ण आशय से लोक सेवक के उपयोग की पोशाक पहनना या टोकन धारण करना
171क	"अभ्यर्थी", "निर्वाचन अधिकार" परिभाषित	169	अभ्यर्थी, निर्वाचन अधिकार परिभाषित
171ख	रिश्वत	170	रिश्वत
171ग	निर्वाचनों में असम्यक् असर डालना	171	निर्वाचनों में असम्यक् असर डालना
171घ	निर्वाचनों में प्रतिरूपण	172	निर्वाचनों में प्रतिरूपण
171ङ	रिश्वत के लिए दण्ड	173	रिश्वत के लिए दण्ड
171च	निर्वाचनों में असम्यक् असर डालने या प्रतिरूपण के लिए दण्ड	174	निर्वाचनों में असम्यक् असर डालने या प्रतिरूपण के लिए दण्ड
171छ	निर्वाचन के सिलसिले में मिथ्या कथन	175	निर्वाचन के सिलसिले में मिथ्या कथन
171ज	निर्वाचन के सिलसिले में अवैध संदाय	176	निर्वाचन के सिलसिले में अवैध संदाय
171झ	निर्वाचन लेखा रखने में असफलता	177	निर्वाचन लेखा रखने में असफलता
172	समनों की तामील या अन्य कार्यवाही से बचने के लिए फरार हो जाना	206	समनों की तामील या अन्य कार्यवाही से बचने के लिए फरार हो जाना
173	समन की तामील का या अन्य कार्यवाही का या उसके प्रकाशन का निवारण करना	207	समन की तामील का या अन्य कार्यवाही का या उसके प्रकाशन का निवारण करना
174	लोक सेवक का आदेश न मानकर गैर-हाजिर रहना	208	लोक सेवक का आदेश न मानकर गैर-हाजिर रहना
174क	1974 के अधिनियम 2 की धारा 82 के अधीन किसी उद्घोषणा के उत्तर में गैर-हाजिरी	209	भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 84 के अधीन किसी उद्घोषणा के जवाब में गैर-हाजिरी
175	दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख पेश करने के लिए वैध रूप से आबद्ध व्यक्ति का लोक सेवक को दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख पेश करने का लोप	210	दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख पेश करने के लिए विधिक रूप से आबद्ध व्यक्ति का लोक सेवक को पेश करने का लोप
176	सूचना या इत्तिला देने के लिए वैध रूप से आबद्ध व्यक्ति द्वारा लोक सेवक को सूचना या इत्तिला देने का लोप	211	विधिक रूप से आबद्ध व्यक्ति द्वारा लोक सेवक को सूचना या इत्तिला देने का लोप
177	मिथ्या इत्तिला देना	212	मिथ्या इत्तिला देना
178	शपथ या प्रतिज्ञान से इन्कार करना, जबकि लोक सेवक द्वारा वह वैसा करने के लिए सम्यक् रूप से अपेक्षित किया जाए	213	शपथ या प्रतिज्ञान से इन्कार करना, जबकि लोक सेवक द्वारा वह वैसा करने के लिए सम्यक् रूप से अपेक्षित किया जाए

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
179	प्रश्न करने के लिए प्राधिकृत लोक सेवक का उत्तर देने से इंकार करना	214	प्रश्न करने के लिए प्राधिकृत लोक सेवक का उत्तर देने से इंकार करना
180	कथन पर हस्ताक्षर करने से इन्कार	215	कथन पर हस्ताक्षर करने से इन्कार
181	शपथ दिलाने या प्रतिज्ञान कराने के लिए प्राधिकृत लोक सेवक के, या व्यक्ति के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञान पर मिथ्या कथन	216	शपथ दिलाने या प्रतिज्ञान कराने के लिए प्राधिकृत लोक सेवक के, या व्यक्ति के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञान पर मिथ्या कथन
182	इस आशय से मिथ्या इत्तिला देना कि लोक सेवक अपनी विधिपूर्ण शक्ति का उपयोग दूसरे व्यक्ति को क्षति करने के लिए करे	217	इस आशय से मिथ्या इत्तिला देना कि लोक सेवक अपनी विधिपूर्ण शक्ति का उपयोग दूसरे व्यक्ति को क्षति करने के लिए करे
183	लोक सेवक के विधिपूर्ण प्राधिकार द्वारा सम्पत्ति लिए जाने का प्रतिरोध	218	लोक सेवक के विधिपूर्ण प्राधिकार द्वारा सम्पत्ति लिए जाने का प्रतिरोध
184	लोक सेवक के प्राधिकार द्वारा विक्रय के लिए प्रतिस्थापित की गई सम्पत्ति के विक्रय में बाधा उपस्थित करना	219	लोक सेवक के प्राधिकार द्वारा विक्रय के लिए प्रतिस्थापित की गई सम्पत्ति के विक्रय में बाधा उपस्थित करना
185	लोक सेवक के प्राधिकार द्वारा विक्रय के लिए प्रस्थापित की गई सम्पत्ति का अवैध क्रय या उसके लिए अवैध बोली लगाना	220	लोक सेवक के प्राधिकार द्वारा विक्रय के लिए प्रस्थापित की गई सम्पत्ति का अवैध क्रय या उसके लिए अवैध बोली लगाना
186	लोक सेवक के लोक कृत्यों के निर्वहन में बाधा डालना	221	लोक सेवक के लोक कृत्यों के निर्वहन में बाधा डालना
187	लोक सेवक की सहायता करने का लोप, जबकि सहायता देने के लिए विधि द्वारा आबद्ध हो	222	लोक सेवक की सहायता करने का लोप, जबकि सहायता देने के लिए विधि द्वारा आबद्ध हो
188	लोक सेवक द्वारा सम्यक् रूप से प्रख्यापित आदेश की अवज्ञा	223	लोक सेवक द्वारा सम्यक् रूप से प्रख्यापित आदेश की अवज्ञा
189	लोक सेवक को क्षति करने की धमकी	224	लोक सेवक को क्षति करने की धमकी
190	लोक सेवक से संरक्षा के लिए आवेदन करने से विरत रहने के लिए किसी व्यक्ति को उत्प्रेरित करने के लिए क्षति की धमकी	225	लोक सेवक से संरक्षा के लिए आवेदन करने से विरत रहने के लिए किसी व्यक्ति को उत्प्रेरित करने के लिए क्षति की धमकी
191	मिथ्या साक्ष्य देना	227	मिथ्या साक्ष्य देना
192	मिथ्या साक्ष्य गढ़ना	228	मिथ्या साक्ष्य गढ़ना
193	मिथ्या साक्ष्य के लिए दण्ड	229	मिथ्या साक्ष्य के लिए दण्ड
194	मृत्यु से दण्डनीय अपराध के लिए दोषसिद्ध कराने के आशय से मिथ्या साक्ष्य देना या गढ़ना	230	मृत्यु से दण्डनीय अपराध के लिए दोषसिद्ध कराने के आशय से मिथ्या साक्ष्य देना या गढ़ना
195	आजीवन कारावास या कारावास से दण्डनीय अपराध के लिए दोषसिद्ध कराने के आशय से मिथ्या साक्ष्य देना या गढ़ना	231	आजीवन कारावास या कारावास से दण्डनीय अपराध के लिए दोषसिद्ध कराने के आशय से मिथ्या साक्ष्य देना या गढ़ना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
195क	किसी व्यक्ति को मिथ्या साक्ष्य देने के लिए धमकाना	232	किसी व्यक्ति को मिथ्या साक्ष्य देने के लिए धमकाना
196	उस साक्ष्य को काम में लाना जिसका मिथ्या होना ज्ञात है	233	उस साक्ष्य को काम में लाना जिसका मिथ्या होना ज्ञात है
197	मिथ्या प्रमाणपत्र जारी करना या हस्ताक्षरित करना	234	मिथ्या प्रमाणपत्र जारी करना या हस्ताक्षरित करना
198	प्रमाणपत्र को जिसका मिथ्या होना ज्ञात है, सच्चे के रूप में काम में लाना	235	प्रमाणपत्र को जिसका मिथ्या होना ज्ञात है, सत्य के रूप में काम में लाना
199	ऐसी घोषणा में, जो साक्ष्य के रूप में विधि द्वारा ली जा सके, किया गया मिथ्या कथन	236	ऐसी घोषणा में, जो साक्ष्य के रूप में विधि द्वारा ली जा सके, किया गया मिथ्या कथन
200	ऐसी घोषणा का मिथ्या होना जानते हुए सच्ची के रूप में काम में लाना	237	ऐसी घोषणा का मिथ्या होना जानते हुए सत्य के रूप में काम में लाना
201	अपराध के साक्ष्य का विलोपन, या अपराधी को प्रतिच्छादित करने के लिए मिथ्या इत्तिला देना	238	अपराध के साक्ष्य का विलोपन, या अपराधी को प्रतिच्छादित करने के लिए मिथ्या इत्तिला देना
202	इत्तिला देने के लिए आबद्ध व्यक्ति द्वारा अपराध की इत्तिला देने का साशय लोप	239	इत्तिला देने के लिए आबद्ध व्यक्ति द्वारा अपराध की इत्तिला देने का जानबूझकर लोप
203	किए गए अपराध के विषय में मिथ्या इत्तिला देना	240	किए गए अपराध के विषय में मिथ्या इत्तिला देना
204	साक्ष्य के रूप में किसी दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख का पेश किया जाना निवारित करने के लिए उसको नष्ट करना	241	साक्ष्य के रूप में किसी दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख का पेश किया जाना निवारित करने के लिए उसको नष्ट करना
205	वाद या अभियोजन में किसी कार्य या कार्यवाही के प्रयोजन से मिथ्या प्रतिरूपण	242	वाद या अभियोजन में किसी कार्य या कार्यवाही के प्रयोजन से मिथ्या प्रतिरूपण
206	सम्पत्ति को समपहरण किए जाने में या निष्पादन में अभिगृहीत किए जाने से निवारित करने के लिए उसे कपटपूर्वक हटाना या छिपाना	243	सम्पत्ति को समपहरण किए जाने में या निष्पादन में अभिगृहीत किए जाने से निवारित करने के लिए उसे कपटपूर्वक हटाना या छिपाना
207	सम्पत्ति पर उसके समपहरण किए जाने में या निष्पादन में अभिगृहीत किए जाने से निवारित करने के लिए कपटपूर्वक दावा	244	सम्पत्ति पर उसके समपहरण किए जाने में या निष्पादन में अभिगृहीत किए जाने से निवारित करने के लिए कपटपूर्वक दावा
208	ऐसी राशि के लिए जो शोध्य न हो कपटपूर्वक डिक्री होने देना सहन करना	245	ऐसी राशि के लिए, जो शोध्य न हो, कपटपूर्वक डिक्री होने देना सहन करना
209	बेईमानी से न्यायालय में मिथ्या दावा करना	246	बेईमानी से न्यायालय में मिथ्या दावा करना
210	ऐसी राशि के लिए जो शोध्य नहीं है कपटपूर्वक डिक्री अभिप्राप्त करना	247	ऐसी राशि के लिए, जो शोध्य नहीं है, कपटपूर्वक डिक्री अभिप्राप्त करना
211	क्षति कारित करने के आशय से अपराध का मिथ्या आरोप	248	क्षति कारित करने के आशय से अपराध का मिथ्या आरोप
212	अपराधी को संश्रय देना	249	अपराधी को संश्रय देना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
213	अपराधी को दण्ड से प्रतिच्छादित करने के लिए उपहार आदि लेना	250	अपराधी को दण्ड से प्रतिच्छादित करने के लिए उपहार आदि लेना
214	अपराधी के प्रतिच्छादन के प्रतिफलस्वरूप उपहार की प्रस्थापना या सम्पत्ति का प्रत्यावर्त्तन	251	अपराधी के प्रतिच्छादन के प्रतिफलस्वरूप उपहार की प्रस्थापना या सम्पत्ति का प्रत्यावर्त्तन
215	चोरी की सम्पत्ति इत्यादि के वापस लेने में सहायता करने के लिए उपहार लेना	252	चोरी की सम्पत्ति इत्यादि के वापस लेने में सहायता करने के लिए उपहार लेना
216	ऐसे अपराधी को संश्रय देना, जो अभिरक्षा से निकल भागा है या जिसको पकड़ने का आदेश दिया जा चुका है	253	ऐसे अपराधी को संश्रय देना, जो अभिरक्षा से निकल भागा है या जिसको पकड़ने का आदेश दिया जा चुका है
216क	लुटेरों या डाकुओं को संश्रय देने के लिए शास्ति	254	लुटेरों या डाकुओं को संश्रय देने के लिए शास्ति
216ख	धारा 212, धारा 216 और धारा 216-क में "संश्रय" की परिभाषा	–	–
217	लोक सेवक द्वारा किसी व्यक्ति को दण्ड से या किसी सम्पत्ति को समपहरण से बचाने के आशय से विधि के निदेश की अवज्ञा	255	लोक सेवक द्वारा किसी व्यक्ति को दण्ड से या किसी सम्पत्ति को समपहरण से बचाने के आशय से विधि के निदेश की अवज्ञा
218	किसी व्यक्ति को दण्ड से या किसी सम्पत्ति को समपहरण से बचाने के आशय से लोक सेवक द्वारा अशुद्ध अभिलेख या लेख की रचना	256	किसी व्यक्ति को दण्ड से या किसी सम्पत्ति को समपहरण से बचाने के आशय से लोक सेवक द्वारा अशुद्ध अभिलेख या लेख की रचना
219	न्यायिक कार्यवाही में विधि के प्रतिकूल रिपोर्ट आदि का लोक सेवक द्वारा भ्रष्टतापूर्वक किया जाना	257	न्यायिक कार्यवाही में विधि के प्रतिकूल रिपोर्ट आदि का लोक सेवक द्वारा भ्रष्टतापूर्वक किया जाना
220	प्राधिकार वाले व्यक्ति द्वारा जो यह जानता है कि वह विधि के प्रतिकूल कार्य कर रहा है, विचारण के लिए या परिरोध करने के लिए सुपुर्दगी	258	प्राधिकार वाले व्यक्ति द्वारा जो यह जानता है कि वह विधि के प्रतिकूल कार्य कर रहा है, विचारण के लिए या परिरोध करने के लिए सुपुर्दगी
221	पकड़ने के लिए आबद्ध लोक सेवक द्वारा पकड़ने का साशय लोप	259	पकड़ने के लिए आबद्ध लोक सेवक द्वारा पकड़ने का जानबूझकर लोप
222	दण्डादेश के अधीन या विधिपूर्वक सुपुर्द किए गए व्यक्ति को पकड़ने के लिए आबद्ध लोक सेवक द्वारा पकड़ने का साशय लोप	260	दण्डादेश के अधीन या विधिपूर्वक सुपुर्द किए गए व्यक्ति को पकड़ने के लिए आबद्ध लोक सेवक द्वारा पकड़ने का जानबूझकर लोप
223	लोक सेवक द्वारा उपेक्षा से परिरोध या अभिरक्षा में से निकल भागना सहन करना	261	लोक सेवक द्वारा उपेक्षा से परिरोध या अभिरक्षा में से निकल भागना सहन करना
224	किसी व्यक्ति द्वारा विधि के अनुसार अपने पकड़े जाने में प्रतिरोध या बाधा	262	किसी व्यक्ति द्वारा विधि के अनुसार अपने पकड़े जाने में प्रतिरोध या बाधा

तुलनात्मक तालिका

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
225	किसी अन्य व्यक्ति के विधि के अनुसार पकड़े जाने में प्रतिरोध या बाधा	263	किसी अन्य व्यक्ति के विधि के अनुसार पकड़े जाने में प्रतिरोध या बाधा
225क	उन दशाओं में जिनके लिए अन्यथा उपबन्ध नहीं है लोक सेवक द्वारा पकड़ने का लोप या निकल भागना सहन करना	264	उन दशाओं में, जिनके लिए अन्यथा उपबन्ध नहीं है, लोक सेवक द्वारा पकड़ने का लोप या निकल भागना सहन करना
225ख	अन्यथा अनुपबन्धित दशाओं में विधिपूर्वक पकड़ने में प्रतिरोध या बाधा या निकल भागना या छुड़ाना	265	अन्यथा अनुपबन्धित दशाओं में विधिपूर्वक पकड़ने में प्रतिरोध या बाधा या निकल भागना या छुड़ाना
226	निर्वासन से विधि विरुद्ध वापसी	–	–
227	दण्ड के परिहार की शर्त का अतिक्रमण	266	दण्ड के परिहार की शर्त का अतिक्रमण
228	न्यायिक कार्यवाही में बैठे हुए लोक सेवक का साशय अपमान या उसके कार्य में विघ्न	267	न्यायिक कार्यवाही में बैठे हुए लोक सेवक का साशय अपमान या उसके कार्य में विघ्न
228क(1)/(2)	कतिपय अपराधों आदि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान का प्रकटीकरण	72	कतिपय अपराधों आदि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान का प्रकटीकरण
228क(3)	कतिपय अपराधों आदि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान का प्रकटीकरण	73	अनुज्ञा के बिना न्यायालय की कार्यवाहियां में संबंधित किसी मामले का मुद्रण या प्रकाशन करना
229	जूरी सदस्य या असेसर का प्रतिरूपण	268	असेसर का प्रतिरूपण
229क	जमानत या बन्धपत्र पर छोड़े गए व्यक्ति द्वारा न्यायालय में हाजिर होने में असफलता	269	जमानत पत्र या बन्धपत्र पर छोड़े गए व्यक्ति द्वारा न्यायालय में हाजिर होने में असफलता
230	"सिक्का" की परिभाषा	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
231	सिक्के का कूटकरण	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
232	भारतीय सिक्के का कूटकरण	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
233	सिक्के के कूटकरण के लिए उपकरण बनाना या बेचना	181	लिखत या कूटरचना के लिए सामग्री या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोटों या बैंक नोटों को बनाना या कब्जे में रखना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
234	भारतीय सिक्के के कूटकरण के लिए उपकरण बनाना या बेचना	181	लिखत या कूटरचना के लिए सामग्री या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोटों या बैंक नोटों को बनाना या कब्जे में रखना
235	सिक्के के कूटकरण के लिए उपकरण या सामग्री उपयोग में लाने के प्रयोजन से उसे कब्जे में रखना	181	लिखत या कूटरचना के लिए सामग्री या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोटों या बैंक नोटों को बनाना या कब्जे में रखना
236	भारत से बाहर सिक्के के कूटकरण का भारत में दुष्प्रेरण	–	–
237	कूटकृत सिक्के का आयात या निर्यात	–	–
238	भारतीय सिक्के की कूटकृतियों का आयात या निर्यात	–	–
239	सिक्के का परिदान, जिसका कूटकृत होना कब्जे में आने के समय ज्ञात था	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
240	उस भारतीय सिक्के का परिदान जिसका कूटकृत होना कब्जे में आने के समय ज्ञात था	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
241	किसी सिक्के का असली सिक्के के रूप में परिदान, जिसका परिदान करने वाला उस समय जब वह उसके कब्जे में पहली बार आया था, कूटकृत होना नहीं जानता था	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
242	कूटकृत सिक्के पर ऐसे व्यक्ति का कब्जा जो उस समय उसका कूटकृत होना जानता था जब वह उसके कब्जे में आया था	180	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को कब्जे में रखना
243	भारतीय सिक्के पर ऐसे व्यक्ति का कब्जा जो उसका कूटकृत होना उस समय जानता था जब वह उसके कब्जे में आया था	180	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को कब्जे में रखना
244	टकसाल में नियोजित व्यक्ति द्वारा सिक्के का उस वजन का या मिश्रण से भिन्न कारित किया जाना जो विधि द्वारा नियत है	187	टकसाल में नियोजित व्यक्ति द्वारा सिक्के का उस वजन या मिश्रण से भिन्न कारित किया जाना जो विधि द्वारा नियत है
245	टकसाल से सिक्का बनाने का उपकरण विधिविरुद्ध रूप से लेना	188	टकसाल से सिक्का बनाने का उपकरण विधिविरुद्ध रूप से लेना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
246	कपटपूर्ण या बेईमानी से सिक्के का वजन कम करना या मिश्रण परिवर्तित करना	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
247	कपटपूर्वक या बेईमानी से भारतीय सिक्के का वजन कम करना या मिश्रण परिवर्तित करना	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
248	इस आशय से किसी सिक्के का रूप परिवर्तित करना कि वह भिन्न प्रकार के सिक्के के रूप में चल जाए	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
249	इस आशय से भारतीय सिक्के का रूप परिवर्तित करना कि वह भिन्न प्रकार के सिक्के के रूप में चल जाए	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
250	ऐसे सिक्के का परिदान जो इस ज्ञान के साथ कब्जे में आया हो कि उसे परिवर्तित किया गया है	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
251	भारतीय सिक्के का परिदान जो इस ज्ञान के साथ कब्जे में आया हो कि उसे परिवर्तित किया गया है	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
252	ऐसे व्यक्ति द्वारा सिक्के पर कब्जा जो उसका परिवर्तित होना उस समय जानता था जब वह उसके कब्जे में आया	180	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को कब्जे में रखना
253	ऐसे व्यक्ति द्वारा भारतीय सिक्के पर कब्जा जो उसका परिवर्तित होना उस समय जानता था जब वह उसके कब्जे में आया	180	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को कब्जे में रखना
254	सिक्के का असली सिक्के के रूप में परिदान, जिसका परिदान करने वाला उस समय जब वह उसके कब्जे में पहली बार आया था, परिवर्तित होना नहीं जानता था	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
255	सरकारी स्टाम्प का कूटकरण	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
256	सरकारी स्टाम्प के कूटकरण के लिए उपकरण या सामग्री को कब्जे में रखना	181	लिखत या कूटरचना के लिए सामग्री या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोटों या बैंक नोटों को बनाना या कब्जे में रखना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
257	सरकारी स्टाम्प के कूटकरण के लिए उपकरण बनाना या बेचना	181	लिखत या कूटरचना के लिए सामग्री या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोटों या बैंक नोटों को बनाना या कब्जे में रखना
258	कूटकृत सरकारी स्टाम्प का विक्रय	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
259	सरकारी कूटकृत स्टाम्प को कब्जे में रखना	180	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को कब्जे में रखना
260	किसी सरकारी स्टाम्प को, कूटकृत जानते हुए उसे असली स्टाम्प के रूप में उपयोग में लाना	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
261	इस आशय से कि सरकार को हानि कारित हो, उस पदार्थ पर से, जिस पर सरकारी स्टाम्प लगा हुआ है, लेख मिटाना या दस्तावेज से वह स्टाम्प हटाना जो उसके लिए उपयोग में लाया गया है	183	सरकार को हानि कारित करने के आशय से, उस पदार्थ पर से, जिस पर सरकारी स्टाम्प लगा हुआ है, लेख मिटाना या दस्तावेज से वह स्टाम्प हटाना, जो उसके लिए उपयोग में लाया गया है
262	ऐसे सरकारी स्टाम्प का उपयोग जिसके बारे में ज्ञात है कि उसका पहले उपयोग हो चुका है	184	ऐसे सरकारी स्टाम्प का उपयोग, जिसके बारे में ज्ञात है कि उसका पहले उपयोग हो चुका है
263	स्टाम्प के उपयोग किए जा चुकने के द्योतक चिन्ह को छीलकर मिटाना	185	स्टाम्प के उपयोग किए जा चुकने के द्योतक चिन्ह को छीलकर मिटाना
263क	बनावटी स्टाम्पों का प्रतिषेध	186	बनावटी स्टाम्पों का प्रतिषेध
264	तोलने के लिए खोटे उपकरणों का कपटपूर्वक उपयोग	–	–
265	खोटे बाट या माप का कपटपूर्वक उपयोग	–	–
266	खोटे बाट या माप को कब्जे में रखना	–	–
267	खोटे बाट या माप का बनाना या बेचना	–	–
268	लोक न्यूसेंस	270	लोक न्यूसेंस
269	उपेक्षापूर्ण कार्य जिससे जीवन के लिए संकटपूर्ण रोग का संक्रमण फैलना सम्भाव्य हो	271	उपेक्षापूर्ण कार्य जिससे जीवन के लिए संकटपूर्ण रोग का संक्रमण फैलना सम्भाव्य हो
270	परिद्वेषपूर्ण कार्य जिससे जीवन के लिए संकटपूर्ण रोग का संक्रमण फैलना सम्भाव्य हो	272	परिद्वेषपूर्ण कार्य, जिससे जीवन के लिए संकटपूर्ण रोग का संक्रमण फैलना सम्भाव्य हो

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
271	करन्तीन के नियम की अवज्ञा	273	क्वारंटाइन के नियम की अवज्ञा
272	विक्रय के लिए आशयित खाद्य या पेय का अपमिश्रण	274	विक्रय के लिए आशयित खाद्य या पेय का अपमिश्रण
273	अपायकर खाद्य या पेय का विक्रय	275	अपायकर खाद्य या पेय का विक्रय
274	औषधियों का अपमिश्रण	276	औषधियों का अपमिश्रण
275	अपमिश्रित औषधियों का विक्रय	277	अपमिश्रित औषधियों का विक्रय
276	औषधि का भिन्न औषधि या निर्मिति के तौर पर विक्रय	278	औषधि का भिन्न औषधि या निर्मिति के तौर पर विक्रय
277	लोक जल स्रोत या जलाशय का जल कलुषित करना	279	लोक जल-स्रोत या जलाशय का जल कलुषित करना
278	वायुमण्डल को स्वास्थ्य के लिए अपायकर बनाना	280	वायुमण्डल को स्वास्थ्य के लिए अपायकर बनाना
279	लोक मार्ग पर उतावलेपन से वाहन चलाना या हाँकना	281	लोक मार्ग पर उतावलेपन से वाहन चलाना या हाँकना
280	जलयान को उतावलेपन से चलाना	282	जलयान को उतावलेपन से चलाना
281	भ्रामक प्रकाश, चिन्ह या बोये का प्रदर्शन	283	भ्रामक प्रकाश, चिन्ह या बोये का प्रदर्शन
282	अक्षेमकर या अति लदे हुए जलयान में भाड़े के लिए जलमार्ग से किसी व्यक्ति का प्रवहण	284	अक्षेमकर या अति लदे हुए जलयान में भाड़े के लिए जलमार्ग से किसी व्यक्ति का प्रवहण
283	लोक मार्ग या नौ परिवहन पथ में संकट या बाधा	285	लोक मार्ग या नौ परिवहन पथ में संकट या बाधा
284	विषैले पदार्थ के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण	286	विषैले पदार्थ के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण
285	अग्नि या ज्वलनशील पदार्थ के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण	287	अग्नि या ज्वलनशील पदार्थ के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण
286	विस्फोटक पदार्थ के बारे में उपेक्षापूर्ण आचरण	288	विस्फोटक पदार्थ के बारे में उपेक्षापूर्ण आचरण
287	मशीनरी के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण	289	मशीनरी के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण
288	किसी निर्माण को गिराने या उसकी मरम्मत करने के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण	290	किसी निर्माण को गिराने, उसकी मरम्मत करने या संनिर्माण करने के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण
289	जीव-जन्तु के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण	291	जीव-जन्तु के सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण आचरण
290	अन्यथा अनुपबन्धित मामलों में लोक न्यूसेंस के लिए दण्ड	292	अन्यथा अनुपबन्धित मामलों में लोक न्यूसेंस के लिए दण्ड
291	न्यूसेंस बन्द करने के व्यादेश के पश्चात् उसका चालू रखना	293	न्यूसेंस बन्द करने के व्यादेश के पश्चात् उसका चालू रखना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
292	अश्लील पुस्तकों आदि का विक्रय आदि	294	अश्लील पुस्तकों आदि का विक्रय आदि
293	तरुण व्यक्ति को अश्लील वस्तुओं का विक्रय आदि	295	बालक को अश्लील वस्तुओं का विक्रय आदि
294	अश्लील कार्य और गाने	296	अश्लील कार्य और गाने
294क	लाटरी कार्यालय रखना	297	लाटरी कार्यालय रखना
295	किसी वर्ग के धर्म का अपमान करने के आशय से उपासना के स्थान को क्षति करना या अपवित्र करना	298	किसी वर्ग के धर्म का अपमान करने के आशय से उपासना के स्थान को क्षति करना या अपवित्र करना
295क	विमर्शित और विद्वेषपूर्ण कार्य जो किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आशय से किए गए हों	299	विमर्शित और विद्वेषपूर्ण कार्य जो किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आशय से किए गए हों
296	धार्मिक जमाव में विघ्न करना	300	धार्मिक जमाव में विघ्न करना
297	कब्रिस्तानों आदि में अतिचार करना	301	कब्रिस्तानों आदि में अतिचार करना
298	धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के विमर्शित आशय से शब्द उच्चारित करना आदि	302	किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के विमर्शित आशय से शब्द उच्चारित करना आदि
299	आपराधिक मानव वध	100	आपराधिक मानव वध
300	हत्या	101	हत्या
301	जिस व्यक्ति की मृत्यु कारित करने का आशय था उससे भिन्न व्यक्ति की मृत्यु करके आपराधिक मानव वध	102	जिस व्यक्ति की मृत्यु कारित करने का आशय था उससे भिन्न व्यक्ति की मृत्यु करके आपराधिक मानव वध
302	हत्या के लिए दण्ड	103(1)	हत्या के लिए दण्ड
303	आजीवन सिद्धदोष द्वारा हत्या के लिए दण्ड	104	आजीवन सिद्धदोष द्वारा हत्या के लिए दण्ड
304	हत्या की कोटि में न आने वाले आपराधिक मानव वध के लिए दण्ड	105	हत्या की कोटि में न आने वाले आपराधिक मानव वध के लिए दण्ड
304क	उपेक्षा द्वारा मृत्यु कारित करना	106	उपेक्षा द्वारा मृत्यु कारित करना
304ख	दहेज मृत्यु	80	दहेज मृत्यु
305	शिशु या उन्मत्त व्यक्ति की आत्महत्या का दुष्प्रेरण	107	बालक या विकृतचित्त व्यक्ति की आत्महत्या का दुष्प्रेरण
306	आत्महत्या का दुष्प्रेरण	108	आत्महत्या का दुष्प्रेरण
307	हत्या करने का प्रयत्न	109	हत्या करने का प्रयत्न
308	आपराधिक मानव वध करने का प्रयत्न	110	आपराधिक मानव वध करने का प्रयत्न
309	आत्महत्या करने का प्रयत्न	–	–
310	ठग	–	–

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
311	दण्ड	–	–
312	गर्भपात कारित करना	88	गर्भपात कारित करना
313	स्त्री की सम्मति के बिना गर्भपात कारित करना	89	महिला की सम्मति के बिना गर्भपात कारित करना
314	गर्भपात कारित करने के आशय से किए गए कार्यों द्वारा कारित मृत्यु	90	गर्भपात कारित करने के आशय से किए गए कार्य द्वारा कारित मृत्यु
315	शिशु का जीवित पैदा होना रोकने या जन्म के पश्चात् उसकी मृत्यु कारित करने के आशय से किया गया कार्य	91	बालक का जीवित पैदा होना रोकने या जन्म के पश्चात् उसकी मृत्यु कारित करने के आशय से किया गया कार्य
316	ऐसे कार्य द्वारा जो आपराधिक मानव वध की कोटि में आता है, किसी सजीव अजात शिशु की मृत्यु कारित करना	92	ऐसे कार्य द्वारा जो आपराधिक मानव वध की कोटि में आता है, किसी सजीव अजात बालक की मृत्यु कारित करना
317	शिशु के पिता या माता या उसकी देखरेख करने वाले व्यक्ति द्वारा बारह वर्ष से कम आयु के शिशु का अरक्षित डाल दिया जाना और परित्याग	93	बालक के पिता या माता या उसकी देखरेख करने वाले व्यक्ति द्वारा बारह वर्ष से कम आयु के बालक का अरक्षित डाल दिया जाना और परित्याग
318	मृत शरीर के गुप्त व्ययन द्वारा जन्म छिपाना	94	मृत शरीर के गुप्त व्ययन द्वारा जन्म छिपाना
319	उपहति	114	उपहति
320	घोर उपहति	116	घोर उपहति
321	स्वेच्छया उपहति कारित करना	115(1)	स्वेच्छया उपहति कारित करना
322	स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना	117(1)	स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना
323	स्वेच्छया उपहति कारित करने के लिए दण्ड	115(2)	स्वेच्छया उपहति कारित करना
324	खतरनाक आयुधों या साधनों द्वारा स्वेच्छया उपहति कारित करना	118(1)	खतरनाक आयुधों या साधनों द्वारा स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
325	स्वेच्छया घोर उपहति कारित करने के लिए दण्ड	117(1)	स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना
326	खतरनाक आयुधों या साधनों द्वारा स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना	118(2)	खतरनाक आयुधों या साधनों द्वारा स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
326क	अम्ल, आदि का प्रयोग करके स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना	124(1)	अम्ल, आदि का प्रयोग करके स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना
326ख	स्वेच्छया अम्ल फेंकना या फेंकने का प्रयत्न करना	124(2)	अम्ल, आदि का प्रयोग करके स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना
327	सम्पत्ति उद्दापित करने के लिए या अवैध कार्य कराने को मजबूर करने के लिए स्वेच्छया उपहति कारित करना	119(1)	सम्पत्ति उद्दापित करने के लिए या अवैध कार्य कराने को मजबूर करने के लिए स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
328	अपराध करने के आशय से विष इत्यादि द्वारा उपहति कारित करना	123	अपराध करने के आशय से विष इत्यादि द्वारा उपहति कारित करना
329	सम्पत्ति, उद्दापित करने के लिए या अवैध कार्य कराने को मजबूर करने के लिए स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना	119(2)	सम्पत्ति उद्दापित करने के लिए या अवैध कार्य कराने को मजबूर करने के लिए स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
330	संस्वीकृति उद्दापित करने या विवश करके सम्पत्ति का प्रत्यावर्तन करान के लिए स्वेच्छया उपहति कारित करना	120(1)	संस्वीकृति उद्दापित करने या विवश करके सम्पत्ति का प्रत्यावर्तन कराने के लिए स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
331	संस्वीकृति उद्दापित करने के लिए या विवश करके सम्पत्ति का प्रत्यावर्तन कराने के लिए स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना	120(2)	संस्वीकृति उद्दापित करने या विवश करके सम्पत्ति का प्रत्यावर्तन कराने के लिए स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
332	लोक सेवक को अपने कर्तव्य से भयोपरत करने के लिए स्वेच्छया उपहति कारित करना	121(1)	लोक सेवक को अपने कर्तव्य से भयोपरत करने के लिए स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
333	लोक सेवक को अपने कर्त्तव्यों से भयोपरत करने के लिए स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना	121(2)	लोक सेवक को अपने कर्तव्य से भयोपरत करने के लिए स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
334	प्रकोपन पर स्वेच्छया उपहति कारित करना	122(1)	प्रकोपन पर स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
335	प्रकोपन पर स्वेच्छया घोर उपहति कारित करना	122(2)	प्रकोपन पर स्वेच्छया उपहति या घोर उपहति कारित करना
336	कार्य जिससे दूसरों का जीवन या वैयक्तिक क्षेम संकटापन्न हो	125	कार्य जिससे दूसरों का जीवन या वैयक्तिक क्षेम संकटापन्न हो
337	ऐसे कार्य द्वारा उपहति कारित करना, जिससे दूसरों का जीवन या वैयक्तिक क्षेम संकटापन्न हो जाए	125	कार्य जिससे दूसरों का जीवन या वैयक्तिक क्षेम संकटापन्न हो
338	ऐसे कार्य द्वारा घोर उपहति कारित करना जिससे दूसरों का जीवन या वैयक्तिक क्षेम संकटापन्न हो जाए	125	कार्य जिससे दूसरों का जीवन या वैयक्तिक क्षेम संकटापन्न हो
339	सदोष अवरोध	126(1)	सदोष अवरोध
340	सदोष परिरोध	127(1)	सदोष परिरोध
341	सदोष अवरोध के लिए दण्ड	126(2)	सदोष अवरोध
342	सदोष परिरोध के लिए दण्ड	127(2)	सदोष परिरोध
343	तीन या अधिक दिनों के लिए सदोष परिरोध	127(3)	सदोष परिरोध
344	दस या अधिक दिनों के लिए सदोष परिरोध	127(4)	सदोष परिरोध

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
345	ऐसे व्यक्ति का सदोष परिरोध जिसको छोड़ने के लिए रिट निकल चुका है	127(5)	सदोष परिरोध
346	गुप्त स्थान में सदोष परिरोध	127(6)	सदोष परिरोध
347	सम्पत्ति उद्दापित करने के लिए या अवैध कार्य करने के लिए मजबूर करने के लिए सदोष परिरोध	127(7)	सदोष परिरोध
348	संस्वीकृति उद्दापित करने के लिए या विवश करके सम्पत्ति का प्रत्यावर्तन करने के लिए सदोष परिरोध	127(8)	सदोष परिरोध
349	बल	128	बल
350	आपराधिक बल	129	आपराधिक बल
351	हमला	130	हमला
352	गम्भीर प्रकोपन होने से अन्यथा हमला करने या आपराधिक बल का प्रयोग करने के लिए दण्ड	131	गम्भीर प्रकोपन होने से अन्यथा हमला करने या आपराधिक बल का प्रयोग करने के लिए दण्ड
353	लोक सेवक को अपने कर्त्तव्य के निर्वहन से भयोपरत करने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग	132	लोक सेवक को अपने कर्त्तव्य के निर्वहन से भयोपरत करने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
354	स्त्री की लज्जा भंग करने के आशय से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग	74	महिला की लज्जा भंग करने के आशय से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
354क	लैंगिक उत्पीड़न और लैंगिक उत्पीड़न के लिये दण्ड	75	लैंगिक उत्पीड़न
354ख	विवस्त्र करने के आशय से स्त्री पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग	76	विवस्त्र करने के आशय से महिला पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
354ग	दृश्यरतिकता	77	दृश्यरतिकता
354घ	पीछा करना	78	पीछा करना
355	गम्भीर प्रकोपन होने से अन्यथा किसी व्यक्ति का अनादर करने के आशय से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग	133	गम्भीर प्रकोपन होने से अन्यथा किसी व्यक्ति का अनादर करने के आशय से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
356	किसी व्यक्ति द्वारा ले जाई जाने वाली सम्पत्ति की चोरी के प्रयत्नों में हमला या आपराधिक बल का प्रयोग	134	किसी व्यक्ति द्वारा ले जाई जाने वाली सम्पत्ति की चोरी के प्रयत्नों में हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
357	किसी व्यक्ति का सदोष परिरोध करने के प्रयत्नों में हमला या आपराधिक बल का प्रयोग	135	किसी व्यक्ति का सदोष परिरोध करने के प्रयत्नों में हमला या आपराधिक बल का प्रयोग
358	गम्भीर प्रकोपन मिलने पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग	136	गम्भीर प्रकोपन मिलने पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
359	व्यपहरण	137(1)	व्यपहरण
360	भारत में से व्यपहरण	137(1)(क)	व्यपहरण
361	विधिपूर्ण संरक्षकता में से व्यपहरण	137(1)(ख)	व्यपहरण
362	अपहरण	138	अपहरण
363	व्यपहरण के लिए दण्ड	137(2)	व्यपहरण
363क	भीख माँगने के प्रयोजनों के लिए अप्राप्तवय का व्यपहरण या विकलांगीकरण	139	भीख माँगने के प्रयोजनों के लिए बालक का व्यपहरण या विकलांगीकरण
364	हत्या करने के लिए व्यपहरण या अपहरण	140(1)	हत्या करने के लिए या फिरौती आदि के लिए व्यपहरण या अपहरण
364क	फिरौती, आदि के लिए व्यपहरण	140(2)	हत्या करने के लिए या फिरौती आदि के लिए व्यपहरण या अपहरण
365	किसी व्यक्ति का गुप्त रीति से और सदोष परिरोध करने के आशय से व्यपहरण या अपहरण	140(3)	हत्या करने के लिए या फिरौती आदि के लिए व्यपहरण या अपहरण
366	विवाह आदि के करने को विवश करने के लिए किसी स्त्री को व्यपहृत करना अपहृत करना या उत्प्रेरित करना	87	विवाह आदि के करने को विवश करने के लिए किसी महिला को व्यपहृत करना, अपहृत करना या उत्प्रेरित करना
366क	अप्राप्तवय लड़की का उपापन	96	बालक का उपापन
366ख	विदेश से लड़की का आयात करना	141	विदेश से बालिका या बालक का लाना
367	व्यक्ति को घोर उपहति, दासत्व आदि का विषय बनाने के उद्देश्य से व्यपहरण या अपहरण	140(4)	हत्या करने के लिए या फिरौती आदि के लिए व्यपहरण या अपहरण
368	व्यपहृत या अपहृत व्यक्ति को सदोष छिपाना या परिरोध में रखना	142	व्यपहृत या अपहृत व्यक्ति को सदोष छिपाना या परिरोध में रखना
369	दस वर्ष से कम आयु के शिशु के शरीर पर से चोरी करने के आशय से उसका व्यपहरण या अपहरण	97	दस वर्ष से कम आयु के बालक के शरीर पर से चोरी करने के आशय से उसका व्यपहरण या अपहरण
370	व्यक्ति का दुर्व्यापार	143	व्यक्ति का दुर्व्यापार
370क	ऐसे व्यक्ति का, जिसका दुर्व्यापार किया गया है, शोषण	144	ऐसे व्यक्ति का, जिसका दुर्व्यापार किया गया है, शोषण
371	दासों का अभ्यासिक व्यौहार करना	145	दासों का अभ्यासिक व्यौहार करना
372	वेश्यावृत्ति आदि के प्रयोजन के लिए अप्राप्तवय को बेचना	98	वेश्यावृत्ति आदि के प्रयोजन के लिए बालक को बेचना
373	वेश्यावृत्ति आदि के प्रयोजन के लिए अप्राप्तवय का खरीदना	99	वेश्यावृत्ति आदि के प्रयोजन के लिए बालक को खरीदना
374	विधिविरुद्ध अनिवार्य श्रम	146	विधिविरुद्ध अनिवार्य श्रम
375	बलात्संग	63	बलात्संग
376(1)/(2)	बलात्संग के लिए दण्ड	64	बलात्संग के लिए दण्ड

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
376(3)	बलात्संग के लिए दण्ड	65(1)	कतिपय मामलों में बलात्संग के लिए दंड
376क	पीड़िता की मृत्यु या लगातार विकृतशील दशा कारित करने के लिए दण्ड	66	पीड़िता की मृत्यु या सतत् विकृतशील दशा कारित करने के लिए दण्ड
376कख	बारह वर्ष से कम आयु की किसी स्त्री से बलात्संग के लिए दण्ड	65(2)	कतिपय मामलों में बलात्संग के लिए दंड
376ख	पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ पृथक्करण के दौरान मैथुन	67	पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ पृथक्करण के दौरान मैथुन
376ग	प्राधिकार में किसी व्यक्ति द्वारा मैथुन	68	प्राधिकार में किसी व्यक्ति द्वारा मैथुन
376घ	सामूहिक बलात्संग	70(1)	सामूहिक बलात्संग
376घक	सोलह वर्ष से कम आयु की स्त्री से सामूहिक बलात्संग के लिए दण्ड	70(2)	सामूहिक बलात्संग
376घख	बारह वर्ष से कम आयु की स्त्री से सामूहिक बलात्संग के लिए दण्ड	70(2)	सामूहिक बलात्संग
376ङ	पुनरावृत्तिकर्ता अपराधियों के लिए दण्ड	71	पुनरावृत्तिकर्ता अपराधियों के लिए दण्ड
377	प्रकृति विरुद्ध अपराध	–	–
378	चोरी	303(1)	चोरी
379	चोरी के लिए दण्ड	303(2)	चोरी
380	निवास-गृह, आदि में चोरी	305	निवास-गृह या यातयात के साधन या पूजा स्थल आदि में चोरी
381	लिपिक या सेवक द्वारा स्वामी के कब्जे में सम्पत्ति की चोरी	306	लिपिक या सेवक द्वारा स्वामी के कब्जे में सम्पत्ति की चोरी
382	चोरी करने के लिए मृत्यु, उपहति या अवरोध कारित करने की तैयारी के पश्चात् चोरी	307	चोरी करने के लिए मृत्यु, उपहति या अवरोध कारित करने की तैयारी के पश्चात् चोरी
383	उद्दापन	308(1)	उद्दापन
384	उद्दापन के लिए दण्ड	308(2)	उद्दापन
385	उद्दापन करने के लिए किसी व्यक्ति को क्षति के भय में डालना	308(3)	उद्दापन
386	किसी व्यक्ति को मृत्यु या घोर उपहति के भय में डालकर उद्दापन	308(5)	उद्दापन
387	उद्दापन करने के लिए किसी व्यक्ति को मृत्यु या घोर उपहति के भय में डालना	308(4)	उद्दापन

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
388	मृत्यु या आजीवन कारावास, आदि से दण्डनीय अपराध का अभियोग लगाने की धमकी देकर उद्दापन	308(7)	उद्दापन
389	उद्दापन करने के लिए किसी व्यक्ति को अपराध का अभियोग लगाने के भय में डालना	308(6)	उद्दापन
390	लूट	309(1)/(2)/(3)	लूट
391	डकैती	310(1)	डकैती
392	लूट के लिए दण्ड	309(4)	लूट
393	लूट करने का प्रयत्न	309(5)	लूट
394	लूट करने में स्वेच्छया उपहति कारित करना	309(6)	लूट
395	डकैती के लिए दण्ड	310(2)	डकैती
396	हत्या सहित डकैती	310(3)	डकैती
397	मृत्यु या घोर उपहति कारित करने के प्रयत्न के साथ लूट या डकैती	311	मृत्यु या घोर उपहति कारित करने के प्रयत्न के साथ लूट या डकैती
398	घातक आयुध से सज्जित होकर लूट या डकैती करने का प्रयत्न	312	घातक आयुध से सज्जित होकर लूट या डकैती करने का प्रयत्न
399	डकैती करने के लिए तैयारी करना	310(4)	डकैती
400	डाकुओं की टोली का होने के लिए दण्ड	310(6)	डकैती
401	चोरों की टोली का होने के लिए दण्ड	313	लुटेरों, आदि की टोली का होने के लिए दण्ड
402	डकैती करने के प्रयोजन से एकत्रित होना	310(5)	डकैती
403	सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग	314	सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग
404	ऐसी सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग जो मृत व्यक्ति की मृत्यु के समय उसके कब्जे में थी	315	ऐसी सम्पत्ति का बेईमानी से दुर्विनियोग जो मृत व्यक्ति की मृत्यु के समय उसके कब्जे में थी
405	आपराधिक न्यास भंग	316(1)	आपराधिक न्यास भंग
406	आपराधिक न्यासभंग के लिए दण्ड	316(2)	आपराधिक न्यास भंग
407	वाहक, आदि द्वारा आपराधिक न्यास भंग	316(3)	आपराधिक न्यास भंग

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
408	लिपिक या सेवक द्वारा आपराधिक न्यास भंग	316(4)	आपराधिक न्यास भंग
409	लोक सेवक द्वारा या बैंकर, व्यापारी या अभिकर्त्ता द्वारा आपराधिक न्यास भंग	316(5)	आपराधिक न्यास भंग
410	चुराई हुई सम्पत्ति	317(1)	चुराई हुई सम्पत्ति
411	चुराई हुई सम्पत्ति को बेईमानी से प्राप्त करना	317(2)	चुराई हुई सम्पत्ति
412	ऐसी सम्पत्ति को बेईमानी से प्राप्त करना जो डकैती करने में चुराई गई है	317(3)	चुराई हुई सम्पत्ति
413	चुराई हुई सम्पत्ति का अभ्यासतः व्यापार करना	317(4)	चुराई हुई सम्पत्ति
414	चुराई हुई सम्पत्ति छिपाने में सहायता करना	317(5)	चुराई हुई सम्पत्ति
415	छल	318(1)	छल
416	प्रतिरूपण द्वारा छल	319(1)	प्रतिरूपण द्वारा छल
417	छल के लिए दण्ड	318(2)	छल
418	इस ज्ञान के साथ छल करना कि उस व्यक्ति को सदोष हानि हो सकती है जिसका हित संरक्षित रखने के लिए अपराधी आबद्ध है	318(3)	छल
419	प्रतिरूपण द्वारा छल के लिए दण्ड	319(2)	प्रतिरूपण द्वारा छल
420	छल करना और सम्पत्ति परिदत्त करने के लिए बेईमानी से उत्प्रेरित करना	318(4)	छल
421	लेनदारों में वितरण निवारित करने के लिए सम्पत्ति का बेईमानी से या कपटपूर्ण अपसारण या छिपाना	320	लेनदारों में वितरण निवारित करने के लिए सम्पत्ति का बेईमानी से या कपटपूर्ण अपसारण या छिपाना
422	ऋण को लेनदारों के लिए उपलब्ध होने से बेईमानी से या कपटपूर्वक निवारित करना	321	ऋण को लेनदारों के लिए उपलब्ध होने से बेईमानी से या कपटपूर्वक निवारित करना
423	अन्तरण के ऐसे विलेख का, जिसमें प्रतिफल के सम्बन्ध में मिथ्या कथन अन्तर्विष्ट है, बेईमानी से या कपटपूर्वक निष्पादन	322	अन्तरण के ऐसे विलेख का, जिसमें प्रतिफल के सम्बन्ध में मिथ्या कथन अन्तर्विष्ट है, बेईमानी से या कपटपूर्वक निष्पादन
424	सम्पत्ति का बेईमानी से या कपटपूर्वक अपसारण या छिपाया जाना	323	सम्पत्ति का बेईमानी से या कपटपूर्वक अपसारण या छिपाया जाना
425	रिष्टि	324(1)	रिष्टि
426	रिष्टि के लिए दण्ड	324(2)	रिष्टि

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
427	रिष्टि जिससे पचास रुपये का नुकसान होता है	324(4)/(5)	रिष्टि
428	दस रुपये के मूल्य के जीव-जन्तु का वध करने या उसे विकलांग करने द्वारा रिष्टि	325	जीव-जन्तु का वध करने या उसे विकलांग करने द्वारा रिष्टि
429	किसी मूल्य के ढोर, आदि को या पचास रुपये के मूल्य के किसी जीव-जन्तु को वध करने या उसे विकलांग करने द्वारा रिष्टि	325	जीव-जन्तु का वध करने या उसे विकलांग करने द्वारा रिष्टि
430	सिंचन संकर्म को क्षति करने या जल को दोषपूर्वक मोड़ने द्वारा रिष्टि	326(क)	क्षति, जलप्लावन, अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि
431	लोक सड़क, पुल, नदी या जलसरणी को क्षति पहुँचा कर रिष्टि	326(ख)	क्षति, जलप्लावन, अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि
432	लोक जल निकास में नुकसानप्रद जल प्लावन या बाधा कारित करने द्वारा रिष्टि	326(ग)	क्षति, जलप्लावन, अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि
433	किसी दीपग्रह या समुद्री-चिन्ह को नष्ट करके, हटाकर या कम उपयोगी बनाकर रिष्टि	326(घ)	क्षति, जलप्लावन, अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि
434	लोक प्राधिकारी द्वारा लगाए गए भूमि चिन्ह को नष्ट करने या हटाने आदि द्वारा रिष्टि	326(ङ)	क्षति, जलप्लावन, अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि
435	सौ रुपये का या (कृषि उपज की दशा में) दस रुपये का नुकसान कारित करने के आशय से अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि	326(च)	क्षति, जलप्लावन, अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि
436	गृह आदि को नष्ट करने के आशय से अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि	326(छ)	क्षति, जलप्लावन, अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा रिष्टि
437	तल्लायुक्त या बीस टन बोझ वाले जलयान को नष्ट करने या सापद बनाने के आशय से रिष्टि	327(1)	रेल, वायुयान, तल्लायुक्त या बीस टन बोझ वाले जलयान को नष्ट करने या सापद बनाने के आशय से रिष्टि
438	धारा 437 में वर्णित अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा की गई रिष्टि के लिए दण्ड	327(2)	रेल, वायुयान, तल्लायुक्त या बीस टन बोझ वाले जलयान को नष्ट करने या सापद बनाने के आशय से रिष्टि
439	चोरी, आदि करने के आशय से ज़लयान को साशय भूमि या किनारे पर चढ़ा देने के लिए दण्ड	328	चोरी, आदि करने के आशय से जलयान को साशय भूमि या किनारे पर चढ़ा देने के लिए दण्ड
440	मृत्यु या उपहति कारित करने की तैयारी के पश्चात् की गई रिष्टि	324(6)	रिष्टि

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
441	आपराधिक अतिचार	329(1)	आपराधिक अतिचार और गृह-अतिचार
442	गृह-अतिचार	329(2)	आपराधिक अतिचार और गृह-अतिचार
443	प्रच्छन्न गृह-अतिचार	330(1)	गृह-अतिचार और गृह-भेदन
444	रात्रौ प्रच्छन्न गृह-अतिचार	–	–
445	गृह-भेदन	330(2)	गृह-अतिचार और गृह-भेदन
446	रात्रौ गृह-भेदन	–	–
447	आपराधिक अतिचार के लिए दण्ड	329(3)	आपराधिक अतिचार और गृह-अतिचार
448	गृह-अतिचार के लिए दण्ड	329(4)	आपराधिक अतिचार और गृह-अतिचार
449	मृत्यु से दण्डनीय अपराध को करने के लिए गृह-अतिचार	332(क)	अपराध को करने के लिए गृह-अतिचार
450	आजीवन कारावास से दण्डनीय अपराध को करने के लिए गृह-अतिचार	332(ख)	अपराध को करने के लिए गृह-अतिचार
451	कारावास से दण्डनीय अपराध को करने के लिए गृह-अतिचार	332(ग)	अपराध को करने के लिए गृह-अतिचार
452	उपहति, हमला या सदोष अवरोध की तैयारी के पश्चात् गृह-अतिचार	333	उपहति, हमला या सदोष अवरोध की तैयारी के पश्चात् गृह-अतिचार
453	प्रच्छन्न गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड	331(1)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड
454	कारावास से दण्डनीय अपराध करने के लिए प्रच्छन्न गृह-अतिचार या गृह-भेदन	331(3)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड
455	उपहति, हमले या सदोष अवरोध की तैयारी के पश्चात् प्रच्छन्न गृह-अतिचार या गृह-भेदन	331(5)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड
456	रात्रौ प्रच्छन्न गृह-अतिचार या रात्रौ गृह-भेदन के लिए दण्ड	331(2)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड
457	कारावास से दण्डनीय अपराध करने के लिए रात्रौ प्रच्छन्न गृह-अतिचार या रात्रौ गृह-भेदन	331(4)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
458	उपहति, हमला या सदोष अवरोध की तैयारी के पश्चात् रात्रौ प्रच्छन्न गृह-अतिचार या रात्रौ गृह-भेदन	331(6)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड
459	प्रच्छन्न गृह-अतिचार या गृह-भेदन करते समय घोर उपहति कारित हो	331(7)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड
460	रात्रौ प्रच्छन्न गृह-अतिचार या रात्रौ गृह-भेदन में संयुक्ततः सम्पृक्त समस्त व्यक्ति दण्डनीय है, जबकि उनमें से एक द्वारा मृत्यु या घोर उपहति कारित की गयी हो	331(8)	गृह-अतिचार या गृह-भेदन के लिए दण्ड
461	ऐसे पात्र को, जिसमें सम्पत्ति है, बेईमानी से तोड़कर खोलना	334(1)	ऐसे पात्र को, जिसमें सम्पत्ति है, बेईमानी से तोड़कर खोलना
462	उसी अपराध के लिए दण्ड, जबकि वह ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया है जिसे अभिरक्षा न्यस्त की गई है	334(2)	ऐसे पात्र को, जिसमें सम्पत्ति है, बेईमानी से तोड़कर खोलना
463	कूट रचना	336(1)	कूट रचना
464	मिथ्या दस्तावेज रचना	335	मिथ्या दस्तावेज रचना
465	कूटरचना के लिए दण्ड	336(2)	कूट रचना
466	न्यायालय के अभिलेख की या लोक रजिस्टर आदि की कूटरचना	337	न्यायालय के अभिलेख की या लोक रजिस्टर आदि की कूटरचना
467	मूल्यवान प्रतिभूति, विल, इत्यादि की कूटरचना	338	मूल्यवान प्रतिभूति, विल, इत्यादि की कूटरचना
468	छल के प्रयोजन से कूटरचना	336(3)	कूट रचना
469	ख्याति को अपहानि पहुँचाने के आशय से कूटरचना	336(4)	कूट रचना
470	कूटरचित दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख	340(1)	कूटरचित दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख और इसे असली के रूप में उपयोग में लाना
471	कूटरचित दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख का असली के रूप में उपयोग में लाना	340(2)	कूटरचित दस्तावेज या इलेक्ट्रानिक अभिलेख और इसे असली के रूप में उपयोग में लाना
472	धारा 467 के अधीन दण्डनीय कूटरचना करने के आशय से कूटकृत मुद्रा, आदि का बनाना या कब्जे में रखना	341(1)	धारा 338 के अधीन दण्डनीय कूटरचना करने के आशय से कूटकृत मुद्रा, आदि का बनाना या कब्जे में रखना
473	अन्यथा दण्डनीय कूटरचना करने के आशय से कूटकृत मुद्रा, आदि का बनाना या कब्जे में रखना	341(2)	धारा 338 के अधीन दण्डनीय कूटरचना करने के आशय से कूटकृत मुद्रा, आदि का बनाना या कब्जे में रखना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
474	धारा 466 या 467 में वर्णित दस्तावेज को, उसे कूटरचित जानते हुए और उसे असली के रूप में उपयोग में लाने का आशय रखते हुए, कब्जे में रखना	339	धारा 337 या 338 में वर्णित दस्तावेज को, उसे कूटरचित जानते हुए और उसे असली के रूप में उपयोग में लाने का आशय रखते हुए, कब्जे में रखना
475	धारा 467 में वर्णित दस्तावेजों के अधिप्रमाणीकरण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली अभिलक्षणा या चिह्न की कूटकृति बनाना या कूटकृत चिह्नयुक्त पदार्थ को कब्जे में रखना	342(1)	धारा 342 में वर्णित दस्तावेजों के अधिप्रमाणीकरण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली अभिलक्षणा या चिह्न की कूटकृति बनाना या कूटकृत चिह्नयुक्त पदार्थ को कब्जे में रखना
476	धारा 467 में वर्णित दस्तावेजों से भिन्न दस्तावेजों के अधिप्रमाणीकरण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली अभिलक्षणा या चिह्न की कूटकृति बनाना या कूटकृत चिह्नयुक्त पदार्थ को कब्जे में रखना	342(2)	धारा 342 में वर्णित दस्तावेजों के अधिप्रमाणीकरण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली अभिलक्षणा या चिह्न की कूटकृति बनाना या कूटकृत चिह्नयुक्त पदार्थ को कब्जे में रखना
477	विल, दत्तकग्रहण प्राधिकार-पत्र या मूल्यवान प्रतिभूति को कपटपूर्वक रद्द, नष्ट आदि करना	343	विल, दत्तकग्रहण प्राधिकार-पत्र या मूल्यवान प्रतिभूति को कपटपूर्वक रद्द, नष्ट आदि करना
477क	लेखा का मिथ्याकरण	344	लेखा का मिथ्याकरण
478	व्यापार चिह्न	–	–
479	सम्पत्ति चिह्न	345(1)	सम्पत्ति चिह्न
480	मिथ्या व्यापार चिह्न का प्रयोग किया जाना	–	–
481	मिथ्या सम्पत्ति चिन्ह को उपयोग में लाना	345(2)	सम्पत्ति चिह्न
482	मिथ्या सम्पत्ति-चिह्न का उपयोग करने के लिए दण्ड	345(3)	सम्पत्ति चिह्न
483	अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग में लाए गए सम्पत्ति-चिह्न का कूटकरण	347(1)	सम्पत्ति-चिह्न का कूटकरण
484	लोक सेवक द्वारा उपयोग में लाए गए चिह्न का कूटकरण	347(2)	सम्पत्ति-चिह्न का कूटकरण
485	सम्पत्ति-चिह्न के कूटकरण के लिए कोई उपकरण बनाना या उस पर कब्जा	348	सम्पत्ति-चिह्न के कूटकरण के लिए कोई उपकरण बनाना या उस पर कब्जा
486	कूटकृत सम्पत्ति-चिह्न से चिह्नित माल का विक्रय	349	कूटकृत सम्पत्ति-चिह्न से चिह्नित माल का विक्रय
487	किसी ऐसे पात्र के ऊपर मिथ्या चिह्न बनाना जिसमें माल रखा है	350(1)	किसी ऐसे पात्र के ऊपर मिथ्या चिह्न बनाना जिसमें माल रखा है
488	किसी ऐसे मिथ्या चिह्न को उपयोग में लाने के लिए दण्ड	350(2)	किसी ऐसे पात्र के ऊपर मिथ्या चिह्न बनाना जिसमें माल रखा है
489	क्षति कारित करने के आशय से सम्पत्ति चिह्न को बिगाड़ना	346	क्षति कारित करने के आशय से सम्पत्ति चिह्न को बिगाड़ना

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
489क	करेन्सी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण	178	सिक्कों, सरकारी स्टाम्पों, करेंसी नोटों या बैंक नोटों का कूटकरण
489ख	कूटरचित या कूटकृत करेंसी नोटों या बैंक नोटों को असली के रूप में उपयोग में लाना	179	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को असली के रूप में उपयोग करना
489ग	कूटरचित या कूटकृत करेंसी नोटों या बैंक नोटों को कब्जे में रखना	180	कूटरचित या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोट या बैंक नोट को कब्जे में रखना
489घ	करेन्सी नोटों या बैंक नोटों की कूटरचना या कूटकरण के लिए उपकरण या सामग्री बनाना या कब्जे में रखना	181	लिखत या कूटरचना के लिए सामग्री या कूटकृत सिक्के, सरकारी स्टाम्प, करेंसी नोटों या बैंक नोटों को बनाना या कब्जे में रखना
489ङ	करेन्सी नोटों या बैंक नोटों से सदृश्य रखने वाले दस्तावेजों की रचना या उपयोग	182	करेन्सी नोटों या बैंक नोटों से सदृश्य रखने वाले दस्तावेजों की रचना या उपयोग
490	समुद्र यात्रा या यात्रा के दौरान सेवा भंग	–	–
491	असहाय व्यक्ति की परिचर्या करने की और उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति करने की संविदा का भंग	357	असहाय व्यक्ति की परिचर्या करने की और उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति करने की संविदा का भंग के विषय में
492	दूर वाले स्थान पर सेवा करने का संविदा भंग जहां सेवक को मालिक के खर्चे पर ले जाया जाता है	–	–
493	विधिपूर्ण विवाह का प्रवंचना से विश्वास उत्प्रेरित करने वाले पुरुष द्वारा कारित सहवास	81	विधिपूर्ण विवाह का प्रवंचना से विश्वास उत्प्रेरित करने वाले पुरुष द्वारा कारित सहवास
494	पति या पत्नी के जीवनकाल में पुन: विवाह करना	82(1)	पति या पत्नी के जीवनकाल में पुन: विवाह करना
495	वही अपराध पूर्ववर्ती विवाह को उस व्यक्ति से छिपाकर जिसके साथ पश्चात्वर्ती विवाह किया जाता है	82(2)	पति या पत्नी के जीवनकाल में पुन: विवाह करना
496	विधिपूर्ण विवाह के बिना कपटपूर्ण विवाह कर्म पूरा कर लेना	83	विधिपूर्ण विवाह के बिना कपटपूर्ण विवाह कर्म पूरा कर लेना
497	जारकर्म	–	–
498	विवाहित स्त्री को आपराधिक आशय से फुसलाकर ले जाना, या ले आना या निरुद्ध रखना	84	विवाहित महिला को आपराधिक आशय से फुसलाकर ले जाना या निरुद्ध रखना

तुलनात्मक तालिका

भारतीय दण्ड संहिता, 1860		भारतीय न्याय संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
498क	किसी स्त्री के पति या पति के नातेदार द्वारा उसके प्रति क्रूरता करना	85	किसी महिला के पति या पति के नातेदार द्वारा उसके प्रति क्रूरता करना
498 स्पष्टी.	–	86	क्रूरता की परिभाषा
499	मानहानि	356(1)	मानहानि
500	मानहानि के लिए दण्ड	356(2)	मानहानि
501	मानहानिकारक जानी हुई बात को मुद्रित या उत्कीर्ण करना	356(3)	मानहानि
502	मानहानिकारक विषय रखने वाले मुद्रित या उत्कीर्ण पदार्थ को बेचना	356(4)	मानहानि
503	आपराधिक अभित्रास	351(1)	आपराधिक अभित्रास
504	लोक शान्ति भंग कराने को प्रकोपित करने के आशय से साशय अपमान	352	लोक शान्ति भंग कराने को प्रकोपित करने के आशय से साशय अपमान
505	लोक-रिष्टिकारक वक्तव्य	353	लोक-रिष्टिकारक वक्तव्य
506	आपराधिक अभित्रास के लिए दण्ड	351(2)/(3)	आपराधिक अभित्रास
507	अनाम संसूचना द्वारा आपराधिक अभित्रास	351(4)	आपराधिक अभित्रास
508	व्यक्ति को यह विश्वास करने के लिए उत्प्रेरित करके कि वह दैवी अप्रसाद का भाजन होगा, कराया गया कार्य	354	व्यक्ति को यह विश्वास करने के लिए उत्प्रेरित करके कि वह दैवी अप्रसाद का भाजन होगा, कराया गया कार्य
509	शब्द, अंग विक्षेप या कार्य जो किसी स्त्री की लज्जा का अनादर करने के लिए आशयित है	79	शब्द, अंग विक्षेप या कार्य जो किसी महिला की लज्जा का अनादर करने के लिए आशयित है
510	मत्त व्यक्ति द्वारा लोक स्थान में अवचार	355	मत्त व्यक्ति द्वारा लोक स्थान में अवचार
511	आजीवन कारावास या अन्य कारावास से दण्डनीय अपराधों को करने के प्रयत्न करने के लिए दण्ड	62	आजीवन कारावास या अन्य कारावास से दण्डनीय अपराधों को करने के प्रयत्न करने के लिए दण्ड

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता

2023

तुलनात्मक तालिका

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की सम्बन्धित प्रावधानों की तुलना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
1	संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ	1	संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ
2	परिभाषाएं	2	परिभाषाएं
2(क)	"जमानतीय अपराध"	2(1)(ग)	"जमानतीय अपराध"
2(ख)	"आरोप"	2(1)(च)	"आरोप"
2(ग)	"संज्ञेय अपराध"	2(1)(छ)	"संज्ञेय अपराध"
2(घ)	"परिवाद"	2(1)(ज)	"परिवाद"
2(ङ)	"उच्च न्यायालय"	2(1)(ञ)	"उच्च न्यायालय"
2(च)	"भारत"	–	–
2(छ)	"जांच"	2(1)(ट)	"जांच"
2(ज)	"अन्वेषण"	2(1)(ठ)	"अन्वेषण"
2(झ)	"न्यायिक कार्यवाही"	2(1)(ड)	"न्यायिक कार्यवाही"
2(ञ)	"स्थानीय अधिकारिता"	2(1)(ढ)	"स्थानीय अधिकारिता"
2(ट)	"महानगर क्षेत्र"	–	–
2(ठ)	"असंज्ञेय अपराध"	2(1)(ण)	"असंज्ञेय अपराध"
2(ड)	"अधिसूचना"	2(1)(त)	"अधिसूचना"
2(ढ)	"अपराध"	2(1)(थ)	"अपराध"
2(ण)	"पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी"	2(1)(द)	"पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी"
2(त)	"स्थान"	2(1)(ध)	"स्थान"
2(थ)	"प्लीडर"	–	–
2(द)	"पुलिस रिपोर्ट"	2(1)(न)	"पुलिस रिपोर्ट"
2(ध)	"पुलिस थाना"	2(1)(प)	"पुलिस थाना"
2(न)	"विहित"	–	–
2(प)	"लोक अभियोजक"	2(1)(फ)	"लोक अभियोजक"
2(फ)	"उपखण्ड"	2(1)(ब)	"उपखण्ड"
2(ब)	"समन-मामला"	2(1)(भ)	"समन-मामला"
2(बक)	"पीड़ित"	2(1)(म)	"पीड़ित"
2(भ)	"वारण्ट मामला"	2(1)(य)	"वारण्ट मामला"
2(म)	शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं	2(2)	शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं

तुलनात्मक तालिका

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
3	निर्देशों का अर्थ लगाना	3	निर्देशों का अर्थ लगाना
4	भारतीय दण्ड संहिता और अन्य विधियों के अधीन अपराधों का विचारण	4	भारतीय न्याय संहिता, 2023 और अन्य विधियों के अधीन अपराधों का विचारण
5	व्यावृत्ति	5	व्यावृत्ति
6	दण्ड न्यायालयों के वर्ग	6	दण्ड न्यायालयों के वर्ग
7	प्रादेशिक खण्ड	7	प्रादेशिक खण्ड
8	महानगर क्षेत्र	–	–
9	सेशन न्यायालय	8	सेशन न्यायालय
10	सहायक सेशन न्यायाधीशों का अधीनस्थ होना	–	–
11	न्यायिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालय	9	न्यायिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालय
12	मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, आदि	10	मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, आदि
13	विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट	11	विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट
14	न्यायिक मजिस्ट्रेटों की स्थानीय अधिकारिता	12	न्यायिक मजिस्ट्रेटों की स्थानीय अधिकारिता
15	न्यायिक मजिस्ट्रेटों का अधीनस्थ होना	13	न्यायिक मजिस्ट्रेटों का अधीनस्थ होना
16	महानगर मजिस्ट्रेटों के न्यायालय	–	–
17	मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट और अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट	–	–
18	विशेष महानगर मजिस्ट्रेट	–	–
19	महानगर मजिस्ट्रेटों का अधीनस्थ होना	–	–
20	कार्यपालक मजिस्ट्रेट	14	कार्यपालक मजिस्ट्रेट
21	विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट	15	विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट
22	कार्यपालक मजिस्ट्रेटों की स्थानीय अधिकारिता	16	कार्यपालक मजिस्ट्रेटों की स्थानीय अधिकारिता
23	कार्यपालक मजिस्ट्रेटों का अधीनस्थ होना	17	कार्यपालक मजिस्ट्रेटों का अधीनस्थ होना
24	लोक अभियोजक	18	लोक अभियोजक
25	सहायक लोक अभियोजक	19	सहायक लोक अभियोजक
25क	अभियोजन निदेशालय	20	अभियोजन निदेशालय
26	न्यायालय, जिनके द्वारा अपराध विचारणीय हैं	21	न्यायालय, जिनके द्वारा अपराध विचारणीय हैं

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
27	किशोरों के मामलों में अधिकारिता	–	–
28	दण्डादेश, जो उच्च न्यायालय और सेशन न्यायाधीश दे सकेंगे	22	दण्डादेश, जो उच्च न्यायालय और सेशन न्यायाधीश दे सकेंगे
29	दण्डादेश, जो मजिस्ट्रेट दे सकेंगे	23	दण्डादेश, जो मजिस्ट्रेट दे सकेंगे
30	जुर्माना देने में व्यतिक्रम होने पर कारावास का दण्डादेश	24	जुर्माना देने में व्यतिक्रम होने पर कारावास का दण्डादेश
31	एक ही विचारण में कई अपराधों के लिए दोषसिद्ध होने के मामलों में दण्डादेश	25	एक ही विचारण में कई अपराधों के लिए दोषसिद्ध होने के मामलों में दण्डादेश
32	शक्तियां प्रदान करने का ढंग	26	शक्तियां प्रदान करने का ढंग
33	नियुक्त अधिकारियों की शक्तियां	27	नियुक्त अधिकारियों की शक्तियां
34	शक्तियों को वापस लेना	28	शक्तियों को वापस लेना
35	न्यायाधीशों और मजिस्ट्रेटों की शक्तियों का उनके पद–उत्तरवर्तियों द्वारा प्रयोग किया जा सकना	29	न्यायाधीशों और मजिस्ट्रेटों की शक्तियों का उनके पद–उत्तरवर्तियों द्वारा प्रयोग किया जा सकना
36	वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की शक्तियां	30	वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की शक्तियां
37	जनता कब मजिस्ट्रेट और पुलिस की सहायता करेगी	31	जनता कब मजिस्ट्रेट और पुलिस की सहायता करेगी
38	पुलिस अधिकारी से भिन्न ऐसे व्यक्ति को सहायता जो वारण्ट का निष्पादन कर रहा है	32	पुलिस अधिकारी से भिन्न ऐसे व्यक्ति को सहायता जो वारण्ट का निष्पादन कर रहा है
39	कुछ अपराधों की इत्तिला का जनता द्वारा दिया जाना	33	कुछ अपराधों की सूचना जनता द्वारा दिया जाना
40	ग्राम के मामलों के संबंध में नियोजित अधिकारियों के कतिपय रिपोर्ट करने का कर्त्तव्य	34	ग्राम के मामलों के संबंध में नियोजित अधिकारियों का कतिपय रिपोर्ट करने का कर्त्तव्य
41	पुलिस वारण्ट के बिना कब गिरफ्तार कर सकेगी	35(1)/(2)	पुलिस वारण्ट के बिना कब गिरफ्तार कर सकेगी
41क	पुलिस अधिकारी के समक्ष हाजिर होने की सूचना	35(3)से 35(6)	पुलिस वारण्ट के बिना कब गिरफ्तार कर सकेगी
41ख	गिरफ्तारी की प्रक्रिया और गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी के कर्त्तव्य	36	गिरफ्तारी की प्रक्रिया और गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी के कर्त्तव्य
41ग	जिले में नियंत्रण कक्ष	37	पदाभिहित पुलिस अधिकारी
41घ	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों का पूछताछ के दौरान अधिवक्ता से मिलने का अधिकार	38	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का पूछताछ के दौरान अपनी पसंद के अधिवक्ता से मिलने का अधिकार
42	नाम और निवास बताने से इन्कार करने पर गिरफ्तारी	39	नाम और निवास बताने से इन्कार करने पर गिरफ्तारी
43	प्राइवेट व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी और ऐसी गिरफ्तारी पर प्रक्रिया	40	प्राइवेट व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी और ऐसी गिरफ्तारी पर प्रक्रिया

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
44	मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी	41	मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी
45	सशस्त्र बलों के सदस्यों का गिरफ्तारी से संरक्षण	42	सशस्त्र बलों के सदस्यों का गिरफ्तारी से संरक्षण
46	गिरफ्तारी कैसे की जाएगी	43	गिरफ्तारी कैसे की जाएगी
47	उस स्थान की तलाशी जिसमें ऐसा व्यक्ति प्रविष्ट हुआ है जिसकी गिरफ्तारी की जानी है	44	उस स्थान की तलाशी जिसमें ऐसा व्यक्ति प्रविष्ट हुआ है जिसकी गिरफ्तारी की जानी है
48	अन्य अधिकारिताओं में अपराधियों का पीछा करना	45	अन्य अधिकारिताओं में अपराधियों का पीछा करना
49	अनावश्यक अवरोध न करना	46	अनावश्यक अवरोध न करना
50	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधारों और जमानत के अधिकार की इत्तिला दिया जाना	47	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधारों और जमानत के अधिकार की सूचना दिया जाना
50क	गिरफ्तारी करने वाले व्यक्ति की, गिरफ्तारी आदि के बारे में, नामित व्यक्ति को जानकारी देने की बाध्यता	48	गिरफ्तारी करने वाले व्यक्ति की, गिरफ्तारी आदि के बारे में, नातेदार या मित्र को जानकारी देने की बाध्यता
51	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की तलाशी	49	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की तलाशी
52	आक्रामक आयुधों का अभिग्रहण करने की शक्ति	50	आक्रामक आयुधों का अभिग्रहण करने की शक्ति
53	पुलिस अधिकारी की प्रार्थना पर चिकित्सा व्यवसायी द्वारा अभियुक्त की परीक्षा	51	पुलिस अधिकारी की प्रार्थना पर चिकित्सा व्यवसायी द्वारा अभियुक्त की परीक्षा
53क	बलात्संग के अपराधी व्यक्ति की चिकित्सा व्यवसायी द्वारा परीक्षा	52	बलात्संग के अपराधी व्यक्ति की चिकित्सा व्यवसायी द्वारा परीक्षा
54	गिरफ्तार व्यक्ति की चिकित्सा अधिकारी द्वारा परीक्षा	53	गिरफ्तार व्यक्ति की चिकित्सा अधिकारी द्वारा परीक्षा
54क	गिरफ्तार व्यक्ति की शिनाख्त	54	गिरफ्तार व्यक्ति की शिनाख्त
55	जब पुलिस अधिकारी वारण्ट के बिना गिरफ्तार करने के लिए अपने अधीनस्थ को प्रतिनियुक्त करता है तब प्रक्रिया	55	जब पुलिस अधिकारी वारण्ट के बिना गिरफ्तार करने के लिए अपने अधीनस्थ को प्रतिनियुक्त करता है तब प्रक्रिया
55क	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का स्वास्थ्य और सुरक्षा	56	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का स्वास्थ्य और सुरक्षा
56	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी के समक्ष ले जाया जाना	57	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का मजिस्ट्रेट या पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी के समक्ष ले जाया जाना
57	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को चौबीस घंटे से अधिक निरुद्ध न किया जाना	58	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का चौबीस घंटे से अधिक निरुद्ध न किया जाना
58	पुलिस का गिरफ्तारियों की रिपोर्ट करना	59	पुलिस का गिरफ्तारियों की रिपोर्ट करना
59	पकड़े गए व्यक्ति का उन्मोचन	60	पकड़े गए व्यक्ति का उन्मोचन
60	निकल भागने पर पीछा करने और फिर पकड़ लेने की शक्ति	61	निकल भागने पर पीछा करने और फिर पकड़ लेने की शक्ति

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
60क	गिरफ्तारी का सर्वथा संहिता के अनुसार ही किया जाना	62	गिरफ्तारी का सर्वथा संहिता के अनुसार ही किया जाना
61	समन का प्ररूप	63	समन का प्ररूप
62	समन की तामील कैसे की जाए	64	समन की तामील कैसे की जाए
63	निगमित निकायों और सोसाइटियों पर समन की तामील	65	निगमित निकायों, फर्मों और सोसाइटियों पर समन की तामील
64	जब समन किए गए व्यक्ति न मिल सकें तब तामील	66	जब समन किए गए व्यक्ति न मिल सकें तब तामील
65	जब पूर्व उपबंधित प्रकार से तामील न की जा सके तब प्रक्रिया	67	जब पूर्व उपबंधित प्रकार से तामील न की जा सके तब प्रक्रिया
66	सरकारी सेवक पर तामील	68	सरकारी सेवक पर तामील
67	स्थानीय सीमाओं के बाहर समन की तामील	69	स्थानीय सीमाओं के बाहर समन की तामील
68	ऐसे मामलों में और जब तामील करने वाला अधिकारी उपस्थित न हो तब तामील का सबूत	70	ऐसे मामलों में और जब तामील करने वाला अधिकारी उपस्थित न हो तब तामील का सबूत
69	साक्षी पर डाक द्वारा समन की तामील	71	साक्षी पर समन की तामील
70	गिरफ्तारी के वारण्ट का प्ररूप और अवधि	72	गिरफ्तारी के वारण्ट का प्ररूप और अवधि
71	प्रतिभूति लिए जाने का निदेश देने की शक्ति	73	प्रतिभूति लिए जाने का निदेश देने की शक्ति
72	वारण्ट किसको निर्दिष्ट होंगे	74	वारण्ट किसको निर्दिष्ट होंगे
73	वारण्ट किसी भी व्यक्ति को निर्दिष्ट हो सकेंगे	75	वारण्ट किसी भी व्यक्ति को निर्दिष्ट हो सकेंगे
74	पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारण्ट	76	पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारण्ट
75	वारण्ट के सार की सूचना	77	वारण्ट के सार की सूचना
76	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का न्यायालय के समक्ष अविलम्ब लाया जाना	78	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का न्यायालय के समक्ष अविलम्ब लाया जाना
77	वारण्ट कहां निष्पादित किया जा सकता है	79	वारण्ट कहां निष्पादित किया जा सकता है
78	अधिकारिता के बाहर निष्पादन के लिए भेजा गया वारण्ट	80	अधिकारिता के बाहर निष्पादन के लिए भेजा गया वारण्ट
79	अधिकारिता के बाहर निष्पादन के लिए पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारण्ट	81	अधिकारिता के बाहर निष्पादन के लिए पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारण्ट
80	जिस व्यक्ति के विरुद्ध वारण्ट जारी किया गया है, उसके गिरफ्तार होने पर प्रक्रिया	82	जिस व्यक्ति के विरुद्ध वारण्ट जारी किया गया है, उसके गिरफ्तार होने पर प्रक्रिया
81	उस मजिस्ट्रेट द्वारा प्रक्रिया जिसके समक्ष ऐसे गिरफ्तार किया गया व्यक्ति लाया जाए	83	उस मजिस्ट्रेट द्वारा प्रक्रिया जिसके समक्ष ऐसे गिरफ्तार किया गया व्यक्ति लाया जाए

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
82	फरार व्यक्ति के लिए उद्घोषणा	84	फरार व्यक्ति के लिए उद्घोषणा
83	फरार व्यक्ति की सम्पत्ति की कुर्की	85	फरार व्यक्ति की सम्पत्ति की कुर्की
84	कुर्की के बारे में दावे और आपत्तियां	87	कुर्की के बारे में दावे और आपत्तियां
85	कुर्क की हुई सम्पत्ति को निर्मुक्त करना, विक्रय और वापस करना	88	कुर्क की हुई सम्पत्ति को निर्मुक्त करना, विक्रय और वापस करना
86	कुर्क सम्पत्ति की वापसी के लिए आवेदन नामंजूर करने वाले आदेश से अपील	89	कुर्क सम्पत्ति की वापसी के लिए आवेदन नामंजूर करने वाले आदेश से अपील
87	समन के स्थान पर या उसके अतिरिक्त वारण्ट का जारी किया जाना	90	समन के स्थान पर या उसके अतिरिक्त वारण्ट का जारी किया जाना
88	हाजिरी के लिए बन्धपत्र लेने की शक्ति	91	हाजिरी के लिए बन्धपत्र या जमानत पत्र लेने की शक्ति
89	हाजिरी या बन्धपत्र भंग करने पर गिरफ्तारी	92	हाजिरी का बन्धपत्र या जमानत पत्र भंग करने पर गिरफ्तारी
90	इस अध्याय के उपबंधों का साधारणतया समनों और गिरफ्तारी के वारण्टों को लागू होना	93	इस अध्याय के उपबंधों का साधारणतया समनों और गिरफ्तारी के वारण्टों को लागू होना
91	दस्तावेज या अन्य चीज पेश करने के लिए समन	94	दस्तावेज या अन्य चीज पेश करने के लिए समन
92	पत्रों और तारों के संबंध में प्रक्रिया	95	पत्रों के संबंध में प्रक्रिया
93	तलाशी-वारण्ट कब जारी किया जा सकता है	96	तलाशी-वारण्ट कब जारी किया जा सकता है
94	उस स्थान की तलाशी, जिसमें चुराई हुई सम्पत्ति, कूटरचित दस्तावेज आदि होने का संदेह है	97	उस स्थान की तलाशी, जिसमें चुराई हुई सम्पत्ति, कूटरचित दस्तावेज आदि होने का संदेह है
95	कुछ प्रकाशनों के समपहृत होने की घोषणा करने और उनके लिए तलाशी-वारण्ट जारी करने की शक्ति	98	कुछ प्रकाशनों के समपहृत होने की घोषणा करने और उनके लिए तलाशी-वारण्ट जारी करने की शक्ति
96	समपहरण की घोषणा को अपास्त करने के लिए उच्च न्यायालय में आवेदन	99	समपहरण की घोषणा को अपास्त करने के लिए उच्च न्यायालय में आवेदन
97	सदोष परिरुद्ध व्यक्तियों के लिए तलाशी	100	सदोष परिरुद्ध व्यक्तियों के लिए तलाशी
98	अपहृत स्त्रियों को वापस करने के लिए विवश करने की शक्ति	101	अपहृत स्त्रियों को वापस करने के लिए विवश करने की शक्ति
99	तलाशी–वारण्टों का निदेशन आदि	102	तलाशी–वारण्टों का निदेशन आदि

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
100	बन्द स्थान के भारसाधक व्यक्ति तलाशी लेने देंगे	103	बन्द स्थान के भारसाधक व्यक्ति तलाशी लेने देंगे
101	अधिकारिता के परे तलाशी में पाई गई चीजों का व्ययन	104	अधिकारिता के परे तलाशी में पाई गई चीजों का व्ययन
102	कुछ सम्पत्ति को अभिगृहीत करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति	106	कुछ सम्पत्ति को अभिगृहीत करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति
103	मजिस्ट्रेट अपनी उपस्थिति में तलाशी ली जाने का निदेश दे सकता है	108	मजिस्ट्रेट अपनी उपस्थिति में तलाशी ली जाने का निदेश दे सकता है
104	पेश की गई दस्तावेज आदि, को परिबद्ध करने की शक्ति	109	पेश की गई दस्तावेज आदि, को परिबद्ध करने की शक्ति
105	आदेशिकाओं के बारे में व्यतिकारी व्यवस्था	110	आदेशिकाओं के बारे में व्यतिकारी व्यवस्था
105क	परिभाषाएं	111	परिभाषाएं
105क(क)	"संविदाकारी राज्य"	111(क)	"संविदाकारी राज्य"
105क(ख)	"पहचान करना"	111(ख)	"पहचान करना"
105क(ग)	"अपराध के आगम"	111(ग)	"अपराध के आगम"
105क(घ)	"सम्पत्ति"	111(घ)	"सम्पत्ति"
105क(ङ)	"पता लगाना"	111(ङ)	"पता लगाना"
105ख	व्यक्तियों का अन्तरण सुनिश्चित करने में सहायता	114	व्यक्तियों का अन्तरण सुनिश्चित करने में सहायता
105ग	सम्पत्ति की कुर्की या समपहरण के आदेशों के संबंध में सहायता	115	सम्पत्ति की कुर्की या समपहरण के आदेशों के संबंध में सहायता
105घ	विधिविरुद्धतया अर्जित सम्पत्ति की पहचान करना	116	विधिविरुद्धतया अर्जित सम्पत्ति की पहचान करना
105ङ	सम्पत्ति का अभिग्रहण या कुर्की	117	सम्पत्ति का अभिग्रहण या कुर्की
105च	इस अध्याय के अधीन अभिगृहीत या समपहृत सम्पत्ति का प्रबन्ध	118	इस अध्याय के अधीन अभिगृहीत या समपहृत सम्पत्ति का प्रबन्ध
105छ	सम्पत्ति के समपहरण की सूचना	119	सम्पत्ति के समपहरण की सूचना
105ज	कतिपय मामलों में सम्पत्ति का समपहरण	120	कतिपय मामलों में सम्पत्ति का समपहरण
105झ	समपहरण के बदले जुर्माना	121	समपहरण के बदले जुर्माना
105ञ	कुछ अंतरणों का अकृत और शून्य होना	122	कुछ अंतरणों का अकृत और शून्य होना
105ट	अनुरोध पत्र के बाबत प्रक्रिया	123	अनुरोध पत्र की बाबत प्रक्रिया
105ठ	इस अध्याय का लागू होना	124	इस अध्याय का लागू होना
106	दोषसिद्धि पर परिशांति कायम रखने के लिए प्रतिभूति	125	दोषसिद्धि पर परिशांति कायम रखने के लिए प्रतिभूति

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
107	अन्य दशाओं में परिशांति कायम रखने के लिए प्रतिभूति	126	अन्य दशाओं में परिशांति कायम रखने के लिए प्रतिभूति
108	राजद्रोहात्मक बातों को फैलाने वाले व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति	127	कतिपय मामलों को फैलाने वाले व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति
109	संदिग्ध व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति	128	संदिग्ध व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति
110	आभ्यासिक अपराधियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति	129	आभ्यासिक अपराधियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति
111	आदेश का दिया जाना	130	आदेश का दिया जाना
112	न्यायालय में उपस्थित व्यक्ति के बारे में प्रक्रिया	131	न्यायालय में उपस्थित व्यक्ति के बारे में प्रक्रिया
113	ऐसे व्यक्ति के बारे में समन या वारण्ट जो उपस्थित नहीं है	132	ऐसे व्यक्ति के बारे में समन या वारण्ट जो उपस्थित नहीं है
114	समन या वारण्ट के साथ आदेश की प्रति होगी	133	समन या वारण्ट के साथ आदेश की प्रति होगी
115	वैयक्तिक हाजिरी से अभिमुक्ति देने की शक्ति	134	वैयक्तिक हाजिरी से अभिमुक्ति देने की शक्ति
116	इत्तिला की सच्चाई के बारे में जांच	135	इत्तिला की सच्चाई के बारे में जांच
117	प्रतिभूति देने का आदेश		प्रतिभूति देने का आदेश
118	उस व्यक्ति का उन्मोचन जिसके विरुद्ध इत्तिला दी गई है	137	उस व्यक्ति का उन्मोचन जिसके विरुद्ध इत्तिला दी गई है
119	जिस अवधि के लिए प्रतिभूति अपेक्षित की गई है, उसका प्रारम्भ	138	जिस अवधि के लिए प्रतिभूति अपेक्षित की गई है उसका प्रारम्भ
120	बन्धपत्र की अन्तर्वस्तुएं	139	बन्धपत्र की अन्तर्वस्तुएं
121	प्रतिभुओं को अस्वीकार करने की शक्ति	140	प्रतिभुओं को अस्वीकार करने की शक्ति
122	प्रतिभूति देने में व्यतिक्रम होने पर कारावास	141	प्रतिभूति देने में व्यतिक्रम होने पर कारावास
123	प्रतिभूति देने में असफलता के कारण कारावासित व्यक्तियों को छोड़ने की शक्ति	142	प्रतिभूति देने में असफलता के कारण कारावासित व्यक्तियों को छोड़ने की शक्ति
124	बन्धपत्रों की शेष अवधि के लिए प्रतिभूति	143	बन्धपत्रों की शेष अवधि के लिए प्रतिभूति
125	पत्नी, सन्तान और माता-पिता के भरण-पोषण के लिए आदेश	144	पत्नी, सन्तान और माता-पिता के भरण-पोषण के लिए आदेश
126	प्रक्रिया	145	प्रक्रिया
127	भत्ते में परिवर्तन	146	भत्ते में परिवर्तन
128	भरण-पोषण के आदेश का प्रवर्तन	147	भरण-पोषण के आदेश का प्रवर्तन

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
129	सिविल बल के प्रयोग द्वारा जमाव को तितर-बितर करना	148	सिविल बल के प्रयोग द्वारा जमाव को तितर-बितर करना
130	जमाव को तितर-बितर करने के लिए सशस्त्र बल का प्रयोग	149	जमाव को तितर-बितर करने के लिए सशस्त्र बल का प्रयोग
131	जमाव को तितर-बितर करने की सशस्त्र बल के कुछ अधिकारियों की शक्ति	150	जमाव को तितर-बितर करने की सशस्त्र बल के कतिपय अधिकारियों की शक्ति
132	पूर्ववर्ती धाराओं के अधीन किए गए कार्यों के अभियोजन से संरक्षण	151	धारा 148, धारा 149 तथा धारा 150 के अधीन किए गए कार्यों के लिए अभियोजन से संरक्षण
133	न्यूसेन्स हटाने के लिए सशर्त आदेश	152	न्यूसेन्स हटाने के लिए सशर्त आदेश
134	आदेश की तामील या अधिसूचना	153	आदेश की तामील या अधिसूचना
135	जिस व्यक्ति को आदेश संबोधित है, वह उसका पालन करेगा या कारण दर्शित करेगा	154	जिस व्यक्ति को आदेश संबोधित है, वह उसका पालन करेगा या कारण दर्शित करेगा
136	उसके ऐसा करने में असफल रहने का परिणाम	155	धारा 154 का अनुपालन करने में असफलता के लिए शास्ति
137	जहां लोक अधिकार के अस्तित्व से इन्कार किया जाता है वहां प्रक्रिया	156	जहां लोक अधिकार के अस्तित्व से इन्कार किया जाता है वहां प्रक्रिया
138	जहां वह कारण दर्शित करने के लिए हाजिर है वहां प्रक्रिया	157	व्यक्ति जिसके विरूद्ध धारा 152 के अधीन कोई आदेश दिया गया है वहां कारण दर्शित करने के लिए प्रक्रिया
139	स्थानीय अन्वेषण के लिए निदेश देने और विशेषज्ञ की परीक्षा करने की मजिस्ट्रेट की शक्ति	158	स्थानीय अन्वेषण के लिए निदेश देने और विशेषज्ञ की परीक्षा करने की मजिस्ट्रेट की शक्ति
140	मजिस्ट्रेट की लिखित अनुदेश आदि देने की शक्ति	159	मजिस्ट्रेट की लिखित अनुदेश आदि देने की शक्ति
141	आदेश अन्तिम कर दिए जाने पर प्रक्रिया और उसकी अवज्ञा के परिणाम	160	आदेश अन्तिम कर दिए जाने पर प्रक्रिया और उसकी अवज्ञा के परिणाम
142	जांच के लम्बित रहने तक व्यादेश	161	जांच के लम्बित रहने तक व्यादेश
143	मजिस्ट्रेट लोक न्यूसेंस की पुनरावृत्ति या उसे चालू रखने का प्रतिषेध कर सकता है	162	मजिस्ट्रेट लोक न्यूसेंस की पुनरावृत्ति या उसे चालू रखने का प्रतिषेध कर सकता है
144	न्यूसेंस या आशंकित खतरे के अर्जेन्ट मामले में आदेश जारी करने की शक्ति	163	न्यूसेंस या आशंकित खतरे के अर्जेन्ट मामले में आदेश जारी करने की शक्ति
144क	आयुध सहित जुलूस या सामूहिक कवायद या सामूहिक प्रशिक्षण के प्रतिषेध की शक्ति	–	–

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
145	जहां भूमि या जल से सम्बद्ध विवादों से परिशान्ति भंग होना संभाव्य है वहां प्रक्रिया	164	जहां भूमि या जल से सम्बद्ध विवादों से परिशान्ति भंग होना संभाव्य है वहां प्रक्रिया
146	विवाद की विषयवस्तु को कुर्क करने की और रिसीवर नियुक्त करने की शक्ति	165	विवाद की विषयवस्तु को कुर्क करने की और रिसीवर नियुक्त करने की शक्ति
147	भूमि या जल के उपयोग के अधिकार से सम्बद्ध विवाद	166	भूमि या जल के उपयोग के अधिकार से सम्बद्ध विवाद
148	स्थानीय जांच	167	स्थानीय जांच
149	पुलिस का संज्ञेय अपराधों का निवारण करना	168	पुलिस का संज्ञेय अपराधों का निवारण करना
150	संज्ञेय अपराधों के किए जाने की परिकल्पना की इत्तिला	169	संज्ञेय अपराधों के किए जाने की परिकल्पना की इत्तिला
151	संज्ञेय अपराधों का किया जाना रोकने के लिए गिरफ्तारी	170	संज्ञेय अपराधों का किया जाना रोकने के लिए गिरफ्तारी
152	लोक सम्पत्ति की हानि का निवारण	171	लोक सम्पत्ति की हानि का निवारण
153	बाटों और मापों का निरीक्षण	–	–
154	संज्ञेय मामलों में इत्तिला	173	संज्ञेय मामलों में इत्तिला
155	असंज्ञेय मामलों के बारे में इत्तिला और ऐसे मामलों का अन्वेषण	174	असंज्ञेय मामलों के बारे में इत्तिला और ऐसे मामलों का अन्वेषण
156	संज्ञेय मामलों का अन्वेषण करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति	175	संज्ञेय मामलों का अन्वेषण करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति
157	अन्वेषण के लिए प्रक्रिया	176	अन्वेषण के लिए प्रक्रिया
158	रिपोर्ट कैसे दी जाएगी	177	रिपोर्ट कैसे दी जाएगी
159	अन्वेषण या प्रारंभिक जांच करने की शक्ति	178	अन्वेषण या प्रारंभिक जांच करने की शक्ति
160	साक्षियों की हाजिरी की अपेक्षा करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति	179	साक्षियों की हाजिरी की अपेक्षा करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति
161	पुलिस द्वारा साक्षियों की परीक्षा	180	पुलिस द्वारा साक्षियों की परीक्षा
162	पुलिस से किए गए कथनों का हस्ताक्षरित न किया जाना; कथनों का साक्ष्य में उपयोग	181	पुलिस को किया गया कथन और उसका
163	कोई उत्प्रेरणा न दिया जाना	182	कोई उत्प्रेरणा न दिया जाना
164	संस्वीकृतियों और कथनों को अभिलिखित करना	183	संस्वीकृतियों और कथनों को अभिलिखित करना
164क	बलात्संग के पीड़ित व्यक्ति की चिकित्सीय परीक्षा	184	बलात्संग के पीड़ित व्यक्ति की चिकित्सीय परीक्षा

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
165	पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी	185	पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी
166	पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी कब किसी अन्य अधिकारी से तलाशी वारण्ट जारी करने की अपेक्षा कर सकता है	186	पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी कब किसी अन्य अधिकारी से तलाशी वारण्ट जारी करने की अपेक्षा कर सकता है
166क	भारत के बाहर किसी देश या स्थान में अन्वेषण के लिए सक्षम प्राधिकारी को अनुरोध पत्र	112	भारत के बाहर किसी देश या स्थान में अन्वेषण के लिए सक्षम प्राधिकारी को अनुरोध पत्र
166ख	भारत के बाहर किसी देश या स्थान से भारत में अन्वेषण के लिए किसी न्यायालय या प्राधिकारी को अनुरोध पत्र	113	भारत के बाहर किसी देश या स्थान से भारत में अन्वेषण के लिए किसी न्यायालय या प्राधिकारी को अनुरोध पत्र
167	जब चौबीस घंटे के अन्दर अन्वेषण पूरा न किया जा सके तब प्रक्रिया	187	जब चौबीस घंटे के अन्दर अन्वेषण पूरा न किया जा सके तब प्रक्रिया
168	अधीनस्थ पुलिस अधिकारी द्वारा अन्वेषण की रिपोर्ट	188	अधीनस्थ पुलिस अधिकारी द्वारा अन्वेषण की रिपोर्ट
169	जब साक्ष्य अपर्याप्त हो तब अभियुक्त का छोड़ा जाना	189	जब साक्ष्य अपर्याप्त हो तब अभियुक्त का छोड़ा जाना
170	जब साक्ष्य पर्याप्त हैं तब मामलों का मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया जाना	190	जब साक्ष्य पर्याप्त हैं तब मामलों का मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया जाना
171	परिवादी और साक्षियों से पुलिस अधिकारी के साथ जाने की अपेक्षा न किया जाना और उनका अवरुद्ध न किया जाना	191	परिवादी और साक्षियों से पुलिस अधिकारी के साथ जाने की अपेक्षा न किया जाना और उनका अवरुद्ध न किया जाना
172	अन्वेषण में कार्यवाहियों की डायरी	192	अन्वेषण में कार्यवाहियों की डायरी
173	अन्वेषण के समाप्त हो जाने पर पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट	193	अन्वेषण के समाप्त हो जाने पर पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट
174	आत्महत्या, आदि पर पुलिस का जांच करना और रिपोर्ट देना	194	आत्महत्या, आदि पर पुलिस का जांच करना और रिपोर्ट देना
175	व्यक्तियों को समन करने की शक्ति	195	व्यक्तियों को समन करने की शक्ति
176	मृत्यु के कारण की मजिस्ट्रेट द्वारा जांच	196	मृत्यु के कारण की मजिस्ट्रेट द्वारा जांच
177	जांच और विचारण का मामूली स्थान	197	जांच और विचारण का मामूली स्थान
178	जांच या विचारण का स्थान	198	जांच या विचारण का स्थान
179	अपराध वहां विचारणीय होगा, जहां कार्य किया गया, या जहां परिणाम निकला	199	अपराध वहां विचारणीय होगा जहां कार्य किया गया या जहां परिणाम निकला
180	जहां कार्य अन्य अपराध से संबंधित होने के कारण अपराध है वहां विचारण का स्थान	200	जहां कार्य अन्य अपराध से संबंधित होने के कारण अपराध है वहां विचारण का स्थान

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
181	कुछ अपराधों की दशा में विचारण का स्थान	201	कुछ अपराधों की दशा में विचारण का स्थान
182	पत्रों, आदि द्वारा किए गए अपराध	202	इलैक्ट्रानिक संसूचना के साधनों, पत्रों, आदि द्वारा किए गए अपराध
183	यात्रा या जल–यात्रा में किया गया अपराध	203	यात्रा या जलयात्रा में किया गया अपराध
184	एक साथ विचारणीय अपराधों के लिए विचारण का स्थान	204	एक साथ विचारणीय अपराधों के लिए विचारण का स्थान
185	विभिन्न सेशन खण्डों में मामलों के विचारण का आदेश देने की शक्ति	205	विभिन्न सेशन खण्डों में मामलों के विचारण का आदेश देने की शक्ति
186	संदेह की दशा में उच्च न्यायालय का वह जिला विनिश्चित करना जिसमें जांच या विचारण होगा	206	संदेह की दशा में उच्च न्यायालय का वह जिला विनिश्चित करना जिसमें जांच या विचारण होगा
187	स्थानीय अधिकारिता के परे किए गए अपराध के लिए समन या वारण्ट जारी करने की शक्ति	207	स्थानीय अधिकारिता के परे किए गए अपराध के लिए समन या वारण्ट जारी करने की शक्ति
188	भारत से बाहर किया गया अपराध	208	भारत से बाहर किया गया अपराध
189	भारत के बाहर किए गए अपराधों के बारे में साक्ष्य लेना	209	भारत के बाहर किए गए अपराधों के बारे में साक्ष्य लेना
190	मजिस्ट्रेटों द्वारा अपराधों का संज्ञान	210	मजिस्ट्रेटों द्वारा अपराधों का संज्ञान
191	अभियुक्त के आवेदन पर अन्तरण	211	अभियुक्त के आवेदन पर अन्तरण
192	मामले मजिस्ट्रेटों के हवाले करना	212	मामले मजिस्ट्रेटों के हवाले करना
193	अपराधों का सेशन न्यायालयों द्वारा संज्ञान	213	अपराधों का सेशन न्यायालयों द्वारा संज्ञान
194	अपर और सहायक सेशन न्यायाधीशों को हवाले किए गए मामलों पर उनके द्वारा विचारण	214	अपर सेशन न्यायाधीशों को हवाले किए गए मामलों पर उनके द्वारा विचारण
195	लोक न्याय के विरुद्ध अपराधों के लिए और साक्ष्य में दिए गए दस्तावेजों से संबंधित अपराधों के लिए लोक सेवकों के विधिपूर्ण प्राधिकार के अवमान के लिए अभियोजन	215	लोक न्याय के विरुद्ध अपराधों के लिए और साक्ष्य में दिए गए दस्तावेजों से संबंधित अपराधों के लिए लोक सेवकों के विधिपूर्ण प्राधिकार के अवमान के लिए अभियोजन
195क	धमकी देने आदि की दशा में साक्षियों के लिए प्रक्रिया	216	धमकी देने आदि की दशा में साक्षियों के लिए प्रक्रिया

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
196	राज्य के विरुद्ध अपराधों के लिए और ऐसे अपराध करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र के लिए अभियोजन	217	राज्य के विरुद्ध अपराधों के लिए और ऐसे अपराध करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र के लिए अभियोजन
197	न्यायाधीशों और लोक सेवकों का अभियोजन	218	न्यायाधीशों और लोक सेवकों का अभियोजन
198	विवाह के विरुद्ध अपराधों के लिए अभियोजन	219	विवाह के विरुद्ध अपराधों के लिए अभियोजन
198क	भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498क के अधीन अपराधों का अभियोजन	220	भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 85 के अधीन अपराधों का अभियोजन
198ख	अपराध का संज्ञान	221	अपराध का संज्ञान
199	मानहानि के लिए अभियोजन	222	मानहानि के लिए अभियोजन
200	परिवादी की परीक्षा	223	परिवादी की परीक्षा
201	ऐसे मजिस्ट्रेट द्वारा प्रक्रिया जो मामले का संज्ञान करने के लिए सक्षम नहीं है	224	ऐसे मजिस्ट्रेट द्वारा प्रक्रिया जो मामले का संज्ञान करने के लिए सक्षम नहीं है
202	आदेशिका के जारी किए जाने को मुल्तवी करना	225	आदेशिका के जारी किए जाने को मुल्तवी करना
203	परिवाद को खारिज किया जाना	226	परिवाद का खारिज किया जाना
204	आदेशिका का जारी किया जाना	227	आदेशिका का जारी किया जाना
205	मजिस्ट्रेट का अभियुक्त को वैयक्तिक हाजिरी से अभिमुक्ति दे सकना	228	मजिस्ट्रेट का अभियुक्त को वैयक्तिक हाजिरी से अभिमुक्ति दे सकना
206	छोटे अपराधों के मामले में विशेष समन	229	छोटे अपराधों के मामले में विशेष समन
207	अभियुक्त को पुलिस रिपोर्ट या अन्य दस्तावेजों की प्रतिलिपि देना	230	अभियुक्त को पुलिस रिपोर्ट या अन्य दस्तावेजों की प्रतिलिपि देना
208	सेशन न्यायालय द्वारा विचारणीय अन्य मामलों में अभियुक्त को कथनों और दस्तावेजों की प्रतिलिपियां देना	231	सेशन न्यायालय द्वारा विचारणीय अन्य मामलों में अभियुक्त को कथनों और दस्तावेजों की प्रतिलिपियां देना
209	जब अपराध अनन्यत: सेशन न्यायालय द्वारा विचारणीय है तब मामला उसे सुपुर्द करना	232	जब अपराध अनन्यत: सेशन न्यायालय द्वारा विचारणीय है तब मामला उसे सुपुर्द करना
210	परिवाद वाले मामले में अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया और उसी अपराध के बारे में पुलिस अन्वेषण	233	परिवाद वाले मामले में अनुसरण की जाने वाली प्रक्रिया और उसी अपराध के बारे में पुलिस अन्वेषण
211	आरोप की अन्तर्वस्तु	234	आरोप की अन्तर्वस्तु
212	समय, स्थान और व्यक्ति के बारे में विशिष्टियां	235	समय, स्थान और व्यक्ति के बारे में विशिष्टियां

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
213	कब अपराध किए जाने की रीति कथित की जानी चाहिए	236	कब अपराध किए जाने की रीति कथित की जानी चाहिए
214	आरोप के शब्दों का वह अर्थ लिया जाएगा जो उनका उस विधि में है जिसके अधीन वह अपराध दण्डनीय है	237	आरोप के शब्दों का वह अर्थ लिया जाएगा जो उनका उस विधि में है जिसके अधीन वह अपराध दण्डनीय है
215	गलतियों का प्रभाव	238	गलतियों का प्रभाव
216	न्यायालय आरोप परिवर्तित कर सकता है	239	न्यायालय आरोप परिवर्तित कर सकता है
217	जब आरोप परिवर्तित किया जाता है तब साक्षियों का पुनः बुलाया जाना	240	जब आरोप परिवर्तित किया जाता है तब साक्षियों का पुनः बुलाया जाना
218	सुभिन्न अपराधों के लिए पृथक् आरोप	241	सुभिन्न अपराधों के लिए पृथक् आरोप
219	एक ही वर्ष में किए गए एक ही किस्म के तीन अपराधों का आरोप एक साथ लगाया जा सकेगा	242	एक ही वर्ष में किए गए एक किस्म के अपराधों का आरोप एक साथ लगाया जा सके
220	एक से अधिक अपराधों के लिए विचारण	243	एक से अधिक अपराधों के लिए विचारण
221	जहां इस बारे में संदेह है कि कौन सा अपराध किया गया है	244	जहां इस बारे में संदेह है कि कौन सा अपराध किया गया है
222	जब वह अपराध, जो साबित हुआ है, आरोपित अपराध के अन्तर्गत है	245	जब वह अपराध, जो साबित हुआ है, आरोपित अपराध के अन्तर्गत है
223	किन व्यक्तियों पर संयुक्त रूप से आरोप लगाया जा सकेगा	246	किन व्यक्तियों पर संयुक्त रूप से आरोप लगाया जा सकेगा
224	कई आरोपों में से एक के लिए दोषसिद्धि पर शेष आरोपों को वापस लेना	247	कई आरोपों में से एक के लिए दोषसिद्धि पर शेष आरोपों को वापस लेना
225	विचारण का संचालन लोक अभियोजक द्वारा किया जाना	248	विचारण का संचालन लोक अभियोजक द्वारा किया जाना
226	अभियोजन के मामले में कथन का आरम्भ	249	अभियोजन के मामले में कथन का आरम्भ
227	उन्मोचन	250	उन्मोचन
228	आरोप विरचित करना	251	आरोप विरचित करना
229	दोषी होने का अभिवचन	252	दोषी होने का अभिवचन
230	अभियोजन साक्ष्य के लिए तारीख	253	अभियोजन साक्ष्य के लिए तारीख
231	अभियोजन के लिए साक्ष्य	254	अभियोजन के लिए साक्ष्य
232	दोषमुक्ति	255	दोषमुक्ति
233	प्रतिरक्षा आरम्भ करना	256	प्रतिरक्षा आरम्भ करना
234	बहस	257	बहस
235	दोषमुक्ति या दोषसिद्धि का निर्णय	258	दोषमुक्ति या दोषसिद्धि का निर्णय
236	पूर्व दोषसिद्धि	259	पूर्व दोषसिद्धि

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
237	धारा 199 (2) के अधीन संस्थित मामलों में प्रक्रिया	260	धारा 222 की उपधारा (2) के अधीन संस्थित मामलों में प्रक्रिया
238	धारा 207 का अनुपालन	261	धारा 230 का अनुपालन
239	अभियुक्त को कब उन्मोचित किया जाएगा	262	जब अभियुक्त का उन्मोचन किया जाएगा
240	आरोप विरचित करना	263	आरोप विरचित करना
241	दोषी होने के अभिवाक् पर दोषसिद्धि	264	दोषी होने के अभिवाक् पर दोषसिद्धि
242	अभियोजन के लिए साक्ष्य	265	अभियोजन के लिए साक्ष्य
243	प्रतिरक्षा का साक्ष्य	266	प्रतिरक्षा का साक्ष्य
244	अभियोजन का साक्ष्य	267	अभियोजन का साक्ष्य
245	अभियुक्त को कब उन्मोचित किया जाएगा	268	अभियुक्त को कब उन्मोचित किया जाएगा
246	प्रक्रिया, जहां अभियुक्त उन्मोचित नहीं किया जाता	269	प्रक्रिया, जहां अभियुक्त उन्मोचित नहीं किया जाता
247	प्रतिरक्षा का साक्ष्य	270	प्रतिरक्षा का साक्ष्य
248	दोषमुक्ति या दोषसिद्धि	271	दोषमुक्ति या दोषसिद्धि
249	परिवादी की अनुपस्थिति	272	परिवादी की अनुपस्थिति
250	उचित कारण के बिना अभियोग के लिए प्रतिकर	273	उचित कारण के बिना अभियोग के लिए प्रतिकर
251	अभियोग का सारांश बताया जाना	274	अभियोग का सारांश बताया जाना
252	दोषी होने के अभिवाक् पर दोषसिद्धि	275	दोषी होने के अभिवाक् पर दोषसिद्धि
253	छोटे मामलों में अभियुक्त की अनुपस्थिति में दोषी होने के अभिवाक् पर दोषसिद्धि	276	छोटे मामलों में अभियुक्त की अनुपस्थिति में दोषी होने के अभिवाक् पर दोषसिद्धि
254	प्रक्रिया जब दोषसिद्ध न किया जाए	277	प्रक्रिया जब दोषसिद्ध न किया जाए
255	दोषमुक्ति या दोषसिद्धि	278	दोषमुक्ति या दोषसिद्धि
256	परिवादी का हाजिर न होना या उसकी मृत्यु	279	परिवादी का हाजिर न होना या उसकी मृत्यु
257	परिवाद को वापस लेना	280	परिवाद को वापस लेना
258	कुछ मामलों में कार्यवाही रोक देने की शक्ति	281	कतिपय मामलों में कार्यवाही रोक देने की शक्ति
259	समन–मामलों को वारण्ट–मामलों में संपरिवर्तित करने की न्यायालय की शक्ति	282	समन–मामलों को वारण्ट–मामलों में संपरिवर्तित करने की न्यायालय की शक्ति
260	संक्षिप्त विचारण करने की शक्ति	283	संक्षिप्त विचारण करने की शक्ति
261	द्वितीय वर्ग के मजिस्ट्रेटों द्वारा संक्षिप्त विचारण	284	द्वितीय वर्ग के मजिस्ट्रेटों द्वारा संक्षिप्त विचारण

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
262	संक्षिप्त विचारण की प्रक्रिया	285	संक्षिप्त विचारण की प्रक्रिया
263	संक्षिप्त विचारणों में अभिलेख	286	संक्षिप्त विचारणों में अभिलेख
264	संक्षेपत: विचारित मामलों में निर्णय	287	संक्षेपत: विचारित मामलों में निर्णय
265	अभिलेख और निर्णय की भाषा	288	अभिलेख और निर्णय की भाषा
265क	अध्याय का लागू होना	289	अध्याय का लागू होना
265ख	सौदा अभिवाक् के लिए आवेदन	290	सौदा अभिवाक् के लिए आवेदन
265ग	पारस्परिक संतोषप्रद निपटारे के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत	291	पारस्परिक संतोषप्रद निपटारे के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत
265घ	पारस्परिक संतोषप्रद निपटारे की रिपोर्ट का न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाना	292	पारस्परिक संतोषप्रद निपटारे की रिपोर्ट का न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाना
265ङ	मामले का निपटारा	293	मामले का निपटारा
265च	न्यायालय का निर्णय	294	न्यायालय का निर्णय
265छ	निर्णय का अंतिम होना	295	निर्णय का अंतिम होना
265ज	सौदा अभिवाक् में न्यायालय की शक्ति	296	सौदा अभिवाक् में न्यायालय की शक्ति
265झ	अभियुक्त द्वारा भोगी गई निरोध की अवधि का कारावास के दंडादेश के विरुद्ध मुजरा किया जाना	297	अभियुक्त द्वारा भोगी गई निरोध की अवधि का कारावास के दंडादेश के विरुद्ध मुजरा किया जाना
265ञ	व्यावृत्ति	298	व्यावृत्ति
265ट	अभियुक्त के कथनों का उपयोग न किया जाना	299	अभियुक्त के कथनों का उपयोग न किया जाना
265ठ	अध्याय का लागू न होना	300	अध्याय का लागू न होना
266	परिभाषाएं	301	परिभाषाएं
266(क)	"निरुद्ध"	301(क)	"निरुद्ध"
266(ख)	"कारागार"	301(ख)	"कारागार"
267	बंदियों को हाजिर कराने की अपेक्षा करने की शक्ति	302	बंदियों को हाजिर कराने की अपेक्षा करने की शक्ति
268	धारा 267 के प्रवर्तन से कतिपय व्यक्तियों को अपवर्जित करने की राज्य सरकार की शक्ति	303	धारा 302 के प्रवर्तन से कतिपय व्यक्तियों को अपवर्जित करने की राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार की शक्ति
269	कारागार के भारसाधक अधिकारी का कतिपय आकस्मिकताओं में आदेश को कार्यान्वित न करना	304	कारागार के भारसाधक अधिकारी का कतिपय आकस्मिकताओं में आदेश को कार्यान्वित न करना
270	बंदी का न्यायालय में अभिरक्षा में लाया जाना	305	बंदी का न्यायालय में अभिरक्षा में लाया जाना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
294	कुछ दस्तावेजों का औपचारिक सबूत आवश्यक न होना	330	कुछ दस्तावेजों का औपचारिक सबूत आवश्यक न होना
295	लोक सेवकों के आचरण के सबूत के बारे में शपथपत्र	331	लोक सेवकों के आचरण के सबूत के बारे में शपथपत्र
296	शपथपत्र पर औपचारिक साक्ष्य	332	शपथपत्र पर औपचारिक साक्ष्य
297	प्राधिकारी जिनके समक्ष शपथपत्रों पर शपथ ग्रहण किया जा सकेगा	333	प्राधिकारी जिनके समक्ष शपथपत्रों पर शपथ ग्रहण किया जा सकेगा
298	पूर्व दोषसिद्धि या दोषमुक्ति कैसे साबित की जाए	334	पूर्व दोषसिद्धि या दोषमुक्ति कैसे साबित की जाए
299	अभियुक्त की अनुपस्थिति में साक्ष्य का अभिलेख	335	अभियुक्त की अनुपस्थिति में साक्ष्य का अभिलेख
300	एक बार दोषसिद्ध या दोषमुक्त किए गए व्यक्ति का उसी अपराध के लिए विचारण न किया जाना	337	एक बार दोषसिद्ध या दोषमुक्त किए गए व्यक्ति का उसी अपराध के लिए विचारण न किया जाना
301	लोक अभियोजकों द्वारा हाजिरी	338	लोक अभियोजकों द्वारा हाजिरी
302	अभियोजन का संचालन करने की अनुज्ञा	339	अभियोजन का संचालन करने की अनुज्ञा
303	जिस व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही संस्थित की गई है उसका प्रतिरक्षा कराने का अधिकार	340	जिस व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही संस्थित की गई है उसका प्रतिरक्षा कराने का अधिकार
304	कुछ मामलों में अभियुक्त को राज्य के व्यय पर विधिक सहायता	341	कुछ मामलों में अभियुक्त को राज्य के व्यय पर विधिक सहायता
305	प्रक्रिया, जब निगम या रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी अभियुक्त है	342	प्रक्रिया, जब निगम या रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी अभियुक्त है
306	सह-अपराधी को क्षमादान	343	सह-अपराधी को क्षमादान
307	क्षमा–दान का निदेश देने की शक्ति	344	क्षमा–दान का निदेश देने की शक्ति
308	क्षमा की शर्तों का पालन न करने वाले व्यक्ति का विचारण	345	क्षमा की शर्तों का पालन न करने वाले व्यक्ति का विचारण
309	कार्यवाही को मुल्तवी या स्थगित करने की शक्ति	346	कार्यवाही को मुल्तवी या स्थगित करने की शक्ति
310	स्थानीय निरीक्षण	347	स्थानीय निरीक्षण
311	आवश्यक साक्षी को समन करने या उपस्थित व्यक्ति की परीक्षा करने की शक्ति	348	आवश्यक साक्षी को समन करने या उपस्थित व्यक्ति की परीक्षा करने की शक्ति
311क	नमूना हस्ताक्षर या हस्तलेख देने के लिए किसी व्यक्ति को आदेश देने की मजिस्ट्रेट की शक्ति	349	नमूना हस्ताक्षर या हस्तलेख देने के लिए किसी व्यक्ति को आदेश देने की मजिस्ट्रेट की शक्ति
312	परिवादियों और साक्षियों के व्यय	350	परिवादियों और साक्षियों के व्यय

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
313	अभियुक्त की परीक्षा करने की शक्ति	351	अभियुक्त की परीक्षा करने की शक्ति
314	मौखिक बहस और बहस का ज्ञापन	352	मौखिक बहस और बहस का ज्ञापन
315	अभियुक्त व्यक्ति का सक्षम साक्षी होना	353	अभियुक्त व्यक्ति का सक्षम साक्षी होना
316	प्रकटन उत्प्रेरित करने के लिए किसी असर का काम में न लाया जाना	354	प्रकटन उत्प्रेरित करने के लिए किसी प्रभाव का काम में न लाया जाना
317	कुछ मामलों में अभियुक्त की अनुपस्थिति में जांच और विचारण किए जाने के लिए उपबंध	355	कुछ मामलों में अभियुक्त की अनुपस्थिति में जांच और विचारण किए जाने के लिए उपबंध
318	प्रक्रिया जहां अभियुक्त कार्यवाही नहीं समझता है	357	प्रक्रिया जहां अभियुक्त कार्यवाहियों को नहीं समझता है
319	अपराध के दोषी प्रतीत होने वाले अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की शक्ति	358	अपराध के दोषी प्रतीत होने वाले अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की शक्ति
320	अपराधों का शमन	359	अपराधों का शमन
321	अभियोजन वापस लेना	360	अभियोजन वापस लेना
322	जिन मामलों का निपटारा मजिस्ट्रेट नहीं कर सकता, उनमें प्रक्रिया	361	जिन मामलों का निपटारा मजिस्ट्रेट नहीं कर सकता, उनमें प्रक्रिया
323	प्रक्रिया जब जांच या विचारण के प्रारम्भ के पश्चात् मजिस्ट्रेट को पता चलता है कि मामला सुपुर्द किया जाना चाहिए	362	प्रक्रिया जब जांच या विचारण के प्रारम्भ के पश्चात् मजिस्ट्रेट को पता चलता है कि मामला सुपुर्द किया जाना चाहिए
324	सिक्के, स्टाम्प विधि या सम्पत्ति के विरुद्ध अपराधों के लिए तत्पूर्व दोषसिद्ध व्यक्तियों का विचारण	363	सिक्के, स्टाम्प विधि या सम्पत्ति के विरुद्ध अपराधों के लिए पूर्व में दोषसिद्ध व्यक्तियों का विचारण
325	प्रक्रिया, जब मजिस्ट्रेट पर्याप्त कठोर दण्ड का आदेश नहीं दे सकता	364	प्रक्रिया जब मजिस्ट्रेट पर्याप्त कठोर दण्ड का आदेश नहीं दे सकता
326	भागतः एक न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट द्वारा और भागतः दूसरे न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट द्वारा अभिलिखित साक्ष्य पर दोषसिद्धि या सुपुर्दगी	365	भागतः एक न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट द्वारा और भागतः दूसरे न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट द्वारा अभिलिखित साक्ष्य पर दोषसिद्धि या सुपुर्दगी
327	न्यायालयों का खुला होना	366	न्यायालयों का खुला होना
328	अभियुक्त के पागल होने की दशा में प्रक्रिया	367	अभियुक्त के विकृत चित्त व्यक्ति होने की दशा में प्रक्रिया
329	न्यायालय के समक्ष विचारित व्यक्ति के विकृतचित्त होने की दशा में प्रक्रिया	368	न्यायालय के समक्ष विचारित व्यक्ति के विकृत चित्त होने की दशा में प्रक्रिया
330	अन्वेषण या विचारण के लंबित रहने तक विकृतचित्त व्यक्ति का छोड़ा जाना	369	अन्वेषण या विचारण के लंबित रहने तक विकृत चित्त व्यक्ति का छोड़ा जाना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
331	जांच या विचारण को पुनः चालू करना	370	जांच या विचारण को पुनः चालू करना
332	मजिस्ट्रेट या न्यायालय के समक्ष अभियुक्त के हाजिर होने पर प्रक्रिया	371	मजिस्ट्रेट या न्यायालय के समक्ष अभियुक्त के हाजिर होने पर प्रक्रिया
333	जब यह प्रतीत हो कि अभियुक्त स्वस्थचित्त रहा है	372	जब यह प्रतीत हो कि अभियुक्त स्वस्थ चित्त रहा है
334	चित्त-विकृति के आधार पर दोष-मुक्ति का निर्णय	373	चित्त-विकृति के आधार पर दोष-मुक्ति का निर्णय
335	ऐसे आधार पर दोषमुक्त किए गए व्यक्ति का सुरक्षित अभिरक्षा में निरुद्ध किया जाना	374	चित्त-विकृति के आधार पर दोषमुक्त किए गए व्यक्ति का सुरक्षित अभिरक्षा में निरुद्ध किया जाना
336	भारसाधक अधिकारी को कृत्यों का निर्वहन करने के लिए सशक्त करने की राज्य सरकार की शक्ति	375	भारसाधक अधिकारी को कृत्यों का निर्वहन करने के लिए सशक्त करने की राज्य सरकार की शक्ति
337	जहां यह रिपोर्ट की जाती है कि पागल बंदी अपनी प्रतिरक्षा करने में समर्थ है, वहां प्रक्रिया	376	जहां यह रिपोर्ट की जाती है कि विकृत चित्त बंदी अपनी प्रतिरक्षा करने में समर्थ है, वहां प्रक्रिया
338	जहां निरुद्ध पागल छोड़े जाने के योग्य घोषित कर दिया जाता है वहां प्रक्रिया	377	जहां निरुद्ध विकृत चित्त व्यक्ति छोड़े जाने के योग्य घोषित कर दिया जाता है वहां प्रक्रिया
339	नातेदार या मित्र को देख-रेख के लिए पागल को सौंपा जाना	378	नातेदार या मित्र की देख-रेख के लिए विकृत चित्त व्यक्ति का सौंपा जाना
340	धारा 195 में वर्णित मामलों में प्रक्रिया	379	धारा 215 में वर्णित मामलों में प्रक्रिया
341	अपील	380	अपील
342	खर्चे का आदेश देने की शक्ति	381	खर्चे का आदेश देने की शक्ति
343	जहां मजिस्ट्रेट संज्ञान करे वहां प्रक्रिया	382	जहां मजिस्ट्रेट संज्ञान करे वहां प्रक्रिया
344	मिथ्या साक्ष्य देने पर विचारण के लिए संक्षिप्त प्रक्रिया	383	मिथ्या साक्ष्य देने पर विचारण के लिए संक्षिप्त प्रक्रिया
345	अवमान के कुछ मामलों में प्रक्रिया	384	अवमान के कुछ मामलों में प्रक्रिया
346	जहां न्यायालय का विचार है कि मामले में धारा 345 के अधीन कार्यवाही नहीं की जानी चाहिए वहां प्रक्रिया	385	जहां न्यायालय का विचार है कि मामले में धारा 384 के अधीन कार्यवाही नहीं की जानी चाहिए वहां प्रक्रिया
347	रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार कब सिविल न्यायालय समझा जाएगा	386	रजिस्ट्रार या उप-रजिस्ट्रार कब सिविल न्यायालय समझा जाएगा
348	माफी मांगने पर अपराधी का उन्मोचन	387	माफी मांगने पर अपराधी का उन्मोचन
349	उत्तर देने या दस्तावेज पेश करने से इन्कार करने वाले व्यक्ति को कारावास या उसकी सुपुर्दगी	388	उत्तर देने या दस्तावेज पेश करने से इन्कार करने वाले व्यक्ति को कारावास या उसकी सुपुर्दगी

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
350	समन में पालन के साक्षी में हाजिर न होने पर उसे दण्डित करने के लिए संक्षिप्त प्रक्रिया	389	समन के पालन में साक्षी के हाजिर न होने पर उसे दण्डित करने के लिए संक्षिप्त प्रक्रिया
351	धारा 344, 345, 349 और 350 के अधीन दोषसिद्धियों से अपीलें	390	धारा 383, धारा 384, धारा 388 और धारा 389 के अधीन दोषसिद्धियों से अपीलें
352	कुछ न्यायाधीशों और मजिस्ट्रेटों के समक्ष किए गए अपराधों का उनके द्वारा विचारण न किया जाना	391	कुछ न्यायाधीशों और मजिस्ट्रेटों के समक्ष किए गए अपराधों का उनके द्वारा विचारण न किया जाना
353	निर्णय	392	निर्णय
354	निर्णय की भाषा और अन्तर्वस्तु	393	निर्णय की भाषा और अन्तर्वस्तु
355	महानगर मजिस्ट्रेट का निर्णय	–	–
356	पूर्वतन सिद्धदोष अपराधी को अपने पते की सूचना देने का आदेश	394	पूर्वतन सिद्धदोष अपराधी को अपने पते की सूचना देने का आदेश
357	प्रतिकर देने का आदेश	395	प्रतिकर देने का आदेश
357क	पीड़ित प्रतिकर स्कीम	396	पीड़ित प्रतिकर स्कीम
357ख	भारतीय दण्ड संहिता की धारा 326 या धारा 376घ के तहत जुर्माने के अतिरिक्त संदाय	396	पीड़ित प्रतिकर स्कीम
357ग	पीड़ितों का उपचार	397	पीड़ितों का उपचार
358	निराधार गिरफ्तार करवाए गए व्यक्तियों को प्रतिकर	399	निराधार गिरफ्तार करवाए गए व्यक्तियों को प्रतिकर
359	असंज्ञेय मामलों में खर्चा देने के लिए आदेश	400	असंज्ञेय मामलों में खर्चा देने के लिए आदेश
360	सदाचरण की परिवीक्षा पर या भर्त्सना के पश्चात् छोड़ देने का आदेश	401	सदाचरण की परिवीक्षा पर या भर्त्सना के पश्चात् छोड़ देने का आदेश
361	कुछ मामलों में विशेष कारणों का अभिलिखित किया जाना	402	कुछ मामलों में विशेष कारणों का अभिलिखित किया जाना
362	न्यायालय का अपने निर्णय में परिवर्तन न करना	403	न्यायालय का अपने निर्णय में परिवर्तन न करना
363	अभियुक्त और अन्य व्यक्तियों को निर्णय की प्रति का दिया जाना	404	अभियुक्त और अन्य व्यक्तियों को निर्णय की प्रति का दिया जाना
364	निर्णय का अनुवाद कब किया जाएगा	405	निर्णय का अनुवाद कब किया जाएगा
365	सेशन न्यायालय द्वारा निष्कर्ष और दण्डादेश की प्रति जिला मजिस्ट्रेट को भेजना	406	सेशन न्यायालय द्वारा निष्कर्ष और दण्डादेश की प्रति जिला मजिस्ट्रेट को भेजना
366	सेशन न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्डादेश का पुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाना	407	सेशन न्यायालय द्वारा मृत्यु दण्डादेश का पुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
367	अतिरिक्त जांच किए जाने के लिए या अतिरिक्त साक्ष्य लिए जाने के लिए निदेश देने की शक्ति	408	अतिरिक्त जांच किए जाने के लिए या अतिरिक्त साक्ष्य लिए जाने के लिए निदेश देने की शक्ति
368	दण्डादेश को पुष्ट करने या दोषसिद्धि को बातिल करने की उच्च न्यायालय की शक्ति	409	दण्डादेश को पुष्ट करने या दोषसिद्धि को बातिल करने की उच्च न्यायालय की शक्ति
369	नए दण्डादेश की पुष्टि का दो न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना	410	नए दण्डादेश की पुष्टि या नए दंडादेश का दो न्यायाधीशों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना
370	मतभेद की दशा में प्रक्रिया	411	मतभेद की दशा में प्रक्रिया
371	उच्च न्यायालय की पुष्टि के लिए प्रस्तुत मामलों में प्रक्रिया	412	उच्च न्यायालय की पुष्टि के लिए प्रस्तुत मामलों में प्रक्रिया
372	जब तक अन्यथा उपबंधित न हो किसी अपील का न होना	413	जब तक अन्यथा उपबंधित न हो किसी अपील का न होना
373	परिशान्ति कायम रखने या सदाचार के लिए प्रतिभूति अपेक्षित करने वाले या प्रतिभूति स्वीकार करने से इन्कार करने वाले या अस्वीकार करने वाले आदेश से अपील	414	परिशान्ति कायम रखने या सदाचार के लिए प्रतिभूति अपेक्षित करने वाले या प्रतिभूति स्वीकार करने से इन्कार करने वाले या अस्वीकार करने वाले आदेश से अपील
374	दोषसिद्धि से अपील	415	दोषसिद्धि से अपील
375	कुछ मामलों में जब अभियुक्त दोषी होने का अभिवचन करे, अपील न होना	416	कुछ मामलों में जब अभियुक्त दोषी होने का अभिवचन करे, अपील न होना
376	छोटे मामलों में अपील न होना	417	छोटे मामलों में अपील न होना
377	राज्य सरकार द्वारा दण्डादेश के विरुद्ध अपील	418	राज्य सरकार द्वारा दण्डादेश के विरुद्ध अपील
378	दोषमुक्ति की दशा में अपील	419	दोषमुक्ति की दशा में अपील
379	कुछ मामलों में उच्च न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध किए जाने के विरुद्ध अपील	420	कुछ मामलों में उच्च न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध किए जाने के विरुद्ध अपील
380	कुछ मामलों में अपील करने का विशेष अधिकार	421	कुछ मामलों में अपील करने का विशेष अधिकार
381	सेशन न्यायालय में की गई अपीलें कैसे सुनी जाएंगी	422	सेशन न्यायालय में की गई अपीलें कैसे सुनी जाएंगी
382	अपील की अर्जी	423	अपील की अर्जी
383	जब अपीलार्थी जेल में है, तब प्रक्रिया	424	जब अपीलार्थी जेल में है तब प्रक्रिया
384	अपील का संक्षेपत: खारिज किया जाना	425	अपील का संक्षेपत: खारिज किया जाना
385	संक्षेपत: खारिज न की गई अपीलों की सुनवाई के लिए प्रक्रिया	426	संक्षेपत: खारिज न की गई अपीलों की सुनवाई के लिए प्रक्रिया
386	अपील न्यायालय की शक्तियां	427	अपील न्यायालय की शक्तियां
387	अधीनस्थ अपील न्यायालय के निर्णय	428	अधीनस्थ अपील न्यायालय के निर्णय
388	अपील में उच्च न्यायालय के आदेश का प्रमाणित करके निचले न्यायालय को भेजा जाना	429	अपील में उच्च न्यायालय के आदेश का प्रमाणित करके निचले न्यायालय को भेजा जाना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
389	अपील लम्बित रहने तक दण्डादेश का निलम्बन; अपीलार्थी का जमानत पर छोड़ा जाना	430	अपील लम्बित रहने तक दण्डादेश का निलम्बन; अपीलार्थी का जमानत पर छोड़ा जाना
390	दोषमुक्ति से अपील में अभियुक्त की गिरफ्तारी	431	दोषमुक्ति से अपील में अभियुक्त की गिरफ्तारी
391	अपील न्यायालय अतिरिक्त साक्ष्य ले सकेगा या उसके लिए जाने का निदेश दे सकेगा	432	अपील न्यायालय अतिरिक्त साक्ष्य ले सकेगा या उसके लिए जाने का निदेश दे सकेगा
392	जहां अपील न्यायालय के न्यायाधीश राय के बारे में समान रूप से विभाजित हों, हां प्रक्रिया	433	जहां अपील न्यायालय के न्यायाधीश राय के बारे में समान रूप से विभाजित हों, वहां प्रक्रिया
393	अपील पर आदेशों और निर्णयों का अन्तिम होना	434	अपील पर आदेशों और निर्णयों का अन्तिम होना
394	अपीलों का उपशमन	435	अपीलों का उपशमन
395	उच्च न्यायालय को निर्देश	436	उच्च न्यायालय को निर्देश
396	उच्च न्यायालय के विनिश्चय के अनुसार मामले का निपटारा	437	उच्च न्यायालय के विनिश्चय के अनुसार मामले का निपटारा
397	पुनरीक्षण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अभिलेख मंगाना	438	पुनरीक्षण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अभिलेख मंगाना
398	जांच करने का आदेश देने की शक्ति	439	जांच करने का आदेश देने की शक्ति
399	सेशन न्यायाधीश की पुनरीक्षण की शक्तियां	440	सेशन न्यायाधीश की पुनरीक्षण की शक्तियां
400	अपर सेशन न्यायाधीश की शक्ति	441	अपर सेशन न्यायाधीश की शक्ति
401	उच्च न्यायालय की पुनरीक्षण की शक्तियां	442	उच्च न्यायालय की पुनरीक्षण की शक्तियां
402	उच्च न्यायालय की पुनरीक्षण के मामलों को वापस लेने या अन्तरित करने की शक्ति	443	उच्च न्यायालय की पुनरीक्षण के मामलों को वापस लेने या अन्तरित करने की शक्ति
403	पक्षकारों को सुनने का न्यायालय का विकल्प	444	पक्षकारों को सुनने का न्यायालय का विकल्प
404	महानगर मजिस्ट्रेट के विनिश्चय के आधारों के कथन पर उच्च न्यायालय द्वारा विचार किया जाना	–	–
405	उच्च न्यायालय के आदेश को प्रमाणित करके निचले न्यायालय को भेजा जाना	445	उच्च न्यायालय के आदेश को प्रमाणित करके निचले न्यायालय को भेजा जाना
406	मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की उच्चतम न्यायालय की शक्ति	446	मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की उच्चतम न्यायालय की शक्ति
407	मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की उच्च न्यायालय की शक्ति	447	मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की उच्च न्यायालय की शक्ति
408	मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की सेशन न्यायाधीश की शक्ति	448	मामलों और अपीलों को अन्तरित करने की सेशन न्यायाधीश की शक्ति
409	सेशन न्यायाधीशों द्वारा मामलों और अपीलों का वापस लिया जाना	449	सेशन न्यायाधीशों द्वारा मामलों और अपीलों का वापस लिया जाना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
410	न्यायिक मजिस्ट्रेटों द्वारा मामलों का वापस लिया जाना	450	न्यायिक मजिस्ट्रेटों द्वारा मामलों का वापस लिया जाना
411	कार्यपालक मजिस्ट्रेटों द्वारा मामलों का अपने अधीनस्थ मजिस्ट्रेट के हवाले किया जाना या वापस लिया जाना	451	कार्यपालक मजिस्ट्रेटों द्वारा मामलों का हवाले किया जाना या वापस लिया जाना
412	कारणों का अभिलिखित किया जाना	452	कारणों का अभिलिखित किया जाना
413	धारा 368 के अधीन दिए गए आदेश का निष्पादन	453	धारा 409 के अधीन दिए गए आदेश का निष्पादन
414	उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए मृत्यु दण्डादेश का निष्पादन	454	उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए मृत्यु दण्डादेश का निष्पादन
415	उच्चतम न्यायालय की अपील की दशा में मृत्यु दण्डादेश के निष्पादन का मुल्तवी किया जाना	455	उच्चतम न्यायालय को अपील की दशा में मृत्यु दण्डादेश के निष्पादन का मुल्तवी किया जाना
416	गर्भवती स्त्री को मृत्युदण्ड का मुल्तवी किया जाना	456	गर्भवती महिला को मृत्यु दण्ड का लघुकरण किया जाना
417	कारावास का स्थान नियत करने की शक्ति	457	कारावास का स्थान नियत करने की शक्ति
418	कारावास के दण्डादेश का निष्पादन	458	कारावास के दण्डादेश का निष्पादन
419	निष्पादन के लिए वारण्ट का निदेशन	459	निष्पादन के लिए वारण्ट का निदेशन
420	वारण्ट किसको सौंपा जाएगा	460	वारण्ट किसको सौंपा जाएगा
421	जुर्माना उद्ग्रहीत करने के लिए वारण्ट	461	जुर्माना उद्ग्रहीत करने के लिए वारण्ट
422	ऐसे वारण्ट का प्रभाव	462	ऐसे वारण्ट का प्रभाव
423	जुर्माने के उद्ग्रहण के लिए किसी ऐसे राज्यक्षेत्र के न्यायालय द्वारा जिस पर इस संहिता का विस्तार नहीं है, जारी किया गया वारण्ट	463	जुर्माने के उद्ग्रहण के लिए किसी ऐसे राज्यक्षेत्र के न्यायालय, द्वारा जिस पर इस संहिता का विस्तार नहीं है, जारी किया गया वारण्ट
424	कारावास के दण्डादेश के निष्पादन का निलंबन	464	कारावास के दण्डादेश के निष्पादन का निलंबन
425	वारण्ट कौन जारी कर सकेगा	465	वारण्ट कौन जारी कर सकेगा
426	निकल भागे सिद्धदोष पर दण्डादेश कब प्रभावशील होगा	466	निकल भागे सिद्धदोष पर दण्डादेश कब प्रभावशील होगा
427	ऐसे अपराधी को दण्डादेश जो अन्य अपराध के लिए पहले से दण्डादिष्ट है	467	ऐसे अपराधी को दण्डादेश जो अन्य अपराध के लिए पहले से दण्डादिष्ट है
428	अभियुक्त द्वारा भोगी गई निरोध की अवधि का कारावास के दण्डादेश के विरुद्ध मुजरा किया जाना	468	अभियुक्त द्वारा भोगी गई निरोध की अवधि का कारावास के दण्डादेश के विरुद्ध मुजरा किया जाना
429	व्यावृत्ति	469	व्यावृत्ति
430	दण्डादेश के निष्पादन पर वारण्ट का लौटाया जाना	470	दण्डादेश के निष्पादन पर वारण्ट का लौटाया जाना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
431	जिस धन का संदाय करने का आदेश दिया गया है उसका जुर्माने के रूप में वसूल किया जा सकना	471	जिस धन का संदाय करने का आदेश दिया गया है उसका जुर्माने के रूप में वसूल किया जा सकना
432	दण्डादेशों का निलम्बन या परिहार करने की शक्ति	473	दण्डादेशों का निलम्बन या परिहार करने की शक्ति
433	दण्डादेश के लघुकरण की शक्ति	474	दण्डादेश लघुकरण करने की शक्ति
433क	कुछ मामलों में छूट या लघुकरण की शक्तियों पर निर्बंधन	475	कुछ मामलों में छूट या लघुकरण की शक्तियों पर निर्बंधन
434	मृत्यु दण्डादेशों की दशा में केन्द्रीय सरकार की समवर्ती शक्ति	476	मृत्यु दण्डादेशों की दशा में केन्द्रीय सरकार की समवर्ती शक्ति
435	कुछ मामलों में राज्य सरकार का केन्द्रीय सरकार से परामर्श के पश्चात् कार्य करना	477	कतिपय मामलों में राज्य सरकार का केन्द्रीय सरकार से सहमति के पश्चात् कार्य करना
436	किन मामलों में जमानत ली जाएगी	478	किन मामलों में जमानत ली जाएगी
436क	अधिकतम अवधि जिसके लिए विचाराधीन कैदी को निरुद्ध किया जा सकता है	479	अधिकतम अवधि, जिसके लिए विचाराधीन कैदी निरुद्ध किया जा सकता है
437	अजमानतीय अपराध की दशा में जब जमानत ली जा सकेगी	480	अजमानतीय अपराध की दशा में कब जमानत ली जा सकेगी
437क	अभियुक्त को उच्चतर अपील न्यायालय के समक्ष उपसंजात होने की अपेक्षा के लिए जमानत	481	अभियुक्त को अगले अपील न्यायालय के समक्ष उपसंजात होने की अपेक्षा के लिए जमानत
438	गिरफ्तारी की आशंका करने वाले व्यक्ति की जमानत मंजूर करने के लिए निदेश	482	गिरफ्तारी की आशंका करने वाले व्यक्ति की जमानत मंजूर करने के लिए निदेश
439	जमानत के बारे में उच्च न्यायालय या सेशन न्यायालय की विशेष शक्तियां	483	जमानत के बारे में उच्च न्यायालय या सेशन न्यायालय की विशेष शक्तियां
440	बन्धपत्र की रकम और उसे घटाना	484	बन्धपत्र की रकम और उसे घटाना
441	अभियुक्त और प्रतिभुओं का बंधपत्र	485	अभियुक्त और प्रतिभुओं का बंधपत्र
441क	प्रतिभुओं द्वारा घोषणा	486	प्रतिभुओं द्वारा घोषणा
442	अभिरक्षा से उन्मोचन	487	अभिरक्षा से उन्मोचन
443	जब पहले ली गई जमानत अपर्याप्त है, तब पर्याप्त जमानत के लिए आदेश देने की शक्ति	488	जब पहले ली गई जमानत अपर्याप्त है तब पर्याप्त जमानत के लिए आदेश देने की शक्ति
444	प्रतिभुओं का उन्मोचन	489	प्रतिभुओं का उन्मोचन
445	मुचलके के बजाय निक्षेप	490	मुचलके के बजाय निक्षेप
446	प्रक्रिया, जब बन्धपत्र समपहृत कर लिया जाता है	491	प्रक्रिया, जब बन्धपत्र समपहृत कर लिया जाता है
446क	बन्धपत्र और जमानत-पत्र को रद्द करना	492	बन्धपत्र और जमानत पत्र का रद्दकरण

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
447	प्रतिभू के दिवालिया हो जाने या उसकी मृत्यु हो जाने या बन्धपत्र का समपहरण हो जाने की दशा में प्रक्रिया	493	प्रतिभू के दिवालिया हो जाने या उसकी मृत्यु हो जाने या बन्धपत्र का समपहरण हो जाने की दशा में प्रक्रिया
448	अवयस्क से अपेक्षित बन्धपत्र	494	बालक से अपेक्षित बन्धपत्र
449	धारा 446 के अधीन आदेशों से अपील	495	धारा 491 के अधीन आदेशों से अपील
450	कुछ मुचलकों पर देय रकम का उद्ग्रहण करने का निदेश देने की शक्ति	496	कतिपय मुचलकों पर देय रकम का उद्ग्रहण करने का निदेश देने की शक्ति
451	कुछ मामलों में विचारण लम्बित रहने तक सम्पत्ति की अभिरक्षा और व्ययन के लिए आदेश	497	कतिपय मामलों में विचारण लम्बित रहने तक सम्पत्ति की अभिरक्षा और व्ययन के लिए आदेश
452	विचारण की समाप्ति पर सम्पत्ति के व्ययन के लिए आदेश	498	विचारण की समाप्ति पर सम्पत्ति के व्ययन के लिए आदेश
453	अभियुक्त के पास मिले धन का निर्दोष क्रेता को संदाय	499	अभियुक्त के पास मिले धन का निर्दोष क्रेता को संदाय
454	धारा 452 या 453 के अधीन आदेशों के विरुद्ध अपील	500	धारा 498 या धारा 499 के अधीन आदेशों के विरुद्ध अपील
455	अपमानलेखीय और अन्य सामग्री को नष्ट किया जाना	501	अपमानलेखीय और अन्य सामग्री को नष्ट किया जाना
456	स्थावर सम्पत्ति का कब्जा लौटाने की शक्ति	502	स्थावर सम्पत्ति का कब्जा लौटाने की शक्ति
457	सम्पत्ति के अधिग्रहण पर पुलिस द्वारा प्रक्रिया	503	सम्पत्ति के अधिग्रहण पर पुलिस द्वारा प्रक्रिया
458	जहां छह मास के अन्दर कोई दावेदार हाजिर न हो, वहां प्रक्रिया	504	जहां छह मास के अन्दर कोई दावेदार हाजिर न हो वहां प्रक्रिया
459	विनश्वर सम्पत्ति को बेचने की शक्ति	505	विनश्वर सम्पत्ति को बेचने की शक्ति
460	वे अनियमितताएं, जो कार्यवाही को दूषित नहीं करतीं	506	वे अनियमितताएं जो कार्यवाही को दूषित नहीं करतीं
461	वे अनियमितताएं, जो कार्यवाही को दूषित करती हैं	507	वे अनियमितताएं जो कार्यवाही को दूषित करती हैं
462	गलत स्थान में कार्यवाही	508	गलत स्थान में कार्यवाही
463	धारा 164 या धारा 281 के उपबंधों का अनुपालन	509	धारा 183 या धारा 316 के उपबंधों का अननुपालन
464	आरोप विरचित न करने या उसके भाव या उसमें गलती का प्रभाव	510	आरोप विरचित न करने या उसके अभाव या उसमें गलती का प्रभाव
465	निष्कर्ष या दण्डादेश कब गलती, लोप या अनियमितता के कारण उलटने योग्य होगा	511	निष्कर्ष या दण्डादेश कब गलती, लोप या अनियमितता के कारण उलटने योग्य होगा
466	त्रुटि या गलती के कारण कुर्की का अवैध न होना	512	त्रुटि या गलती के कारण कुर्की का अवैध न होना

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
467	परिभाषाएं	513	परिभाषा
468	परिसीमा-काल की समाप्ति के पश्चात् संज्ञान का वर्णन	514	परिसीमा-काल की समाप्ति के पश्चात् संज्ञान का वर्जन
469	परिसीमा–काल का प्रारम्भ	515	परिसीमा–काल का प्रारम्भ
470	कुछ दशाओं में समय का अपवर्जन	516	कतिपय मामलों में समय का अपवर्जन
471	जिस तारीख को न्यायालय बन्द हो, उस तारीख का अपवर्जन	517	जिस तारीख को न्यायालय बन्द हो उस तारीख का अपवर्जन
472	चालू रहने वाला अपराध	518	चालू रहने वाला अपराध
473	कुछ दशाओं में परिसीमा-काल का विस्तारण	519	कतिपय मामलों में परिसीमा-काल का विस्तारण
474	उच्च न्यायालयों के समक्ष विचारण	520	उच्च न्यायालयों के समक्ष विचारण
475	सेना न्यायालय द्वारा विचारणीय व्यक्तियों का कमान आफिसरों को सौंपा जाना	521	सेना न्यायालय द्वारा विचारणीय व्यक्तियों का कमान आफिसरों को सौंपा जाना
476	प्ररूप	522	प्ररूप
477	उच्च न्यायालय की नियम बनाने की शक्ति	523	उच्च न्यायालय की नियम बनाने की शक्ति
478	कुछ दशाओं में कार्यपालक मजिस्ट्रेटों को सौंपे गए कृत्यों को परिवर्तित करने की शक्ति	524	कतिपय मामलों में कार्यपालक मजिस्ट्रेटों को सौंपे गए कृत्यों को परिवर्तित करने की शक्ति
479	वह मामला, जिसमें न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है	525	वे मामले जिसमें न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है
480	विधि–व्यवसाय करने वाले प्लीडर का कुछ न्यायालयों में मजिस्ट्रेट के तौर पर न बैठना	526	विधि–व्यवसाय करने वाले अधिवक्ता का कुछ न्यायालयों में मजिस्ट्रेट के तौर पर न बैठना
481	विक्रय से सम्बद्ध लोक सेवक का सम्पत्ति का क्रय न करना और उसकी बोली न लगाना	527	विक्रय से सम्बद्ध लोक सेवक का सम्पत्ति का क्रय न करना और उसके लिए बोली न लगाना
482	उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की व्यावृत्ति	528	उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की व्यावृत्ति
483	न्यायिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों पर अधीक्षण का निरंतर प्रयोग करने का उच्च न्यायालय का कर्त्तव्य	529	न्यायालयों पर अधीक्षण का निरंतर प्रयोग करने का उच्च न्यायालय का कर्त्तव्य
484	निरसन और व्यावृत्तियां	531	निरसन और व्यावृत्तियां
पहली अनुसूची	अपराधों का वर्गीकरण	पहली अनुसूची	अपराधों का वर्गीकरण
दूसरी अनुसूची	प्ररूप 1 से 56	दूसरी अनुसूची	प्ररूप 1 से 58

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973		भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
467	परिभाषाएं	513	परिभाषा
468	परिसीमा-काल की समाप्ति के पश्चात् संज्ञान का वर्णन	514	परिसीमा-काल की समाप्ति के पश्चात् संज्ञान का वर्जन
469	परिसीमा–काल का प्रारम्भ	515	परिसीमा–काल का प्रारम्भ
470	कुछ दशाओं में समय का अपवर्जन	516	कतिपय मामलों में समय का अपवर्जन
471	जिस तारीख को न्यायालय बन्द हो, उस तारीख का अपवर्जन	517	जिस तारीख को न्यायालय बन्द हो उस तारीख का अपवर्जन
472	चालू रहने वाला अपराध	518	चालू रहने वाला अपराध
473	कुछ दशाओं में परिसीमा-काल का विस्तारण	519	कतिपय मामलों में परिसीमा-काल का विस्तारण
474	उच्च न्यायालयों के समक्ष विचारण	520	उच्च न्यायालयों के समक्ष विचारण
475	सेना न्यायालय द्वारा विचारणीय व्यक्तियों का कमान आफिसरों को सौंपा जाना	521	सेना न्यायालय द्वारा विचारणीय व्यक्तियों का कमान आफिसरों को सौंपा जाना
476	प्ररूप	522	प्ररूप
477	उच्च न्यायालय की नियम बनाने की शक्ति	523	उच्च न्यायालय की नियम बनाने की शक्ति
478	कुछ दशाओं में कार्यपालक मजिस्ट्रेटों को सौंपे गए कृत्यों को परिवर्तित करने की शक्ति	524	कतिपय मामलों में कार्यपालक मजिस्ट्रेटों को सौंपे गए कृत्यों को परिवर्तित करने की शक्ति
479	वह मामला, जिसमें न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है	525	वे मामले जिसमें न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है
480	विधि–व्यवसाय करने वाले प्लीडर का कुछ न्यायालयों में मजिस्ट्रेट के तौर पर न बैठना	526	विधि–व्यवसाय करने वाले अधिवक्ता का कुछ न्यायालयों में मजिस्ट्रेट के तौर पर न बैठना
481	विक्रय से सम्बद्ध लोक सेवक का सम्पत्ति का क्रय न करना और उसकी बोली न लगाना	527	विक्रय से सम्बद्ध लोक सेवक का सम्पत्ति का क्रय न करना और उसके लिए बोली न लगाना
482	उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की व्यावृत्ति	528	उच्च न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की व्यावृत्ति
483	न्यायिक मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों पर अधीक्षण का निरंतर प्रयोग करने का उच्च न्यायालय का कर्त्तव्य	529	न्यायालयों पर अधीक्षण का निरंतर प्रयोग करने का उच्च न्यायालय का कर्त्तव्य
484	निरसन और व्यावृत्तियां	531	निरसन और व्यावृत्तियां
पहली अनुसूची	अपराधों का वर्गीकरण	पहली अनुसूची	अपराधों का वर्गीकरण
दूसरी अनुसूची	प्ररूप 1 से 56	दूसरी अनुसूची	प्ररूप 1 से 58

भारतीय साक्ष्य अधिनियम

2023

तुलनात्मक तालिका

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की सम्बन्धित प्रावधानों की तुलना

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
1	संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ	1	संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारंभ
2	अधिनियमितियों का निरसन	170	निरसन और व्यावृत्ति
3	निर्वचन-खण्ड	2	परिभाषाएं
3 पैरा 1	"न्यायालय"	2(1)(क)	"न्यायालय"
3 पैरा 2	"तथ्य"	2(1)(च)	"तथ्य"
3 पैरा 3	"सुसंगत"	2(1)(ट)	"सुसंगत"
3 पैरा 4	"विवाद्यक तथ्य"	2(1)(छ)	"विवाद्यक तथ्य"
3 पैरा 5	"दस्तावेज"	2(1)(घ)	"दस्तावेज"
3 पैरा 6	"साक्ष्य"	2(1)(ङ)	"साक्ष्य"
3 पैरा 7	"साबित"	2(1)(ञ)	"साबित"
3 पैरा 8	"नासाबित"	2(1)(ग)	"नासाबित"
3 पैरा 9	"साबित नहीं हुआ"	2(1)(झ)	"साबित नहीं हुआ"
3 पैरा 10	"भारत"	–	–
4 पैरा 1	"उपधारणा कर सकेगा"	2(1)(ज)	"उपधारणा कर सकेगा"
4 पैरा 2	"उपधारणा करेगा"	2(1)(ठ)	"उपधारणा करेगा"
4 पैरा 3	"निश्चायक सबूत"	2(1)(ख)	"निश्चायक सबूत"
5	विवाद्यक तथ्यों और सुसंगत तथ्यों का साक्ष्य दिया जा सकेगा	3	विवाद्यक तथ्यों और सुसंगत तथ्यों का साक्ष्य दिया जा सकेगा
6	एक ही संव्यवहार के भाग होने वाले तथ्यों की सुसंगति	4	एक ही संव्यवहार के भाग होने वाले तथ्यों की सुसंगति
7	वे तथ्य जो विवाद्यक तथ्यों के प्रसंग, हेतुक या परिणाम हैं	5	वे तथ्य, जो विवाद्यक तथ्यों या सुसंगत तथ्यों के प्रसंग, हेतुक या परिणाम हैं
8	हेतु, तैयारी और पूर्व का या पश्चात् का आचरण	6	हेतु, तैयारी और पूर्व का या पश्चात् का आचरण
9	सुसंगत तथ्यों के स्पष्टीकरण या पुर:स्थापन के लिए आवश्यक तथ्य	7	विवाद्यक तथ्य या सुसंगत तथ्यों के स्पष्टीकरण या पुर:स्थापन के लिए आवश्यक तथ्य
10	सामान्य परिकल्पना के बारे में षड्यंत्रकारी द्वारा कही या की गई बातें	8	सामान्य परिकल्पना के बारे में षड्यंत्रकारी द्वारा कही गई या की गई बातें
11	वे तथ्य जो अन्यथा सुसंगत नहीं हैं कब सुसंगत हैं	9	वे तथ्य जो अन्यथा सुसंगत नहीं हैं कब सुसंगत हैं

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
12	नुकसानी के लिए वादों में रकम अवधारित करने के लिए न्यायालय को समर्थ करने की प्रवृत्ति रखने वाले तथ्य सुसंगत हैं	10	रकम अवधारित करने के लिए न्यायालय को समर्थ करने की प्रवृत्ति रखने वाले तथ्य नुकसानी के लिए वादों में सुसंगत हैं
13	जबकि अधिकार या रूढ़ि प्रश्नगत है, तब सुसंगत तथ्य	11	जबकि अधिकार या रूढ़ि प्रश्नगत है, तब सुसंगत तथ्य
14	मन या शरीर की दशा या शारीरिक संवेदना का अस्तित्व दर्शित करने वाले तथ्य	12	मन या शरीर की दशा या शारीरिक संवदेना का अस्तित्व दर्शित करने वाले तथ्य
15	कार्य आकस्मिक या साशय था, इस प्रश्न पर प्रकाश डालने वाले तथ्य	13	कार्य आकस्मिक या साशय था इस प्रश्न पर प्रकाश डालने वाले तथ्य
16	कारबार के अनुक्रम का अस्तित्व कब सुसंगत है	14	कारबार के अनुक्रम का अस्तित्व कब सुसंगत है
17	स्वीकृति की परिभाषा	15	स्वीकृति की परिभाषा
18	स्वीकृति कार्यवाही के पक्षकार या उसके अभिकर्त्ता द्वारा प्रतिनिधिक रूप से वादकर्त्ता द्वारा	16	कार्यवाही के पक्षकार या उसके अभिकर्ता द्वारा स्वीकृति
19	उन व्यक्तियों द्वारा स्वीकृतियाँ जिनकी स्थिति वाद के पक्षकारों के विरुद्ध साबित की जानी चाहिए	17	उन व्यक्तियों द्वारा स्वीकृतियां जिनकी स्थिति वाद के पक्षकारों के विरुद्ध साबित की जानी चाहिए
20	वाद के पक्षकार द्वारा अभिव्यक्त रूप से निर्दिष्ट व्यक्तियों द्वारा स्वीकृतियाँ	18	वाद के पक्षकार द्वारा अभिव्यक्त रूप से निर्दिष्ट व्यक्तियों द्वारा स्वीकृतियां
21	स्वीकृतियों का उन्हें करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध और उनके द्वारा या उनकी ओर से साबित किया जाना	19	स्वीकृतियों को उन्हें करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध और उनके द्वारा या उनकी ओर से साबित किया जाना
22	दस्तावेजों की अन्तर्वस्तु के बारे में मौखिक स्वीकृतियाँ कब सुसंगत होती हैं	20	दस्तावेजों की अन्तर्वस्तु के बारे में मौखिक स्वीकृतियां कब सुसंगत होती हैं
22क	इलेक्ट्रानिक अभिलेखों की अन्तर्वस्तु के बारे में मौखिक स्वीकृतियां कब सुसंगत होती हैं	–	–
23	सिविल मामलों में स्वीकृतियाँ कब सुसंगत होती हैं	21	सिविल मामलों में स्वीकृतियां कब सुसंगत होती है
24	उत्प्रेरणा, धमकी या वचन द्वारा कराई गई संस्वीकृति दांडिक कार्यवाही में कब विसंगत होती है	22(1)	उत्प्रेरणा, धमकी, प्रपीड़न या वचन द्वारा कराई गई संस्वीकृति दाण्डिक कार्यवाही में कब विसंगत होती है
25	पुलिस ऑफिसर से की गई संस्वीकृति का साबित न किया जाना	23(1)	पुलिस अधिकारी से की गई संस्वीकृति
26	पुलिस की अभिरक्षा में होते हुए अभियुक्त द्वारा की गई संस्वीकृति का उसके विरुद्ध साबित न किया जाना	23(2)	पुलिस अधिकारी से की गई संस्वीकृति

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
27	अभियुक्त से प्राप्त जानकारी में से कितनी साबित की जा सकेगी	23(2)	पुलिस अधिकारी से की गई संस्वीकृति
28	उत्प्रेरणा, धमकी या वचन से पैदा हुए मन पर प्रभाव के दूर हो जाने के पश्चात् की गई संस्वीकृति सुसंगत है	22(1)	उत्प्रेरणा, धमकी, प्रपीड़न या वचन द्वारा कराई गई संस्वीकृति दाण्डिक कार्यवाही में कब विसंगत होती है
29	अन्यथा सुसंगत संस्वीकृति को गुप्त रखने के वचन आदि के कारण विसंगत न हो जाना	22(2)	उत्प्रेरणा, धमकी, प्रपीड़न या वचन द्वारा कराई गई संस्वीकृति दाण्डिक कार्यवाही में कब विसंगत होती है
30	साबित संस्वीकृति को, जो उसे करने वाले व्यक्ति तथा एक ही अपराध के लिए संयुक्त रूप से विचारित अन्य को प्रभावित करती है विचार में लेना	24	साबित संस्वीकृति को, जो उसे करने वाले व्यक्ति और एक ही अपराध के लिए संयुक्त रूप से विचारित अन्य को प्रभावित करती है विचार में लेना
31	स्वीकृतियाँ निश्चायक सबूत नहीं हैं, किन्तु विबंध कर सकती हैं	25	स्वीकृतियां निश्चायक सबूत नहीं हैं, किंतु विबंध कर सकती हैं
32	वे दशाएँ जिनमें उस व्यक्ति द्वारा सुसंगत तथ्य का किया गया कथन सुसंगत है, जो मर गया है या मिल नहीं सकता, इत्यादि	26	वे दशाएं जिनमें उस व्यक्ति द्वारा सुसंगत तथ्य का किया गया कथन सुसंगत है, जो मर गया है या मिल नहीं सकता, इत्यादि
33	किसी साक्ष्य में कथित तथ्यों की सत्यता को पश्चातवर्ती कार्यवाही में साबित करने के लिए उस साक्ष्य की सुसंगति	27	किसी साक्ष्य में कथित तथ्यों की सत्यता को पश्चातवर्ती कार्यवाही में साबित करने के लिए उस साक्ष्य की सुसंगति
34	लेखा पुस्तकों की प्रविष्टियाँ, जिनमें वे शामिल हैं, जिन्हें इलेक्ट्रानिक रूप में रखा गया है कब सुसंगत है	28	लेखा-पुस्तकों की प्रविष्टियां कब सुसंगत हैं
35	कर्त्तव्य-पालन में की गई लोक अभिलेख या इलेक्ट्रानिक अभिलेख की प्रविष्टियों की सुसंगति	29	कर्तव्य-पालन में की गई लोक अभिलेख या इलैक्ट्रानिकी अभिलेख की प्रविष्टियों की सुसंगति
36	मानचित्रों, चार्टों और रेखांकों के कथनों की सुसंगति	30	मानचित्रों, चार्टों और रेखांकों के कथनों की सुसंगति
37	किन्हीं अधिनियमों या अधिसूचनाओं में अन्तर्विष्ट लोक प्रकृति के तथ्य के बारे में कथन की सुसंगति	31	किन्हीं अधिनियमों या अधिसूचनाओं में अन्तर्विष्ट लोक प्रकृति के तथ्य के बारे में कथन की सुसंगति
38	विधि की पुस्तकों में अन्तर्विष्ट किसी विधि के कथनों की सुसंगति	32	विधि की पुस्तकों में अन्तर्विष्ट किसी विधि के कथनों की सुसंगति, जिसके अंतर्गत इलैक्ट्रानिक या डिजिटल प्ररूप भी हैं

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
39	जबकि कथन किसी बातचीत, दस्तावेज, इलेक्ट्रानिक अभिलेख, पुस्तक अथवा पत्रों या कागज-पत्रों की आवली का भाग हो, तब क्या साक्ष्य दिया जाए	33	जबकि कथन किसी बातचीत, दस्तावेज, इलैक्ट्रानिक अभिलेख, पुस्तक या पत्रों या कागज-पत्रों की आवली का भाग हो, तब क्या साक्ष्य दिया जाए
40	द्वितीय वाद या विचारण के वारणार्थ पूर्व निर्णय सुसंगत हैं	34	द्वितीय वाद या विचारण के वारणार्थ पूर्व निर्णय सुसंगत हैं
41	प्रोबेट इत्यादि विषयक अधिकारिता के किन्हीं निर्णयों की सुसंगति	35	प्रोबेट इत्यादि विषयक अधिकारिता के किन्हीं निर्णयों की सुसंगति
42	धारा 41 में वर्णित से भिन्न निर्णयों, आदेशों या डिक्रियों की सुसंगति और प्रभाव	36	धारा 35 में वर्णित से भिन्न निर्णयों, आदेशों या डिक्रियों की सुसंगति और प्रभाव
43	धाराओं 40, 41 और 42 में वर्णित से भिन्न निर्णय आदि कब सुसंगत हैं	37	धारा 34, धारा 35 और धारा 36 में वर्णित से भिन्न निर्णय आदि कब सुसंगत हैं
44	निर्णय अभिप्राप्त करने में कपट या दुस्संधि अथवा न्यायालय की अक्षमता साबित की जा सकेगी	38	निर्णय अभिप्राप्त करने में कपट या दुस्संधि या न्यायालय की अक्षमता साबित जा सकेगी
45	विशेषज्ञों की रायें	39(1)	विशेषज्ञों की रायें
45क	इलेक्ट्रानिक साक्ष्य के परीक्षक की राय	39(2)	विशेषज्ञों की रायें
46	विशेषज्ञों की रायों से संबंधित तथ्य	40	विशेषज्ञों की रायों से संबंधित तथ्य
47	हस्तलेख के बारे में राय कब सुसंगत है	41(1)	हस्तलेख और हस्ताक्षर के बारे में राय कब सुसंगत है
47क	इलेक्ट्रानिक चिन्हक के बारे में राय कब सुसंगत है	41(2)	हस्तलेख और हस्ताक्षर के बारे में राय कब सुसंगत है
48	अधिकार या रूढ़ि के अस्तित्व के बारे में रायें कब सुसंगत हैं	42	साधारण रुढ़ि या अधिकार के अस्तित्व के बारे में रायें कब सुसंगत हैं
49	प्रथाओं, सिद्धांतों आदि के बारे में रायें कब सुसंगत हैं	43	प्रथाओं, सिद्धान्तों आदि के बारे में रायें कब सुसंगत हैं
50	नातेदारी के बारे में राय कब सुसंगत है	44	नातेदारी के बारे में राय कब सुसंगत है
51	राय के आधार कब सुसंगत हैं	45	राय के आधार कब सुसंगत हैं
52	सिविल मामलों में अध्यारोपित आचरण साबित करने के लिए शील, विसंगत है	46	सिविल मामलों में अध्यारोपित आचरण साबित करने के लिए शील, विसंगत है
53	दांडिक मामलों में प्रवर्तन अच्छा शील सुसंगत है	47	दाण्डिक मामलों में पूर्वतन अच्छा शील सुसंगत है

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
53क	कतिपय मामलों में शील या पूर्व लैंगिक अनुभव के साक्ष्य का सुसंगत न होना	48	कतिपय मामलों में शील या पूर्व लैंगिक अनुभव के साक्ष्य का सुसंगत न होना
54	उत्तर में होने के सिवाय पूर्वतन बुरा शील सुसंगत नहीं है	49	उत्तर में होने के सिवाय पूर्वतन बुरा शील सुसंगत नहीं है
55	नुकसानी पर प्रभाव डालने वाला शील	50	नुकसानी पर प्रभाव डालने वाला शील
56	न्यायिक रूप से अवेक्षणीय तथ्य साबित करना आवश्यक नहीं है	51	न्यायिक रूप से अवेक्षणीय तथ्य साबित करना आवश्यक नहीं है
57	वे तथ्य, जिनकी न्यायिक अवेक्षा न्यायालय को करनी होगी	52	वे तथ्य, जिनकी न्यायिक अवेक्षा न्यायालय करेगा
58	स्वीकृत तथ्यों को साबित करना आवश्यक नहीं है	53	स्वीकृत तथ्यों को साबित करना आवश्यक नहीं है
59	मौखिक साक्ष्य द्वारा तथ्यों का साबित किया जाना	54	मौखिक साक्ष्य द्वारा तथ्यों का साबित किया जाना
60	मौखिक साक्ष्य प्रत्यक्ष होना चाहिए	55	मौखिक साक्ष्य का प्रत्यक्ष होना
61	दस्तावेजों की अन्तर्वस्तु का सबूत	56	दस्तावेजों की अन्तर्वस्तु का सबूत
62	प्राथमिक साक्ष्य	57	प्राथमिक साक्ष्य
63	द्वितीयक साक्ष्य	58	द्वितीयक साक्ष्य
64	दस्तावेजों का प्राथमिक साक्ष्य द्वारा साबित किया जाना	59	दस्तावेजों का प्राथमिक साक्ष्य द्वारा साबित किया जाना
65	अवस्थाएँ जिनमें दस्तावेजों के संबंध में द्वितीयक साक्ष्य दिया जा सकेगा	60	अवस्थाएं जिनमें दस्तावेजों के सम्बन्ध में द्वितीयक साक्ष्य दिया जा सकेगा
65क	इलेक्ट्रानिक अभिलेख से संबंधित साक्ष्य के बारे में विशेष उपबंध	62	इलैक्ट्रानिक अभिलेख से सम्बन्धित साक्ष्य के बारे में विशेष उपबंध
65ख	इलैक्ट्रानिक अभिलेखों की ग्राह्यता	63	इलैक्ट्रानिक अभिलेखों की ग्राह्यता
66	पेश करने की सूचना के बारे में नियम	64	पेश करने की सूचना के बारे में नियम
67.	जिस व्यक्ति के बारे में अभिकथित है कि उसने पेश किए गए दस्तावेज को हस्ताक्षरित किया था या लिखा था, उस व्यक्ति के हस्ताक्षर या हस्तलेख का साबित किया जाना	65	जिस व्यक्ति के बारे में अभिकथित है कि उसने पेश की गई दस्तावेज को हस्ताक्षरित किया था या लिखा था उस व्यक्ति के हस्ताक्षर या हस्तलेख का साबित किया जाना
67क	इलेक्ट्रानिक चिन्हक	66	इलैक्ट्रानिक हस्ताक्षर के बारे में सबूत
68	ऐसी दस्तावेज के निष्पादन का साबित किया जाना उसका अनुप्रमाणित होना विधि द्वारा अपेक्षित है	67	ऐसी दस्तावेज के निष्पादन का साबित किया जाना जिसका अनुप्रमाणित होना विधि द्वारा अपेक्षित है
69	जब किसी भी अनुप्रमाणक साक्षी का पता न चले, तब सबूत	68	जब किसी भी अनुप्रमाणक साक्षी का पता न चले, तब सबूत
70	अनुप्रमाणित दस्तावेज के पक्षकार द्वारा निष्पादन की स्वीकृति	69	अनुप्रमाणित दस्तावेज के पक्षकार द्वारा निष्पादन की स्वीकृति
71	जबकि अनुप्रमाणक साक्षी निष्पादन का प्रत्याख्यान करता है, तब सबूत	70	जबकि अनुप्रमाणक साक्षी निष्पादन का प्रत्याख्यान करता है, तब सबूत

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
72	उस दस्तावेज का साबित किया जाना जिसका अनुप्रमाणित होना विधि द्वारा अपेक्षित नहीं है	71	उस दस्तावेज का साबित किया जाना जिसका अनुप्रमाणित होना विधि द्वारा अपेक्षित नहीं है
73	हस्ताक्षर, लेख या मुद्रा की तुलना अन्यों से जो स्वीकृत या साबित हैं	72	हस्ताक्षर, लेख या मुद्रा की तुलना अन्यों से जो स्वीकृत या साबित हैं
73क	अंकीय हस्ताक्षर के सत्यापन के बारे में सबूत	73	डिजिटल हस्ताक्षर के सत्यापन के बारे में सबूत
74	लोक-दस्तावेजें	74(1)	लोक और प्राइवेट दस्तावेज
75	प्राइवेट दस्तावेजें	74(2)	लोक और प्राइवेट दस्तावेज
76	लोक-दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियाँ	75	लोक दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां
77	प्रमाणित प्रतियों के पेश करने द्वारा दस्तावेजों का सबूत	76	प्रमाणित प्रतियों के पेश करने द्वारा दस्तावेजों का सबूत
78	अन्य शासकीय दस्तावेजों का सबूत	77	अन्य शासकीय दस्तावेजों का सबूत
79	प्रमाणित प्रतियों के असली होने के बारे में उपधारणा	78	प्रमाणित प्रतियों के असली होने के बारे में उपधारणा
80	साक्ष्य के अभिलेख के तौर पर पेश की गई दस्तावेजों के बारे में उपधारणा	79	साक्ष्य, आदि के अभिलेख के तौर पर पेश की गई दस्तावेजों के बारे में उपधारणा
81	राजपत्रों, समाचारपत्रों, पार्लियामेन्ट के प्राइवेट एक्टों और अन्य दस्तावेजों के बारे में उपधारणाएं	80	राजपत्रों, समाचारपत्रों, और अन्य दस्तावेजों के बारे में उपधारणा
81क	इलैक्ट्रानिक रूप में राजपत्रों के बारे में उपधारणा	81	इलैक्ट्रानिक या डिजिटल अभिलेख में राजपत्र के बारे में उपधारणा
82	मुद्रा या हस्ताक्षर के सबूत के बिना इंग्लैण्ड में ग्राह्य दस्तावेज के बारे में उपधारणा	–	–
83	सरकार के प्राधिकार द्वारा बनाए गए मानचित्रों या रेखांकों के बारे में उपधारणा	82	सरकार के प्राधिकार द्वारा बनाए गए मानचित्रों या रेखाकों के बारे में उपधारणा
84	विधियों के संग्रह और विनिश्चयों की रिपोर्ट के बारे में उपधारणा	83	विधियों के संग्रह और विनिश्चयों की रिपोर्टों के बारे में उपधारणा
85	मुख्तारनामों के बारे में उपधारणा	84	मुख्तारनामों के बारे में उपधारणा
85क	इलेक्ट्रानिक करारों के बारे में उपधारणा	85	इलैक्ट्रानिक करारों के बारे में उपधारणा
85ख	इलेक्ट्रानिक अभिलेखों और इलेक्ट्रानिक चिन्हक के बारे में उपधारणा	86	इलैक्ट्रानिक अभिलेखों और इलैक्ट्रानिक हस्ताक्षर के बारे में उपधारणा
85ग	इलेक्ट्रानिक चिन्हक प्रमाणापत्रों के बारे में उपधारणा	87	इलैक्ट्रानिक हस्ताक्षर प्रमाणपत्रों के बारे में उपधारणा
86	विदेशी न्यायिक अभिलेखों को प्रमाणित प्रतियों के बारे में उपधारणा	88	विदेशी न्यायिक अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियों के बारे में उपधारणा

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
87	पुस्तकों, मानचित्रों और चार्टों के बारे में उपधारणा	89	पुस्तकों मानचित्रों और चार्टों के बारे में उपधारणा
88	तार संदेशों के बारे में उपधारणा	–	–
88क	इलैक्ट्रानिक संदेशों के बारे में उपधारणा	90	इलैक्ट्रानिक संदेशों के बारे में उपधारणा
89	पेश न की गई दस्तावेजों के सम्यक निष्पादन आदि के बारे में उपधारणा	91	पेश न किए गए दस्तावेजों के सम्यक् निष्पादन आदि के बारे में उपधारणा
90	तीस वर्ष पुराने दस्तावेज के बारे में उपधारणा	92	तीस वर्ष पुराने दस्तावेजों के बारे में उपधारणा
90क	पाँच वर्ष पुराने इलेक्ट्रानिक अभिलेखों के बारे में उपधारणा	93	पांच वर्ष पुराने इलैक्ट्रानिक अभिलेखों के बारे में उपधारणा
91	दस्तावेजों के रूप में लेखबद्ध संविदाओं, अनुदानों तथा सम्पत्ति के अन्य व्ययनों के निबंधनों का साक्ष्य	94	दस्तावेजों के रूप में लेखबद्ध संविदाओं, अनुदानों और संपत्ति के अन्य व्ययनों के निबन्धनों का साक्ष्य
92	मौखिक करार के साक्ष्य का अपवर्जन	95	मौखिक करार के साक्ष्य का अपवर्जन
93	संदिग्धार्थ दस्तावेज को स्पष्ट करने या उसका संशोधन करने के साक्ष्य का अपवर्जन	96	संदिग्धार्थ दस्तावेज को स्पष्ट करने या उसका संशोधन करने के साक्ष्य का अपवर्जन
94	विद्यमान तथ्यों को दस्तावेज के लागू होने के विरुद्ध साक्ष्य का अपवर्जन	97	विद्यमान तथ्यों को दस्तावेज के लागू होने के विरुद्ध साक्ष्य का अपवर्जन
95	विद्यमान तथ्यों के संदर्भ में अर्थहीन दस्तावेज के बारे में साक्ष्य	98	विद्यमान तथ्यों के सदंर्भ में अर्थहीन दस्तावेज के बारे में साक्ष्य
96	उस भाषा के लागू होने के बारे में साक्ष्य जो कई व्यक्तियों में से केवल एक को लागू हो सकती है	99	उस भाषा के लागू होने के बारे में साक्ष्य जो कई व्यक्तियों में से केवल एक को लागू हो सकती है
97	तथ्यों के दो संवर्गों में से, जिनमें से किसी एक को भी वह भाषा पूरी की पूरी ठीक-ठीक लागू नहीं होती, उनमें से एक को भाषा के लागू होने के बारे में साक्ष्य	100	तथ्यों के दो संवर्गों में से जिनमें से किसी एक को भी वह भाषा पूरी की पूरी ठीक-ठीक लागू नहीं होती, उसमें से एक को भाषा के लागू होने के बारे में साक्ष्य
98	न पढ़ी जा सकने वाली लिपि आदि के अर्थ के बारे में साक्ष्य	101	न पढ़ी जा सकने वाली लिपि आदि के अर्थ के बारे में साक्ष्य
99	दस्तावेज के निबंधनों मे फेरफार करने वाले करार का साक्ष्य कौन दे सकेगा	102	दस्तावेज के निबन्धनों में फेर-फार करने वाले करार का साक्ष्य कौन दे सकेगा
100	भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के विल संबंधी उपबंधों की व्यावृत्ति	103	भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के विल सम्बन्धी उपबन्धों की व्यावृत्ति
101	सबूत का भार	104	सबूत का भार

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
102	सबूत का भार किस पर होता है	105	सबूत का भार किस पर होता है
103	विशिष्ट तथ्य के बारे में सबूत का भार	106	विशिष्ट तथ्य के बारे में सबूत का भार
104	साक्ष्य को ग्राह्य बनाने के लिए जो तथ्य साबित किया जाना हो, उसे साबित करने का भार	107	साक्ष्य को ग्राह्य बनाने के लिए जो तथ्य साबित किया जाना हो, उसे साबित करने का भार
105	यह साबित करने का भार कि अभियुक्त का मामला अपवादों के अन्तर्गत आता है	108	यह साबित करने का भार कि अभियुक्त का मामला अपवादों के अन्तर्गत आता है
106	विशेषत: ज्ञात तथ्य को साबित करने का भार	109	विशेषत: ज्ञात तथ्य को साबित करने का भार
107	उस व्यक्ति की मृत्यु साबित करने का भार जिसका तीस वर्ष के भीतर जीवित होना ज्ञात है	110	उस व्यक्ति की मृत्यु साबित करने का भार जिसका तीस वर्ष के भीतर जीवित होना ज्ञात है
108	यह साबित करने का भार कि वह व्यक्ति, जिसके बारे में सात वर्ष से कुछ सुना नहीं गया है, जीवित है	111	यह साबित करने का भार कि वह व्यक्ति, जिसके बारे में सात वर्ष से कुछ सुना नहीं गया है, जीवित है
109	भागीदारों, भू-स्वामी और अधिभारी, मालिक और अभिकर्त्ता के मामलों में सबूत का भार	112	भागीदारों, भू-स्वामी और अभिधारी, मालिक और अभिकर्ता के मामलों में सबूत का भार
110	स्वामित्व के बारे में सबूत का भार	113	स्वामित्व के बारे में सबूत का भार
111	उन संव्यवहारों में सद्भाव साबित किया जाना जिनमें एक पक्षकार का संबंध सक्रिय विश्वास का है	114	उन संव्यवहारों में सद्भाव का साबित किया जाना जिनमें एक पक्षकार का सम्बन्ध सक्रिय विश्वास का है
111क	कुछ अपराधों के बारे में उपधारणा	115	कतिपय अपराधों के बारे में उपधारणा
112	विवाहित स्थिति के दौरान में जन्म होना धर्मजत्व का निश्चायक सबूत है	116	विवाहित स्थिति के दौरान जन्म होना धर्मजत्व का निश्चायक सबूत है
113	राज्य क्षेत्र के अध्यर्पण का सबूत	–	–
113क	किसी विवाहित स्त्री द्वारा आत्महत्या के दुष्प्रेरण के बारे में उपधारणा	117	किसी विवाहित स्त्री द्वारा आत्महत्या के दुष्प्रेरण के बारे में उपधारणा
113ख	दहेज मृत्यु के बारे में उपधारणा	118	दहेज मृत्यु के बारे में उपधारणा
114	न्यायालय किन्हीं तथ्यों का अस्तित्व उपधारित कर सकेगा	119	न्यायालय किन्हीं तथ्यों का अस्तित्व उपधारित कर सकेगा
114क	बलात्संग के लिए कतिपय अभियोजन में सम्मति के न होने के बारे में उपधारणा	120	बलात्संग के लिए कतिपय अभियोजन में सम्मति के न होने की उपधारणा
115	विबंध	121	विबंध
116	अभिधारी का और कब्जाधारी व्यक्ति के अनुज्ञप्तिधारी का विबंध	122	अभिधारी का और कब्जाधारी व्यक्ति के अनुज्ञप्तिधारी का विबन्ध
117	विनिमयपत्र के प्रतिगृहीता का, उपनिहिती का या अनुज्ञप्तिधारी का विबंध	123	विनिमय-पत्र के प्रतिगृहीता का, उपनिहिती का या अनुज्ञप्तिधारी का विबन्ध

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
118	कौन साक्ष्य दे सकेगा	124	कौन साक्ष्य दे सकेगा
119	साक्षी का मौखिक रूप से संसूचित करने में असमर्थ होना	125	साक्षी का मौखिक रूप से संसूचित करने में असमर्थ होना
120	सिविल वाद के पक्षकार और उनकी पत्नियां या पति, दांडिक विचारण के अधीन व्यक्ति का पति या पत्नी	126	कतिपय मामलों में पति और पत्नी की साक्षी के रूप में सक्षमता
121	न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट	127	न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट
122	विवाहित स्थिति के दौरान में की गई संसूचनाएं	128	विवाहित स्थिति के दौरान में की गई संसूचनाएं
123	राज्य के कार्यकलापों के बारे में साक्ष्य	129	राज्य के कार्यकलापों के बारे में साक्ष्य
124	शासकीय संसूचनाएं	130	शासकीय संसूचनाएं
125	अपराधों के करने के बारे में जानकारी	131	अपराधों के करने के बारे में जानकारी
126	वृत्तिक संसूचनाएं	132(1)/(2)	वृत्तिक संसूचनाएं
127	धारा 126 दुभाषियों आदि को लागू होगी	132(3)	वृत्तिक संसूचनाएं
128	साक्ष्य देने के लिए स्वयमेव उद्यत होने से विशेषाधिकार अभित्यक्त नहीं हो जाता	133	साक्ष्य देने के लिए स्वयंमेव उद्यत होने से विशेषाधिकार अभित्यक्त नहीं हो जाता
129	विधि सलाहकारों से गोपनीय संसूचनाएं	134	विधि सलाहकारों से गोपनीय संसूचना
130	जो साक्षी पक्षकार नहीं है, उसके हक-विलेखों को पेश किया जाना	135	जो साक्षी पक्षकार नहीं है उसके हक-विलेखों का पेश किया जाना
131	उन दस्तावेजों या इलेक्ट्रानिक अभिलेखों का पेश किया जाना, जिन्हें कोई दूसरा व्यक्ति, जिसका उन पर कब्जा है, पेश करने से इन्कार कर सकता था	136	ऐसे दस्तावेजों या इलैक्ट्रानिक अभिलेखों का पेश किया जाना, जिन्हें कोई दूसरा व्यक्ति, जिसका उन पर कब्जा है, पेश करने से इंकार कर सकता था
132	इस आधार पर कि उत्तर उसे अपराध में फंसाएगा, साक्षी उत्तर देने से क्षम्य न होगा	137	इस आधार पर कि उत्तर उसे अपराध में फंसाएगा, साक्षी उत्तर देने से क्षम्य न होगा
133	सह-अपराधी	138	सहअपराधी
134	साक्षियों की संख्या	139	साक्षियों की संख्या
135	साक्षियों के पेशकरण और उनकी परीक्षा का क्रम	140	साक्षियों के पेशकरण और उनकी परीक्षा का क्रम
136	न्यायाधीश साक्ष्य की ग्राह्यता के बारे में निश्चय करेगा	141	न्यायाधीश साक्ष्य की ग्राह्यता के बारे में निश्चय करेगा
137	मुख्य परीक्षा	142	साक्षियों की परीक्षा
138	परीक्षाओं का क्रम	143	परीक्षाओं का क्रम
139	किसी दस्तावेज को पेश करने के लिए समनित व्यक्ति की प्रतिपरीक्षा	144	किसी दस्तावेज को पेश करने के लिए बुलाए गए व्यक्ति की प्रतिपरीक्षा

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872		भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023	
धारा	शीर्षक	धारा	शीर्षक
140	शील का साक्ष्य देने वाले साक्षी	145	शील का साक्ष्य देने वाले साक्षी
141	सूचक प्रश्न	146(1)	सूचक प्रश्न
142	उन्हें कब नहीं पूछना चाहिए	146(2)/(3)	सूचक प्रश्न
143	उन्हें कब पूछा जा सकेगा	146(4)	सूचक प्रश्न
144	लेखबद्ध विषयों के बारे में साक्ष्य	147	लेखबद्ध विषयों के बारे में साक्ष्य
145	पूर्वतन लेखबद्ध कथनों के बारे में प्रतिपरीक्षा	148	पूर्वतन लेखबद्ध कथनों के बारे में प्रतिपरीक्षा
146	प्रतिपरीक्षा में विधिपूर्ण प्रश्न	149	प्रतिपरीक्षा में विधिपूर्ण प्रश्न
147	साक्षी को उत्तर देने के लिए कब विवश किया जाए	150	साक्षी को उत्तर देने के लिए कब विवश किया जाए
148	न्यायालय विनिश्चित करेगा कि कब प्रश्न पूछा जाएगा और साक्षी को उत्तर देने के लिए कब विवश किया जाएगा	151	न्यायालय विनिश्चित करेगा कि कब प्रश्न पूछा जाएगा और साक्षी को उत्तर देने के लिए कब विवश किया जाएगा
149	युक्तियुक्त आधारों के बिना प्रश्न न पूछा जाएगा	152	युक्तियुक्त आधारों के बिना प्रश्न पूछा जाएगा
150	युक्तियुक्त आधारों के बिना प्रश्न पूछे जाने की अवस्था में न्यायालय की प्रक्रिया	153	युक्तियुक्त आधारों के बिना प्रश्न पूछे जाने की अवस्था में न्यायालय की प्रक्रिया
151	अशिष्ट और कलंकात्मक प्रश्न	154	अशिष्ट और कलकात्मक प्रश्न
152	अपमानित या क्षुब्ध करने के लिए आशयित प्रश्न	155	अपमानित या क्षुब्ध करने के लिए आशयित प्रश्न
153	सत्यवादिता परखने के प्रश्नों के उत्तरों का खंडन करने के लिए साक्ष्य का अपवर्जन	156	सत्यवादिता परखने के प्रश्नों के उत्तरों का खण्डन करने के लिए साक्ष्य का अपवर्जन
154	पक्षकार द्वारा अपने ही साक्षी से प्रश्न	157	पक्षकार द्वारा अपने ही साक्षी से प्रश्न
155	साक्षी की विश्वसनीयता पर अधिक्षेप	158	साक्षी की विश्वसनीयता पर अधिक्षेप
156	सुसंगत तथ्य के साक्ष्य की संपुष्टि करने की प्रवृत्ति रखने वाले प्रश्न ग्राह्य होंगे	159	सुसंगत तथ्य के साक्ष्य की सम्पुष्टि करने की प्रवृत्ति रखने वाले प्रश्न ग्राह्य होंगे
157	उसी तथ्य के बारे में पश्चात्वर्ती अभिसाक्ष्य की संपुष्टि करने के लिए साक्षी के पूर्वतन कथन साबित किए जा सकेंगे	160	उसी तथ्य के बारे में पश्चात्वर्ती अभिसाक्ष्य की संपुष्टि करने के लिए साक्षी के पूर्वतन कथन साबित किए जा सकेंगे
158	साबित कथन के बारे में, जो कथन धारा 32 या 33 के अधीन सुसंगत है, कौन सी बातें साबित की जा सकेंगी	161	साबित कथन के बारे में, जो कथन धारा 26 या धारा 27 के अधीन सुसंगत है, कौन सी बातें साबित की जा सकेंगी
159	स्मृति ताजी करना	162	स्मृति ताजी करना

जाँच अधिकारी के लिए कुछ ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बातें

1. संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर क्षेत्र पर विचार किए बिना Zero FIR दर्ज की जाएगी।
2. इलैक्ट्रोनिक माध्यम से आई संज्ञेय अपराथ की सूचना में, सूचना देने वाले के 3 दिन के अंदर हस्ताक्षर करवाये जाएंगे व आगे की कार्यवाही की जाएगी।
3. 3 से 7 साल तक की सजा वाले अपराधों में प्रारम्भिक जाँच का प्रावधान।
4. पीड़ित को 90 दिन के अन्दर मुकदमा की प्रगति रिपोर्ट बताई जाएगी।
5. प्रत्येक मुकदमा में दिये गये निर्धारित समय का ध्यान रखा जायेगा।
6. किसी संपत्ति, वस्तु या चीज के स्थान की तलाशी करने या कब्जे मे लेने की प्रक्रिया व उनकी सूची तैयार करने की प्रक्रिया को मोबाईल फोन या अन्य ईलैक्ट्रौनिक यंत्र से वीडियो रिकोर्ड़िंग और फोटोग्राफी की जायेगी तथा रिकोर्डिंग को इलाका मौजिस्ट्रेट को भेजा जायेगा।
7. गवाह सुरक्षा का प्रावधान।
8. हथकड़ी के प्रयोग का प्रावधान धारा 43 (3) के अनुसार अपराध की गम्भीरता को देखते हुये किया जा सकता है।
9. फोरेन्सिक विशेषज्ञ का 7 साल या इससे ज्यादा सजा के अपराधो में घटनास्थल से फोरंसिक साक्ष्यों को अनिवार्य इक्ठ्ठा करने का प्रावधान।

BNSS - प्रावधान

गिरफतारी संबधित

धारा 35 वारन्ट के बिना पुलिस कब गिरफ्तार कर सकेगी।

- जब कोई व्यक्ति संज्ञेय अपराध् करता है। तब उस व्यक्ति को पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट के आदेश या वारन्ट के बिना गिरफ्तार कर सकता है।

- पुलिस अधिकारी ऐसे अन्य सभी मामलों में जिनमें उपधारा (1) के तहत किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी जरुरी नहीं है, उस व्यक्ति को अपने समक्ष उपस्थित होने के लिए निर्देश जारी करेगा।

- जिन अपराधों में सजा 3 साल से कम है और आरोपी गम्भीर बिमारी से पीडित है या 60 वर्ष से अधिक आयु का है ऐसे व्यक्ति की गिरफ्तारी पुलिस उपनिरिक्षक (DSP) की अनुमती से ही की जा सकेगी।

धारा 36 गिरफ्तारी की प्रक्रिया और गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी के कर्तव्य।

- प्रत्येक पुलिस अधिकारी गिरफ्तारी करते समय-अपने नाम व रैंक की सही व स्पष्ट पहचान धारण करेगा।

- फर्द गिरफ्तारी तैयार करके उस पर एक गवाह और गिरफ्तार व्यक्ति के हस्ताक्षर करवाएगा।

धारा 38 गिरफ्तार किए गये व्यक्ति को पूछताछ के दौरान अपनी पंसद के वकील से मिलने का अधिकार है।

- पुलिस पूछताछ के दौरान गिरफ्तार व्यक्ति अपनी पंसद के वकील से मिलने का हकदार है, परन्तु सम्पूर्ण पुछताछ के दौरान नहीं।

- यदि 24 घण्टे के अन्दर ऐसे गिरफ्तार व्यक्ति का नाम व पता सुनिश्चित नहीं किया जा सकता तो उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा।

धारा 43 गिरफ्तारी कैसे की जाएगी।

- गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस अधिकारी उस व्यक्ति के शरीर को छू कर और बोलकर, उस व्यक्ति को गिरफ्तार करेगा।
- महिला की गिरफ्तारी महिला पुलिस अधिकारी द्वारा ही की जायेगी तथा विकट परिस्थितियों के अलावा पुरुष पुलिस अधिकारी महिला को नही छू सकता।
- पुलिस अधिकारी अपराध की प्रकृति व गम्भीरता को ध्यान में रखते हुए किसी आदतन अपराधी, आंतकवादी गतिविधि या ड्रग्स से सम्बन्धित अपराध, एसिड अटैक, करेंसी नोट का कूटकरण, मानव तस्करी, बच्चों के विरूद्ध लैंगिक अपराध या राज्य के विरूद्ध अपराध किया हो तो ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय या न्यायालय के सामने पेश करते समय पुलिस अधिकारी हथकड़ी का प्रयोग कर सकता है।
- अगर महिला दोषी की गिरफ्तारी विकट परिस्थितियों या किसी मजबुर हालातों में रात के समय करनी हो, तो उन हालातों में मेजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की लिखित अनुमति के साथ ही की जाएगी।

धारा 44 उस स्थान की तलाशी जिसमें ऐसा व्यक्ति छिपा हुआ है, जिसकी गिरफ्तारी की जानी है।

- किसी पुलिस अधिकारी को या वारन्ट के अधीन कार्य करने वाले व्यक्ति को यकिन है कि वह व्यक्ति जिसे गिरफ्तार किया जाना है किसी स्थान में छिपा है या उस स्थान का निवासी है या उस अधिकारी के पास यह विश्वास करने का कारण है कि वह व्यक्ति उस स्थान के अन्दर है, तो उस स्थान का मालिक, उस अधिकारी को तलाशी लेने के लिए उचित सुविधाऐं उपलब्ध करवाएगा।

धारा 47 गिरफ्तार किये गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण और जमानत के अधिकार की सूचना देना।

- पुलिस अधिकारी द्वारा जब किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाएगा तो उस व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी के कारण और जमानत के अधिकार के बारे में बताया जाएगा।

धारा 48 गिरफ्तार व्यक्ति की गिरफ्तारी के बारे में उसके रिश्तेदार या मित्र को जानकारी देने की बाध्यता।

- पुलिस अधिकारी या अन्य व्यक्ति जिसके किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, गिरफ्तार व्यक्ति की गिरफ्तारी और उस स्थान के बारे जहां गिरफ्तार व्यक्ति को रखा गया है के बारे गिरफ्तार व्यक्ति के रिश्तेदार या मित्र या अन्य कोई जिसे गिरफ्तार व्यक्ति अपनी गिरफ्तारी की सूचना देना चाहे, दी जाएगी। अगर अपराध जमानतीय है तो उसको जमानत के अधिकार के बारे में बताएगा।

धारा 52 बलात्संग के अपराधी व्यक्ति की चिकित्सा व्यवसायी द्वारा जाँच।

- जब किसी व्यक्ति को बलात्कार या बलात्कार का प्रयत्न करने के अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है तो उसकी चिकित्सा परिक्षा Registered Medical Practitioner के द्वारा, पुलिस अधिकारी द्वारा निवेदन करने पर की जाएगी।
- चिकित्सा व्यवसायी बिना किसी देरी के रिर्पोट तैयार करेगा और रिर्पोट में अभियुक्त की सभी जानकारी व D.N.A. प्रोफाइल के लिए गए सैम्पल की सामग्री का वर्णन करेगा। और बिना किसी देरी के रिर्पोट तैयार करके तफ्तीशी अधिकारी को भेजेगा।

धारा 53 गिरफ्तार व्यक्ति की चिकित्सा अधिकारी द्वारा जाँच।

- चिकित्सा अधिकारी द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति की जाँच की जाएगी और उसकी तैयार की गई रिर्पोट की एक कॉपी गिरफ्तार व्यक्ति या उसके द्वारा बतलाए गए व्यक्ति को दी जाएगी।
- यदि गिरफ्तार व्यक्ति महिला है तो उसकी शारीरिक जाँच , महिला चिकित्सा अधिकारी से करवाई जाएगी।

धारा 55 जब पुलिस अधिकारी वारन्ट के बिना गिरफ्तार करने के लिए अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारी को नियुक्त करता है तब प्रकिया।

- पुलिस थाने का थाना प्रभारी अपने अधीन किसी अन्य पुलिस अधिकारी को लिखित आदेश देकर, किसी व्यक्ति को बिना वारन्ट के गिरफ्तार करने के लिए नियुक्त कर सकता है।

धारा 56 गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का स्वास्थ्य और सुरक्षा।

- अभियुक्त को हिरासत में रखने वाले अधिकारी का कर्तव्य है कि वह अभियुक्त के स्वास्थ्य व सुरक्षा की उचित देखभाल करेगा।

धारा 57 गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट या थाना प्रभारी के समक्ष पेश करना।

- बिना वारन्ट के गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तार करने वाला अधिकारी बिना देरी के थाना प्रभारी या मजिस्ट्रेट के सामने पेश करेगा।

धारा 58 गिरफ्तार किए गये व्यक्ति को 24 घण्टे से अधिक हिरासत में नहीं रखा जाएगा।

- बिना वारन्ट के गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को 24 घण्टे के अन्दर मेजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा।

धारा 61 हिरासत से भागने पर पीछा करने और पकड़ लेने की शक्ति।

- यदि कोई व्यक्ति विधिपूर्वक हिरासत से भागता है या छुड़ा लिया जाता है, तो उसको तुरन्त पीछा करके भारत के किसी भी स्थान से गिरफ्तार किया जा सकता है।

धारा 62 गिरफ्तारी संहिता में दिए गए प्रावधान के अनुसार ही की जाएगी।

- कोई भी गिरफ्तारी इस सहिता के उपबन्धों या किसी अन्य विधि के उपबन्धों के अनुसार ही की जाएगी।

पुलिस की जाँच करने की शक्तियाँ

(BNSS - प्रावधान)

INVESTIGATION POWERS OF POLICE

(Now Section 173 to 193 BNSS earlier Section 154 to 173 CrPC)

धारा 173 पुलिस को इत्तलाह और उनकी अन्वेषण करने की शक्तियाँ।

- संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर क्षेत्र पर विचार किये बिना Zero-FIR दर्ज की जायेगी।
- मौखिक या इलैक्ट्रोनिक माध्यन से संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।
- सूचना मौखिक दी गई है तो Written में लिखा जाएगा व शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर करवाए जाएगें। अगर इलैक्ट्रोनिक माध्यम से दी गई है तो शिकायतर्कता के 3 दिन के अंदर हस्ताक्षर करवाए जायेंगे।
- यदि अपराध धारा 64,65,66,67,68,69,70,71,74,75,76,77,78,79, & 124 का है तो महिला पुलिस अधिकारी द्वारा या किसी महिला अधिकारी द्वारा ब्यान लिखे जाएगें। यदि उपरोक्त धारा के लिये पीडित महिला स्थाई या अस्थाई रुप से मानसिक या शारीरिक रुप से (disable) असक्षम व विशक्त है तो उसके निवास स्थान या सुगम स्थान पर ब्यान लिखे जाएंगे तथा इसे किसी द्वाभाषिय या विशेष प्रबोधक की हाजरी में लिखा जाएगा।
    - इस इत्तलाह के अभिलेख की Videography की जाएगी।
    - धारा 183(6) के अनुसार जितनी जल्दी हो सके, न्यायिक मजिस्ट्रेट के द्वारा उस व्यक्ति के ब्यान को पुलिस अधिकारी अभिलिखित करवाएगा।
- FIR की कापी शिकायतकर्ता व पीडित व्यक्ति को मुफ्त में दी जायेगी।
- धारा 175 के तहत अन्वेषण के दौरान जहाँ किसी अपराध की सजा 3 वर्ष या उससे अधिक परन्तु 7 साल से ज्यादा ना हो तो थाना प्रबंधक मामले की प्रकृति वा गम्भीरता को देखते हुऐ उपपुलिस अधिक्षक (DSP) की पूर्व अनुमति से 14 दिन की प्राथमिक जाँच के आदेश लेगा।
- अगर थाना प्रभारी धारा 173(1) के तहत कार्यवाही करने, जाँच में देरी या इनकार करता है तो पीड़ित व्यक्ति पुलिस अधीक्षक को अपनी शिकायत दे सकता है या वह व्यक्ति मजिस्ट्रेट के पास भी अपनी शिकायत दे सकता है।

असंज्ञेय अपराधों की सूचना व कार्यवाही

धारा 174 असंज्ञेय अपराधों की सूचना व कार्यवाही।

- असंज्ञेय अपराध में सूचना की DDR दर्ज की जायेगी। व सूचना देने वाले को Court में जाने का निर्देश देना होगा।
- ऐसे सभी मामलों की DDR रिपोर्ट 15 दिन के अन्दर मजिस्ट्रेट को भेजनी होगी।
- मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना अन्वेषण अधिकारी असंज्ञेय अपराधों की जाँच नहीं करेगा।
- अगर दो मामलों में से एक अपराध संज्ञेय है व दूसरा असंज्ञेय है तो उसे संज्ञेय अपराध की तरह ही अन्वेषण किया जायेगा।

धारा 175 संज्ञेय मामलों में तफ्तीश करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति।

- धाना प्रभारी अपने थाने की सीमाओं के अन्दर संज्ञेय अपराधों में मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना अन्वेषण कर सकता है।
- धारा 210 के तहत मजिस्ट्रेट धारा 173 (4) के तहत, शिकायत पर विचार करने के बाद अन्वेषण या तफतीश करने के लिये पुलिस अधिकारी को आदेश दे सकता है।

धारा 176 अन्वेषण की प्रक्रिया

- यदि थाना प्रभारी को कोई सूचना प्राप्त हो या कोई संदेह हो कि कोई अपराध हुआ है जिसकी धारा 175 के तहत वह तफतीश करने का अधिकार रखता है इसकी तत्काल रिपोर्ट मजिस्ट्रेट को भेजेगा जो उस मामले में संज्ञान के लिये सशक्त है और अन्वेषण करेगा या अपनी अधीनस्थ पुलिस अधिकारी को अन्वेषन करने के लिये नियुक्त करेगा।
- अगर थाना प्रभारी को यह प्रतीत होता है कि अन्वेषण करने के लिये प्रर्याप्त आधार नहीं है तो वह उस मामले में तफतीश नहीं करेगा।
- यदि अपराध बलात्कार से संबंधित है तो पीड़िता का कथन उसके निवास स्थान पर या उसके पसंद के स्थान पर किसी महिला पुलिस अधिकारी द्वारा या उसके माता पिता या संरक्षक या इलाका के सामाजिक कार्यकर्ता की उपस्थिति में दर्ज किया जायेगा तथा इसको इलेक्ट्रोनिक माध्यम व मोबाईल फोन से भी रिकोर्ड किया जा सकता है।
- यदि अपराध जिसमें सज़ा 7 साल या उससे अधिक हो तो फोरेन्सिक विशेषज्ञ की टीम को मौका पर फोरेन्सिक साक्ष्य इक्ठ्ठा करने के लिये बुलाया जायेगा।
- इस सब की वीडियोग्राफी मोबाईल फोन या अन्य इलैक्ट्रोनिक यंत्र के माध्यम से करवाई जायेगी।

धारा 177 रिपोर्ट कैसे दी जायेगी

- मजिस्ट्रेट को धारा 176 के अधीन भेजी जाने वाली रिपोर्ट किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के माध्यम से दी जायेगी।
- मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट बिना देरी के भेजी जाएगी।

धारा 178 तफतीश या प्रारम्भिक जाँच की शक्ति

- धारा 176 के अधीन अगर कोई रिपोर्ट मजिस्ट्रेट के पास जाएगी तो वह उसकी जाँच व निपटारा खुद या किसी अन्य व्यक्ति को तफतीश या प्रारम्भिक जाँच करने का निर्देश दे सकता है।

धारा 179 गवाहों को हाजिर करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति

- गवाहों को लिखत आदेश से बुलाया जा सकता है परंतु 15 वर्ष से कम आयु के बालक व 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति या महिला या मानसिक वा शारीरिक रुप से असक्षम या गंम्भीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति के ब्यान उनके घर पर ही लिखे जायेंगे व अन्य स्थान पर नही बुलाया जायेगा।
- अगर कोई गवाह अपनी मर्जी से पुलिस थाना में आना चाहे तो उसे रोका नही जायेगा।

धारा 180 पुलिस द्वारा गवाहों की परीक्षा या जाँच

- पुलिस अधिकारी उन गवाहों के ब्यान लिखेगा जिसको उस मुक्दमा के तत्थों व हालातों की जानकारी हो।
- महिला सबंधित अपराधों में धारा 64,65,66,67,68,69,70,71,74,75,76,78,79 व 124 के तहत अपराधों के ब्यान महिला पुलिस अधिकारी या अन्य महिला अधिकारी द्वारा ही दर्ज किए जाएंगे।

धारा 182 गवाह को प्रलोभन व धमकी न देना।

- गवाह को किसी प्रकार का प्रलोभन, inducement व धमकी या promise नही किया जाएगा।

धारा 183 इकबालिया ब्यान व ब्यानो का Magistrate द्वारा Record करना।

- इकबालिया ब्यान मैजिसट्रेट द्वारा अभिलिखित किए जाऐंगे तथा ऐसा ब्यान अभियुक्त व्यक्ति के अधिवक्ता की उपस्थिति में इलैक्ट्रोनिक माध्यम से भी करवाया जा सकता है।
- ऐसे मामले धारा 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 74, 75, 76, 77, 78, 79 & 124 के अपराध में Statement Recording महिला मजिस्ट्रेट द्वारा की जाएगी। यदि महिला मजिस्ट्रेट उपलब्ध नहीं होगी तो Male Magistrate एक महिला की उपस्थिति में ब्यान दर्ज

करेगा।

- ऐसे अपराध जिसमें सजा 10 साल या इससे अधिक कारावास या आजीवन या म्रत्युदण्ड से दण्डनीय है उन अपराधों में पुलिस द्वारा गवाह का ब्यान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज करवाना अनिवार्य है।

धारा 184 बलात्कार के पीड़ित की डॉक्टरी जाँच

- बलात्कार से पीड़ित महिला की ड़ाक्टरी जाँच 24 घंटे के अंदर Registered Medical Practitioner द्वारा पीड़ित महिला की सहमति या उसकी और से सहमती देने के लिए सक्षम व्यक्ति की सहमती से की जाएगी।
- Registered Medical Practitioner बिना विलंम्ब के पिड़िता की जाँच करेगा व 7 दिन के अन्दर ऐसी जाँच की रिपोर्ट अन्वेषण अधिकारी को भेजेगा जो धारा 193(6) के तहत दस्तावेज के रुप मे मानी जाएगी।

धारा 185 पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी

- पुलिस अधिकारी अन्वेषण के दौरान अपने थाना के इलाके में Search कर सकता है तथा ऐसी Search को इलैक्ट्रोनिक माध्यम जैसे कि मोबाईल फोन से Record करेगा व इसका इसके बारे case dairy में दर्ज करेगा।
- इस तलाशी की रिपोर्ट 48 घंटे के अन्दर मजिस्ट्रेट को भेजी जाएगी और जिस जगह की खोज की गई है उस जगह के मालिक व possession रखने वाले व्यकित को search article की लिस्ट की copy मुफ्ट में मजिस्ट्रेट के द्वारा दी जाएगी।

धारा 186 पुलिस अधिकारी द्वारा दूसरे के अधिकार क्षेत्र में तलाशी लेने की प्रक्रिया

- जब कोई अन्वेषण अधिकारी जो Sub-Insp rank से कम ना हो, दुसरे थाने के क्षेत्राधिकार में सर्च करेगा तो सर्च नोटिस की इत्तलाह concerned पुलिस थाना प्रभारी को भेजेगा जिसके इलाका में सर्च हुई है व इसके साथ लिस्ट की कापी भी भेजेगा।
- उस जगह के मालिक या Possession रखने वाले व्यक्ति को सामान की सूची मजिस्ट्रेट द्वारा दी जाएगी।

धारा 187 जब 24 घंटे के अन्दर तफतीश की प्रक्रिया पूरी न हो।

- जब तफतीशी अधिकारी किसी व्यक्ति को संज्ञेय अपराध में गिरफतार करता है और उसे लगता है कि मुकदमा की तफतीश 24 घंटे में पुरी नहीं की जा सकती तो वह पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करेगा व उसकी custody की दरखास्त करेगा जो कि 15 दिन से ज्यादा नहीं होगी। परंतु अब यह Custody समय शुरुआती 40 दिन/60 दिन के अंदर लिया जा सकता है जहाँ मुकदमा 60 दिन / 90 दिन के अनुसार पेश करना अनिवार्य हो।

धारा 188 अधीनस्थ पुलिस अधिकारी द्वारा अन्वेषण रिपोर्ट

- अगर तफतीश अधीनस्थ अन्वेषण पुलिस अधिकारी द्वारा की गई हो तो तफतीश के परिणाम की रिपोर्ट थाना प्रभारी को दी जाएगी।

धारा 189 सबुतों की कमी होने के कारण दोषी की रिहाई।

धारा 190 प्रयाप्त साक्ष्य (Sufficient evidence) होने पर मुक्दमों को मेजिसट्रेट के पास Trial के लिए भेजना।

धारा 191 शिकायतकर्ता व गवाहों को पुलिस के साथ कार्ट में जाने की अपेक्षा न करना।

धारा 192 तफतीश में कार्यवाही की केस डाय़री या जिमनी

- प्रत्येक पुलिस अधिकारी अपने मुकदमा में दिन-प्रतिदिन की तफतीश की रिपोर्ट जिमनी में दर्ज करेगा।

धारा 193 तफतीश पूरी होने पर पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट –

- प्रत्येक पुलिस अधिकारी अपने मुकदमा की तफतीश की रिपोर्ट बिना देरी निर्धारित समय में पूरी करेगा।
- अपराध Clause 64,65,66,67,68,70,71, of BNS 2023 और अपराध धारा 4,6,8, & 10 की POCSO अधिनियम 2012 से संबंधित केसों की रिपोर्ट अपराध दर्ज होने के दिनांक से 60 दिन के अंदर कोर्ट में पेश करेगा।
- धारा 230 BNSS के अनुसार प्रत्येक तफतीशी पुलिस अधिकारी मुलजिम के लिये चालान की एक कापी अलग से तैयार करेगा।
- प्रत्येक पुलिस अधिकारी 90 दिन की अवधि के अन्दर अपने मुकदमा की तफतीश की प्रगति रिपोर्ट इलैक्ट्रोनिक माध्यम से सूचना देने वाले को या पीडित व्यक्ति को देगा।
- धारा 193 (9) के अनुसार यदि मुकदमा का चालान कोर्ट में देने के बाद कोई तफतीश बकाया है तो कोर्ट की अनुमति के साथ 90 दिन में पूरी करनी होगी और फिर भी यदि तफतीश पूरी नहीं हुई है तो कोर्ट की अनुमति के साथ आगे भी की जा सकती है।

सत्यमेव जयते
CHANDIGARH POLICE
WE CARE FOR YOU